सीआरपीएफ

# समाचार

♦ वर्ष 69 ♦ अंक 6 ♦ जुलाई–अगस्त, 2023

77वें स्वतंत्रता दिवस–2023 के अवसर पर के.रि.पु.बल को **33** वीरता पदक

## राजभाषा विशेषांक

डॉ. एस.एल. थाउसेन, महानिदेशक, के.रि.पु.बल, श्री अमित शाह, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री को अखिल भारतीय वृक्षारोपण अभियान के अवसर पर स्मृति के रूप में पौधा भेंट करते हुए।

श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी, महिला एवं बाल विकास एवं अल्पसंख्यक कार्यमंत्री तथा के.रि.पु.बल के वरिष्ठ अधिकारी उम्मीदवार को रोजगार मेला के अवसर पर नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए।

मुख्य संरक्षक:
**डॉ. एस.एल. थाउसेन**
भा.पु.से. महानिदेशक


**संपादकीय सलाहकार मण्डल**

अध्यक्ष:
**श्री अमितेंद्र नाथ सिन्हा,** भा.पु.से.
महानिरीक्षक (आसूचना)

**सदस्य:**
डॉ. रफ़िउल आलम लश्कर, भा.पु.से.
पुलिस उप महानिरीक्षक (आसूचना)
श्री डी॰टी॰ बनर्जी, उप महानिरीक्षक (परिचालन)
श्री हर्षवर्धन, कमाण्डेंट (आसूचना)
श्री शम्भू कुमार, कमाण्डेंट (कल्याण)
श्री पाल सिंह सिवाल, कमाण्डेंट (परिचालन)

मुख्य संपादक :
**श्री प्रवीण त्रिपाठी,** उप. कमा.
(जन संपर्क अधिकारी)

संपादक :
**श्री परवेज़ आलम,** सहा. कमा. (रा.भा.)

संपादकीय सहायता :
**प्रशांत कुमार** (उ.नि./आशुलिपिक)
**राजेश कुमार** (स.उ.नि./मं.)

**चित्र:**
जन संपर्क फोटो सेल, महानिदेशालय
और सी.आर.पी.एफ. बटालियनें

**संपादकीय कार्यालय:**
महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल,
ब्लाक–1, केन्द्रीय कार्यालय परिसर,
लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
दूरभाष: 24360649


# इस अंक में

## रिपोर्टस


2 महानिदेशक का राजभाषा संदेश

4 85वां स्थापना दिवस: शौर्य और गाथा के 84 गौरवशाली वर्ष

6 सम्पूर्ण भारतवर्ष में सीआरपीएफ ने अपने 15 परिसरों में गर्व के साथ रोजगार मेले का आयोजन किया।

8 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र ने सीआरपीएफ के वीर सपूतों को 33 वीरता पदक प्रदान किए।

13 अखिल भारतीय वृक्षारोपण अभियान


## आर्टिकल


17 204 कोबरा–एक दिलचस्प सफर
विकास कुमार सिंह, द्वि.क.अधिकारी

20 मोटे अनाज: मानव शरीर और विशेषकर केरिपुबल कार्मिकों के स्वास्थ्य पर हितकर प्रभाव की आयुर्वेदिक और पौराणिक विवेचना
धर्मेन्द्र कुमार सिंह, द्वि.क.अधिकारी

24 स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की भूमिका
बी.एल. मीणा, उप कमाण्डेंट

26 राजभाषा अधिकारी की कलम से
सुरेन्द्र पाल सिंह, सहा.कमा.(राजभाषा)

28 हिंदी शब्दों के गठन का इतिहास एवं प्रक्रिया
जितेन्द्र सिंह, सहा.कमा.(राजभाषा)

30 आदिकाल से हिंदी की विकास यात्रा
निरी. (हिंदी अनु.), रमेश कुमार पाण्डेय

32 राइफल गीत
राजेश कुमार सिंह, सहा. कमां.

32 हम भूल गए
सत्येन्द्र सिंह, सहा. कमां (राजभाषा)

33 पेड़–पौधे
प्रेम चंद यादव, सहा. कमां.

33 पेड़ – उर्वशी शर्मा, पुत्री उप निरी/मंत्रा गिरधारीलाल शर्मा

33 हम सब भारतवासी
निरीक्षक/क्रिप्टो बिश्वनाथ मण्डल

34 पर्यावरण एक सोच
निरीक्षक(राजभाषा), आर.के.एल.कर्ण

34 मैं सीआरपीएफ का वीर जवान हूँ
सिपाही/जीडी, नरेन्द्र प्रताप बाजपेयी

35 भारत के वीर सिपाही
सिपाही/जीडी, जयवीर सिंह

35 मिट्टी
सि./टेलर, राहुल चौहान


## झलकियाँ


36 महानिदेशालय के कार्यक्रम

37 विविध कार्यक्रम


## न्यूज


39 उपलब्धियाँ

48 स्थानान्तरण/सेवा निवृति/शहीद को शत–शत नमन


## पदक एवं पुरस्कार


49 महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा पत्र



सीआरपीएफ समाचार एक द्विमासिक पत्रिका है। इसमें प्रकाशित किये जाने वाले विचार लेखकों के व्यक्तिगत विचार हैं। विभाग की नीति से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। - **मुख्य संपादक**



**महानिदेशक, सी.आर.पी.एफ. की ओर से मुद्रित और प्रकाशित:**
राज कंप्यूटर ग्राफिक्स,
मोहन गार्डन, उत्तम नगर, दिल्ली
दूरभाष: 9958119220

# महानिदेशक का राजभाषा संदेश

'हिंदी दिवस' के अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

भारतीय संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी भाषा को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। इसलिए प्रतिवर्ष 14 सितंबर ''हिंदी दिवस'' के रूप में मनाया जाता है। आज हिंदी आम बोलचाल की भाषा बन गई है जो सभी क्षेत्रों में प्रमुख भूमिका निभाने के साथ-साथ अत्यंत लोकप्रिय भी हो चुकी है। हिंदी समस्त भारतीयों को एकता के सूत्र में जोड़ने का कार्य करती है।

केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों से सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग संघ के सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रगामी प्रयोग बढ़ाने और समस्त सांविधिक एवं कानूनी उपबंधों का पालन सुनिश्चित करने की दृष्टि से, अनेक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्वों का निर्वहन करता है। इन्हीं उत्तरदायित्वों की एक कड़ी के रूप में विभाग द्वारा प्रतिवर्ष हिंदी दिवस का आयोजन किया जाता है। 'हिंदी दिवस' समारोह का आयोजन पहली बार दिल्ली से बाहर सूरत में किया गया था। इस वर्ष हिंदी दिवस एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के संयुक्त आयोजन का शुभारंभ माननीय गृह राज्य मंत्री जी की अध्यक्षता में पुणे (महाराष्ट्र) में किया गया है।

इसी वर्ष फरवरी माह में अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन फिजी में किया गया था जिसमें विश्व-भर के हजारों हिंदी सेवी शामिल हुए। यह हिंदी को वैश्विक पटल पर बढ़ावा देने के लिए अनोखी पहल है। हमारे बल में भी हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों एवं कार्मिकों की जिज्ञासा में वृद्धि हुई है। कार्यालयों के भ्रमण के दौरान मैंने यह पाया है कि हमारे अधिकारी एवं जवान परस्पर वार्तालाप एवं पत्र व्यवहार में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग कर रहे हैं। भारत सरकार द्वारा यूपीएससी, नीट, एसएससी सहित देश की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी में प्रश्नपत्र एवं हिंदी में उत्तर देने की उपलब्धता, राजभाषा हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता और इसकी स्वीकार्यता का द्योतक है। आज देश में ही नहीं, अपितु वैश्विक जगत में भी हिंदी का प्रयोग और इसकी मान्यता दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है जो हमारे लिए गर्व व सम्मान की बात है।

केरिपुबल को लघु भारत के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि इसमें भारत के सभी क्षेत्र के जवान भर्ती होते हैं। बल में हमारी एक-दूसरे से संवाद की भाषा मुख्यत: हिंदी होती है। हमारे बल का प्रत्येक सदस्य हिंदी को बोल एवं समझ लेता है। इसलिए हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि हम अधिकाधिक कार्यालयीन कामकाज हिंदी में ही करें। हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर मैं आप सभी से यह अपील करता हूँ कि सभी अधिकारी राजभाषा से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम-1963, राजभाषा नियम-1976, राजभाषा संकल्प-1968 और समय-समय पर राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा नीति से संबंधी जारी दिशा-निर्देशों से स्वयं परिचित हों और इसके प्रावधानों को अपने कार्यालयों में वास्तविक रूप से लागू करने के लिए उचित व अनुकूल वातावरण बनाएं। सभी कार्यालयीन कार्य एवं आपसी संवाद

में सरल और सहज हिंदी का प्रयोग कर गौरवान्वित महसूस करें। राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में मेरा यह भी मानना है कि जब तक हम अपनी मानसिकता नहीं बदलेंगे और सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा नहीं देंगे तब तक इसमें सकारात्मक बदलाव नहीं आ पाएगा। संघ की राजभाषा नीति के कारगर कार्यान्वयन के लिए हिंदी के प्रयोग का जो हमारा नैतिक व संवैधानिक दायित्व है उसको हल्के ढंग से न लेकर उतनी ही गंभीरता से लेना सुनिश्चित करें जितनी संजीदगी व गंभीरता से हम अपनी अन्य जिम्मेदारियाँ निर्वहित करते हैं।

राजभाषा नियम-1976 के नियम 12 के अनुसार केंद्रीय सरकार के प्रत्येक कार्यालय के प्रशासनिक प्रमुख का यह उत्तरदायित्व है कि वह राजभाषा अधिनियम तथा इनके अंतर्गत समय-समय पर जारी किए जाने वाले दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराए। संघ की राजभाषा नीति के आधार के आलोक में आगे मैं यहाँ पर यह कहना उचित समझता हूँ कि बल के सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग की स्वीकार्यता आदेश, कानून या परिपत्र जारी करने की अपेक्षा, प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं सद्भावना से अधिक सुनिश्चित होगी। अपने कार्यालयों में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत रुचि लें और स्वयं हिंदी में कार्य करके अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आगे बढ़ें जो संविधान की उद्देशिका और मूलभूत जिम्मेदारियों में से एक है।

भारत में स्थानीय भाषाओं का योगदान भी हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए अतुलनीय रहा है। इन भाषाओं ने हिंदी को समृद्ध किया है। हिंदी उन समस्त भारतीय भाषाओं की मूल परंपरा में से है जो इस देश की मिट्टी से उपजी हैं, यहीं पुष्पित, पल्लवित हुई हैं और जिन्होंने अपनी शब्द-संपदा, भाव-संपदा, रूप, शैली और अपने पदों से हिंदी को लगातार समृद्ध किया है। इसलिए मेरा यह मानना है कि हिंदी की स्थानीय भाषाओं से कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है और सभी भाषाओं को बढ़ावा देने से और उनके साथ उचित समन्वय बनाने से ही इस बल के कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग में वृद्धि होगी और इसके साथ-साथ देश और अधिक मजबूत एवं सशक्त होगा।

अंत में, मैं आज के इस महत्वपूर्ण अवसर पर यही कहना चाहता हूँ कि हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है। जैसी बोली जाती है वैसी लिखी जाती है और हिंदी भाषा की यही सादगी और संवेदनशीलता हमेशा लोगों को आकर्षित करती है। भाषा न केवल एक व्यक्तिगत संदेश देती है बल्कि एक सभ्यता और संस्कृति को भी दर्शाती है। इस प्रकार हिंदी हमारे पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु है। मेरा मानना है कि हिंदी को बढ़ावा देने के लिए इससे बेहतर समय और कोई नहीं हो सकता क्योंकि देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी न केवल संसद के भीतर व बाहर बल्कि वैश्विक मंचों पर भी हिंदी को गर्व के साथ प्रस्तुत करते हैं।

मुझे विश्वास है कि हम सभी एकजुट होकर अपने सामूहिक प्रयासों से हिंदी को वह अधिकार दिलाने में अवश्य सफल होंगे जिसकी वह अधिकारिणी है और सरकारी कामकाज में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करके इसका गौरव भी बढ़ाएंगे।

आप सभी को पुन: 'हिंदी दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं।

(डॉ. सुजॉय लाल थाउसेन)
महानिदेशक, केरिपुबल

# 85 वां स्थापना दिवसः
## शौर्य और गाथा के 84 गौरवशाली वर्ष

देश में बल के सभी संस्थानों में सीआरपीएफ का 85वां स्थापना दिवस समारोह बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया जिसका पूरा राष्ट्र गवाह बना। शौर्य अधिकारी संस्थान, वसंत कुंज में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में श्री तपन कुमार डेका, निदेशक, आई.बी., मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। माननीय मुख्य अतिथि ने सीआरपीएफ के महानिदेशक डॉ. सुजॉय लाल थाउसेन के साथ बल की समृद्ध और प्रचलित परंपरा के अनुरूप वीरता पदक विजेताओं को सम्मानित करते हुए वीर नायकों और मरणोपरांत वीर शहीदों के परिवार के सदस्यों को वीरता पदक प्रदान किए। समारोह के दौरान प्रदान किये गये 60 वीरता पदकों के संबंध में संक्षिप्त उद्धरण भी पढ़े गये।

बल ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर सीआरपीएफ कर्मियों के मेधावी बच्चों को उनकी शैक्षणिक श्रेष्ठता के लिए सम्मानित और प्रेरित किया। श्री तपन कुमार डेका, निदेशक आई. बी. और डॉ. सुजॉय लाल थाउसेन,

महानिदेशक, सीआरपीएफ ने विज्ञान, वाणिज्य और कला संकाय में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सीआरपीएफ कर्मियों के मेधावी बच्चों को महानिदेशक की ट्रॉफी, योग्यता प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किया। दिन की शुरूआत में डॉ. सुजॉय लाल थाउसेन महानिदेशक, सीआरपीएफ ने कर्तव्य के प्रति अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले बल के 2250 शूरवीरों को अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

श्री तपन कुमार डेका, निदेशक, आईबी ने अपने संबोधन में कहा कि सीआरपीएफ ने अपनी बहुमुखी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पेशेवर तरीके से निभाया है और उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ एक ऐसा विशेष बल है जिसे राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा से संबंधित कई प्रतिकूल समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने का काम सौंपा गया है और इसने सदा ही ''सेवा और निष्ठा'' के अपने वाक्य का पालन करते हुए देश का विश्वास हर मोर्चे पर जीता है। डॉ. सुजॉय लाल थाउसेन, महानिदेशक, सीआरपीएफ ने अपने संबोधन में बल की उपलब्धियों का वर्णन किया और टिप्पणी करते हुए कहा कि सीआरपीएफ ने अपने अस्तित्व के 84 गौरवशाली वर्षों

में हमेशा अनुकरणीय साहस और वीरता का प्रदर्शन किया है जिससे बल को 2469 वीरता पदकों से सम्मानित किया गया है, जो सभी सीएपीएफ में सबसे अधिक है।

वर्ष 1939 में नीमच में 01 बटालियन से शुरूआत करते हुए अब देश के सभी भागों में सीआरपीएफ की 246 बटालियनें तैनात होने के साथ यह सबसे बड़े बल के रूप में विकसित है। अपने अस्तित्व के 84 वर्षों में बल के बहादुरों द्वारा अदम्य साहस, अभूतपूर्व धैर्य और अनुकरणीय वीरता के अनेकों उदाहरण प्रस्तुत किए गए हैं और बल ने लगातार विकसित होने वाली आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से और सफलतापूर्वक सामना किया है। यह स्वतंत्र भारत की क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस से लेकर राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के संरक्षक तक की असाधारण, शानदार और अद्वितीय यात्रा का सजीव प्रमाण है। सीआरपीएफ, बल की सर्वोत्तम परंपराओं में 'सेवा और निष्ठा' के अपने पवित्र वाक्य को साकार करते हुए निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराता है और बल की क्षमता और प्रतिबद्धता में अपना विश्वास प्रकट करने के लिए राष्ट्र के प्रति अपना आभार व्यक्त करता है।

# सम्पूर्ण भारतवर्ष में सीआरपीएफ ने अपने 15 परिसरों में गर्व के साथ रोजगार मेले का आयोजन किया।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के द्वारा देश भर के 45 विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने वाले मेगा रोजगार मेले के लिए राष्ट्रीय स्तर पर समन्वयक के रूप में भाग लेने का विशेष कार्य सौंपा गया था। नियुक्ति पत्रों के वितरण के इस 08वें चरण के आयोजन के दौरान 51000 से अधिक नियुक्ति पत्र नए भर्ती उम्मीदवारों को सौंपे गए। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने बटन दबाकर रोजगार मेले का उद्घाटन किया। माननीय प्रधानमंत्री जी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में 45 स्थानों पर

उपस्थित नव–नियुक्त उम्मीदवारों को भी संबोधित किया।

यह रोजगार मेला राष्ट्र के युवाओं के लिए रोजगार सृजन हेतु माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने अपने परिसरों में 15 अलग–अलग स्थानों पर इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की मेजबानी की और इन सभी केन्द्रों में प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इन गणमान्य व्यक्तियों में 06 कैबिनेट मंत्रियों, जिनके नाम श्रीमती स्मृति ज़ुबिन ईरानी, महिला एवं बाल विकास एवं अल्पसंख्यक कार्यमंत्री; श्री नितिन गडकरी, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री; डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय, भारी उद्योग मंत्री; श्री पशुपति कुमार पारस, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगमंत्री; श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री एवं श्री अर्जुन मुंडा, जनजातीय कार्य मंत्री है ने क्रमशः सीआरपीएफ के शौर्य संस्थान, नई दिल्ली, सीआरपीएफ ग्रुप केन्द्र, नागपुर, ग्रुप केन्द्र, प्रयागराज, ग्रुप केन्द्र, मुजफ्फरपुर, ग्रुप केन्द्र, भुवनेश्वर एवं ग्रुप केन्द्र, रांची में रोजगार मेले की शोभा बढ़ाई। 12 राज्य मंत्री, जिनके नाम श्री अजय भट्ट, डॉ. जितेन्द्र सिंह के साथ श्रीमती मीनाक्षी लेखी, श्रीमती अनुप्रिया पटेल, श्रीमती रेणुका सिंह सरुता, साध्वी निरंजन ज्योति, श्री राजीव चन्द्रशेखर, श्री ए. नारायण स्वामी, श्री अर्जुनराम मेघवाल, श्री रामदास अठावले, डॉ. भगवत किशन राव कराड और डॉ. एल. मुरुगन हैं क्रमशः ग्रुप केन्द्र, सोनीपत, नेशनल मीडिया सेंटर, नई दिल्ली, ग्रुप केन्द्र, रायपुर, ग्रुप केन्द्र, लखनऊ, ग्रुप केन्द्र, हैदराबाद, ग्रुप केन्द्र, चेन्नई, ग्रुप केन्द्र, अजमेर, ग्रुप केन्द्र, नागपुर, ग्रुप केन्द्र, पुणे और ग्रुप केन्द्र, पल्लीपुरम में सम्पन्न हुए रोजगार मेले के मुख्य अतिथि थे।

सभी 45 स्थानों पर इस रोजगार मेले के सभी पहलुओं को दर्शाती एक लघु फिल्म की स्क्रीनिंग भी की गई। सभी नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों के चेहरे उत्साह और खुशी से चमक रहे थे, जब उन्हें मंच पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने राष्ट्र की सेवा करने का मौका देने और एक सम्मानजनक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की संभावना प्रदान करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री के प्रति अपनी अपार कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए संबंधित स्थानों पर उपस्थित मुख्य अतिथियों को भी दिल की गहराईयों से धन्यवाद दिया।

इस रोजगार मेले के माध्यम से सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, असम राइफल्स, दिल्ली पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में सिपाही (सामान्य ड्यूटी), उप निरीक्षक (सामान्य ड्यूटी) और गैर–सामान्य ड्यूटी कैडर के पदों पर भर्ती हुए उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए और इन नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वालों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर एक ऑनलाइन मॉड्यूल कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा। इस पोर्टल पर उनके लिए 673 से अधिक ई–लर्निंग पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं। इस तरह के रोजगार मेले, भविष्य में रोजगार सृजन और युवा सशक्तिकरण में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने की क्षमता हैं, जो राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सीआरपीएफ अपने विभिन्न कैडरों में नए युवा देशभक्तों की भर्ती के लिए सरकार का आभार व्यक्त करता है और अपनी पूरी क्षमता से राष्ट्र की सेवा करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराता है।

# 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र ने सीआरपीएफ के वीर सपूतों को 33 वीरता पदक प्रदान किए।

बल के बहादुरों को कर्तव्य के पथ पर प्रदर्शित अपने अदम्य साहस, अनुकरणीय धैर्य, असाधारण वीरता और निःस्वार्थ सेवा को विधिवत् स्वीकार करने, सराहने और पुरस्कृत करने की पवित्र परंपरा के तहत, कृतज्ञ राष्ट्र ने 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सीआरपीएफ को 33 वीरता पदक प्रदान किए हैं जो सभी सीएपीएफ में सबसे अधिक है। इन पदकों में 04 कीर्ति चक्र (मरणोपरांत), 01 शौर्य चक्र, वीरता के लिए 01 राष्ट्रपति पुलिस पदक एवं वीरता के लिए 27 पुलिस पदक सम्मिलित हैं। इन पदकों को सम्मिलित करने के उपरांत बल के कुल वीरता पदकों की संख्या 2502 हो गई है। बल के बहादुर राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों, देश भक्ति, अटूट निष्ठा और निस्वार्थ सेवा के लिए सदैव तत्पर हैं।

इन 33 पदकों में से 20 पदक जम्मू और कश्मीर में शुरू किए गए 05 ऑपरेशनों में वीरता के लिए दिए गए हैं जबकि 13 पदक उन बहादुरों को प्रदान किए गए हैं जिन्होंने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 04 ऑपरेशनों में अदम्य साहस एवं वीरता का प्रदर्शन किया। 02 बहादुरों को वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) से भी सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस पर बल को दिए गए 51 वीरता पदकों को सम्मिलित करने के उपरांत बल ने इस वर्ष 04 कीर्ति चक्र और 04 शौर्य चक्र सहित कुल 84 वीरता पदक प्राप्त किए हैं। श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमाण्डेंट, वैली क्यूएटी, को दूसरी बार पीपीएमजी से सम्मानित किया गया है एवं इसके अतिरिक्त उन्हें पूर्व में 06 पीएमजी से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस उपलब्धि के कारण वह बल के एक ऐसे प्रतिष्ठित और उल्लेखनीय अधिकारी बन गए हैं जिनके नाम 08 वीरता पदक हैं।

बल के बहादुरों ने वीरता का सबसे उत्तम प्रदर्शन 03 अप्रैल 2021 को किया था जिसमें निरीक्षक/जीडी, दिलीप कुमार दास, हव./जीडी, राज कुमार यादव, सिपाही/जीडी, बबलू राभा और 210 कोबरा के सिपाही/जीडी, शम्भू रॉय ने माओवादियों को निष्प्रभावी करने एवं अपने बहादुर–साथियों की जान बचाने और सरकारी संपत्तियों की रक्षा करने का प्रयास करते हुए कर्तव्य की बलिवेदी पर अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। निरीक्षक/जीडी, दिलीप कुमार दास ने पूरे ऑपरेशन के दौरान असाधारण बहादुरी, कुशल नेतृत्व और धैर्य का प्रदर्शन किया। जब माओवादियों ने पुलिस स्टेशन तार्रेम, बीजापुर (छत्तीसगढ) के अंतर्गत ग्राम जोनागुड़ा के पास घात लगाकर भीषण गोलीबारी के साथ–साथ कई आईईडी विस्फोट किए थे। वह यह अच्छी प्रकार से जानते थे कि माओवादियों के चारों ओर रक्षा घेरा लगाने में उनका जीवन दांव पर लगा है। मृत्यु का आभास होने पर भी उनके द्वारा प्रदर्शित सामरिक क्षमता, बेजोड़ बहादुरी और सटीक गोलीबारी ने माओवादियों को मौके से पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। इस मुठभेड के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आईं और अंततः उन्होंने कर्तव्य की बलिवेदी पर अपने प्राणों की आहुति दे दी। हव./जीडी, राज कुमार यादव बहादुरी से लड़ते हुए माओवादियों की ओर आगे बढ़े तथा उनके द्वारा शुरू किया गया जवाबी हमला इतना भयंकर था कि माओवादियों को अपना इलाका छोड़ना पड़ा हालाँकि इस मुठभेड़ में वह वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी बहादुरी के कारण टीम को बढ़त बनाने का मौका मिला। एक और बहादुरी भरा कारनामा सिपाही/जीडी, बबलू राभा द्वारा किया गया था। जहां एक ओर माओवादी भारी संख्या में थे जिन्होंने सुविधानजक स्थानों से घात लगाकर टीम पर हमला किया था वहाँ उन्होंने माओवादियों के हमले का मुँहतोड़ जवाब दिया और हमले में सबसे आगे रहते हुए माओवादियों की घात को तोड़कर अपने साथियों की जान बचाई जिसके फलस्वरूप वह वीरगति को प्राप्त हुए। सिपाही/जीडी, शम्भू रॉय

को अपनी मृत्यु का निश्चित रूप से पता था फिर भी उन्होंने असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया और अपने घायल साथियों की सहायता के लिए दौड़ पड़े। उन्होंने माओवादियों की गोलीबारी का मुँहतोड़ जवाब दिया और कर्तव्य की बलिवेदी पर अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बहादुरों की सामरिक और सटीक जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप न केवल कई माओवादी मारे गए बल्कि कई को घायल होने के कारण मुठभेड़ स्थल से भागने के लिए भी मजबूर होना पड़ा। इन सभी की असाधारण और विशिष्ट बहादुरी, अदम्य साहस, अदम्य इच्छाशक्ति और सर्वोच्च बलिदान के सम्मान में निरीक्षक/जीडी, दिलीप कुमार दास, हव./जीडी, राज कुमार यादव, सिपाही/जीडी, बबलू राभा और 210 कोबरा के सिपाही/जीडी, शम्भू रॉय को ''कीर्ति चक्र'' (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया है।

राष्ट्र की रक्षा करने की अपनी शपथ पर कायम रहते हुए अपने जीवन की कीमत पर भी बल के बहादुर जवानों ने बार–बार अपनी प्रतिबद्ध ता साबित की है। बल ऐसे जवानों को उनकी वीरता और बलिदान के लिए नमन करता है। इसके साथ ही सीआरपीएफ में विश्वास जताने के लिए राष्ट्र को धन्यवाद देता है। पूर्ण उत्साह के साथ बल के वीर योद्धा, मातृभूमि की सेवा करने की अपनी प्रतिज्ञा दोहराते हैं।

# वीरता के लिए पुलिस पदक

लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहा. कमां.
(1ST BAR to PPMG)

शहीद शान्ति भूषण तिर्की, सहा. कमां.

शहीद सिपाही, मुन्ना यादव

दीपक ढौंडियाल, कमाण्डेंट

जय सिंह, द्वि.कमा.अधि.

सिपाही, कुलदीप

सिपाही, राठौड़ रमेश साहेबराव

आरडी जीनी अनल, कमाण्डेंट

हवलदार, राकेश कुमार

हवलदार, मिश्री सिंह यादव

प्रशांत कुमार, उप कमाण्डेंट

सिपाही, बिभा बासू महता

सुशील कुमार पाण्डेय, द्वि.कमा.अधि.

सिपाही, सौरब भदौरिया

सिपाही, अनिल कुमार

सिपाही, पवार पांडुरंग

सिपाही, गणेश नारायण शर्मा

सिपाही, पुट्टा पवन कुमार

संजय कुमार, द्वि.कमा.अधि.
(6th BAR to PMG)

निरीक्षक, योगेश कुमार शर्मा
(1st BAR to PMG)

हवलदार, कुलजीत दास

सिपाही, तारिक अहमद डार

पिल्लु यादव, द्वि.कमा.अधि.

निरीक्षक, संजय सिंह

सिपाही, विश्वजीत कुम्भकर

जसप्रीत सिंह, सहा. कमां.

सिपाही, गिरीश सि जी

सिपाही, प्रदीप कुमार यादव

# विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक

दीपक रतन
भा.पु.से., महानिरीक्षक,
महानिदेशालय

अमियरंजन सरकार
महानिरीक्षक चिकित्सक
संयुक्त अस्पताल गुवाहाटी

सुमन कांत तिग्गा
उप महानिरीक्षक
झारखण्ड सेक्टर

अजर मोहम्मद
उप कमाण्डेंट
आरटीसी नीमच

निरीक्षक
देशवीर सिंह
016 बटालियन

# सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक

| क्र.सं. | पद | अधिकारी का नाम | कार्यालय/यूनिट |
|---|---|---|---|
| 1 | कमाण्डेंट | देबाशीष बिस्वास | महानिरीक्षक, पश्चिमी बंगाल |
| 2 | कमाण्डेंट | ममता सिंह | 088 (महिला) बटालियन |
| 3 | कमाण्डेंट | प्रेम सिंह | 051 बटालियन |
| 4 | कमाण्डेंट | दीपक ढौंडियाल | 182 बटालियन |
| 5 | कमाण्डेंट | सूरज सिंह फोगाट | महानिरीक्षक, कोबरा |
| 6 | कमाण्डेंट | विजय सिंह खटाना | सीआरपीएफ अकादमी गुरूग्राम |
| 7 | कमाण्डेंट | ऋषि राज सहाय | 044 बटालियन |
| 8 | कमाण्डेंट | विष्णु द्विवेदी | 035 बटालियन |
| 9 | उप महानिरीक्षक (चिकित्सा) | डॉ. आर.के. मिश्रा | संयुक्त अस्पताल, भोपाल |
| 10 | उप महानिरीक्षक (चिकित्सा) | डी.आर.एम वेंकट राव | संयुक्त अस्पताल, दिल्ली |
| 11 | द्वितीय कमान अधिकारी | सुशील के.आर ठाकुर | 137 बटालियन |
| 12 | द्वितीय कमान अधिकारी | जय प्रकाश सिंह | 112 बटालियन |
| 13 | द्वितीय कमान अधिकारी | सतीश चन्द्र | 239 बटालियन |
| 14 | द्वितीय कमान अधिकारी | अरुण कुमार | 245 बटालियन |
| 15 | उप कमाण्डेंट | ओमनाथ चट्टराज | 126 बटालियन |
| 16 | उप कमाण्डेंट | यशवीर सिंह | 246 बटालियन |
| 17 | उप कमाण्डेंट | बलबीर सिंह | 126 बटालियन |
| 18 | सहा. कमाण्डेंट/मंत्रा. | अमर नाथ | रेंज छत्तीसगढ़ |
| 19 | सहा. कमाण्डेंट/पीएस | नंदनान एमपी | महानिदेशालय |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 20 | निरी./जीडी | काशी प्रसाद | 063 बटालियन |
| 21 | निरी./जीडी | बलबीर सिंह | 246 बटालियन |
| 22 | निरी./जीडी | बिपिन चंद्र नारजारी | 136 बटालियन |
| 23 | निरी./जीडी | आर एस पी सिंह | 047 बटालियन |
| 24 | निरी./जीडी | ओएम प्रकाश | श्रीनगर सेक्टर |
| 25 | निरी./जीडी | भंवर लाल चौधरी | 220 बटालियन |
| 26 | निरी./जीडी | देवेंदर कुमार यादव | 149 बटालियन |
| 27 | निरी./जीडी | शिव प्रसाद | दक्षिणी सेक्टर |
| 28 | निरी./जीडी | हेसामुद्दीन खान | रेंज रांची |
| 29 | निरी./जीडी | विजय कुमार | 096 बटालियन |
| 30 | निरी./जीडी | चौ. इबुंगो सिंघा | 043 बटालियन |
| 31 | उप निरी./जीडी | रणबीर सिंह | 092 बटालियन |
| 32 | उप निरी./जीडी | असलम | 130 बटालियन |
| 33 | उप निरी./जीडी | नागेश्वर राव | ग्रुप केन्द रंगारेडडी |
| 34 | निरी./जीडी | रमेश पाटिल | 237 बटालियन |
| 35 | निरी./जीडी | मंजीत सिंह | 114 आरएएफ |
| 36 | उप निरी./जीडी | एच. रुद्रप्पा | 240 (महिला) बटालियन |
| 37 | निरी./जीडी | अशोकन के | 077 बटालियन |
| 38 | निरी./जीडी | गौरीशा ए नीलांगे | 097 आरएएफ |
| 39 | निरी./जीडी | अनिल कुमार के.जी. | 052 बटालियन |
| 40 | निरी./जीडी | नीलम चंद | 038 बटालियन |
| 41 | उप निरी./जीडी | खलील अहमद | जम्मू कश्मीर जोन |
| 42 | उप निरी./जीडी | जितेंद्र कुमार शर्मा | ग्रुप केन्द्र नोएडा |
| 43 | उप निरी./जीडी | रज्जब चोपन | 184 बटालियन |
| 44 | स.उ.नि./जीडी | यशपाल सिंह | 160 बटालियन |
| 45 | स.उ.नि./जीडी | राम आशीष सिंह | 172 बटालियन |
| 46 | स.उ.नि./जीडी | बिस्वा राम डेका | पूर्वोत्तर सेक्टर |
| 47 | सिपाही/जीडी | गोरा चांद घोरामी | ग्रुप केन्द्र सिल्चर |
| 48 | निरी./जीडी (महिला) | किम्नू किपगेन | 213 (महिला) बटालियन |
| 49 | उप निरी./जीडी (महिला) | कांता देवी | 233 (महिला) बटालियन |
| 50 | निरी./आरओ | सतीश कुमार | 4 बेतार बटालियन |
| 51 | उप निरी./आरमोरर | नसरुल्लाह रैनी | ग्रुप केन्द्र अमेठी |
| 52 | उप निरी./एमटी | सुरेश सिंह राजपूत | 233 बटालियन |
| 53 | निरी./बैण्ड | बलकार सिंह | ग्रुप केन्द्र बनतालाब |
| 54 | उप निरी./टेलर | राज कुमार | ग्रुप केन्द्र गुरूग्राम |
| 55 | उप निरी./फार्मा. | एस. मीनाक्षी सुंदरम | संयुक्त अस्पताल दिल्ली |
| 56 | निरी./मंत्रा. | सतीश कुमार | महानिदेशालय |

# अखिल भारतीय वृक्षारोपण अभियान

**केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 18 अगस्त 2023 को सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में गृह मंत्रालय के अखिल भारतीय वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत 4 करोड़वें वृक्ष का रोपण किया**

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 8 विभिन्न परिसरों में 165 करोड़ रूपए की लागत से कुल 15 नवनिर्मित भवनों और इमारतों का ई–उद्घाटन किया। इनमें, 57 करोड़ रूपए की लागत से 102 रैपिड एक्शन फोर्स में 220 पारिवारिक आवास का निर्माण, 17 करोड़ रूपए की लागत से ग्रुप केन्द्र, रायपुर में 50 बिस्तरों वाले अस्पताल का निर्माण, 16 करोड़ रूपए की लागत से रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर जोधपुर में प्रशासनिक भवन, क्वार्टर गार्ड और परेड ग्राउंड, 11 करोड़ रूपए की लागत से ग्रुप सेंटर, रायपुर में 240 मैन बैरक का निर्माण और देश के विभिन्न हिस्सों में अस्पताल, जिम, मेस, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, कैंटीन आदि का निर्माण शामिल है। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव और CRPF, CISF, NSG, NDRF, ITBP, SSB, BSF और Assam Rifles के महानिदेशकों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) के लिए आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 3 साल पहले यह तय किया गया था कि दिसंबर, 2023 से पहले हम 5 करोड़ वृक्ष लगाएंगे और गैप फिलिंग के बाद इन्हें बड़ा कर दुनिया को समर्पित करेंगे। श्री शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि दिसंबर, 2023 तक 5 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी

CAPFs के सभी जवानों और उनके परिजनों ने इस असंभव दिखने वाले काम को संभव करने के लिए इसे एक चुनौती की तरह लिया, लगाए गए वृक्षों को अपना दोस्त माना और उनकी देखभाल के लिए समय निकाला। उन्होंने कहा कि आज 4 करोड़वां पौधा, वो भी पीपल का, लगाया गया है। श्री शाह ने कहा कि 4 करोड़ हरे–भरे वृक्षों के माध्यम से पृथ्वी को हरा–भरा करने में सभी CAPFs का योगदान हमेशा याद किया जाएगा। यह अभियान CAPFs की शौर्यगाथा के साथ–साथ पृथ्वी के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति उनकी संवेदना की एक नई गाथा लिखेगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 1 करोड़ 50 लाख पौधों का रोपण करने का लक्ष्य है, अब तक कुल 4 करोड़ पौधे लगाये जा चुके हैं और हम बहुत जल्द ही 5 करोड़ वृक्ष रोपित करने का लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज परमवीर चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल एबी तारापोर की जयंती है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए ना केवल सर्वोच्च बलिदान दिया बल्कि अपनी वीरता से मोर्चे की प्रथम पंक्ति में रहते हुए सभी की हौंसला अफजाई करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अंडमान–निकोबार में एक द्वीप को लेफ्टिनेंट कर्नल एबी तारापोर का नाम देकर हमेशा के लिए उन्हें लोगों की स्मृति में जीवित रखने का काम किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि 5 करोड़ वृक्ष लगाने का 'अखिल भारतीय वृक्षारोपण अभियान' पर्यावरण संरक्षण के एक महाकुंभ की तरह है। उन्होंने कहा कि देश की सभी CAPFs के जवानों ने अपनी वीरता, बलिदान, त्याग और परिश्रम से देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं की सुरक्षा को हमेशा चाक चौबंद रखा है। उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, सीमा सुरक्षा और सीमाओं पर स्थित प्रथम गाँवों में जन सुविधाएं पहुँचाने के साथ–साथ अब CAPFs वृक्षारोपण अभियान से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभूतपूर्व काम कर रही हैं। प्राकृतिक आपदाएं हों या फिर कोरोना जैसी महामारी, हमारी CAPFs ने अपनी जान की परवाह किए बिना जनता पर आए हर संकट में साथ खड़े रहने का जज़्बा दिखाया है। श्री शाह ने कहा कि आज हमारी CAPFs वायब्रंट विलेज कार्यक्रम के माध्यम से देश की सीमाओं पर स्थित हमारे प्रथम गांवों में जनसेवा और जनसुविधा को जमीन पर उतारने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अब एक और आयाम इसके साथ जुड़ा है जिसके तहत हमारी CAPFs पर्यावरण की

सुरक्षा के लिए भी संवेदनशील तरीके से सतत् प्रयास कर 4 करोड़ वृक्षों को बड़ा कर चुकी हैं और इस वर्ष दिसंबर तक 5 करोड़ वृक्ष रोपण के लक्ष्य को हासिल कर लेंगी। श्री शाह ने कहा कि ये विश्व में सुरक्षा के साथ जुड़ी एजेंसियों की पर्यावरण संरक्षण में सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय के सभी अधिकारियों ने कई स्तरों पर इस कार्यक्रम की निगरानी की। साथ ही सभी CAPFs के महानिदेशकों ने इस कार्यक्रम के प्रति कटिबद्धता दिखाई, प्लाटून और सेक्टर स्तर पर भी इस कार्यक्रम को मन से अपनाया गया। कई स्थानों पर पौधों की रक्षा के लिए रक्षक बाड़ और जाल लगाए गए और trench बनाकर भी पौधों को जीवित रखने के प्रयास हुए। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रयासों का परिणाम है कि आज 4 करोड़ वृक्ष धरती को हरा–भरा कर रहे हैं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि वृक्षारोपण से ही पर्यावरण संरक्षण संभव है। आज लगाया गया एक वृक्ष आने वाली कई पीढ़ियों को ऑक्सीजन देने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि आज जिस तरह से प्रदूषण बढ़ रहा है, इससे ओजोन की परत को नुकसान हो रहा है और इसके कारण भविष्य में सूर्य की किरणें सीधे पृथ्वी पर पड़ेंगी, जिससे पृथ्वी मानव जीवन के लिए सुरक्षित नहीं रह सकेगी। उन्होंने कहा कि इससे बचाव का एकमात्र रास्ता है कि ज्यादा से ज्यादा वृक्ष रोपित किए जाएं और कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम से कम हो। श्री शाह ने कहा कि वृक्ष लगाते समय दो बातों का ख्याल रखा गया है, एक वृक्ष लंबी आयु वाले हों और दूसरी पीपल, बरगद, नीम, जामुन आदि जैसे सबसे ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष लगाये जायें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सभी वृक्ष 100% से लेकर 60% तक ऑक्सीजन उत्सर्जन करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि लगाए गए सभी वृक्ष कई सालों तक पृथ्वी के संरक्षण करने का काम करेंगे।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भारत को कई क्षेत्रों में विकसित और आत्मनिर्भर बनाकर दुनिया में देश का स्थान मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हमारी धरोहर और संस्कृति ने हमेशा पर्यावरण सुरक्षा के लिए काम किया है और हमने भावनाओं और कर्म से हमेशा पर्यावरण की सुरक्षा की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ग्रीन इनिशिएटिव के माध्यम से क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वार्मिंग के खिलाफ लड़ाई में भारत को अगुआ बनाने का काम किया है। श्री शाह ने कहा कि इसीलिए जी–20 का सूत्रवाक्य 'वसुधैव कुटुंबकम' एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने फ्रांस के साथ इंटरनेशनल सोलर अलायंस बनाकर एक सूर्य, एक दुनिया, एक

ग्रिड परियोजना की शुरुआत की और बहुत सारे देश आज इस अलायंस के सदस्य बनकर इसमें सहयोग कर रहे हैं, ये मोदी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। श्री शाह ने कहा कि पर्यावरण के प्रति सजग जीवन शैली के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी पारंपरिक जीवनपद्धति को दुनिया के सामने फिर से एक बार रखा है कि हमारी पारंपरिक जीवन–शैली ही पृथ्वी को बचाने का साधन बन सकती है। उन्होंने कहा कि Lifestyle For Environment (LiFE) Mission का आज पूरी दुनिया अनुकरण कर रही है और इन सब पहलों के कारण ही प्रधानमंत्री मोदी जी को संयुक्त राष्ट्र ने 'चौंपियंस ऑफ अर्थ' पुरस्कार से भी सम्मानित किया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत ने ऐसी नई पद्धतियों की भी खोज की है जिनसे सिंगल यूज, प्लास्टिक को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने स्वच्छता अभियान के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि पहले देश में केवल 39% घरों में शौचालय थे, आज 99.9% घरों में शौचालय हैं, यह हमारे पर्यावरण सुरक्षा के प्रयासों की बहुत बड़ी उपलब्धि है। श्री शाह ने कहा कि पंचामृत, net Zero carbon Emission, अंतर्राष्ट्रीय सौर संगठन, 20% इथेनॉल ब्लेंडिंग, बायोगैस को बायोफ्यूल बनाने के लिए 12 आधुनिक रिफाइनरियों का निर्माण और ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसे भारत के सभी पहलों को आज पूरा विश्व उत्सुकता से देख रहा है और इनका अनुकरण भी कर रहा है। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने पर्यावरण संबंधित 8 महत्वपूर्ण मिशन – नेशनल सोलर मिशन, नेशनल मिशन फॉर एनर्जी ऐफिशिएंसी, नेशनल मिशन ऑन सस्टेनेबल हैबिटेट, नेशनल वाटर मिशन, नेशनल मिशन फॉन ग्रीन इंडिया, नेशनल मिशन फॉरसस्टेनिंग हिमालयन इकोसिस्टम, नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर और नेशनल मिशन ऑन स्ट्रैटेजिक नॉलेज फॉर क्लाइमेट चेंज के माध्यम से हमारे देश की युगों से चली आ रही पर्यावरण संरक्षण की संस्कृति को नए सिरे से प्रस्थापित करने का काम किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमारे CAPFs ने इस वृक्षारोपण अभियान के एक हिस्से के रूप में चार करोड़ वृक्ष लगाए हैं और जिस दिन 5 करोड़ वृक्ष लग जाएंगे, तब हम गौरव के साथ अपनी संवेदनशीलता को पूरे देश के सामने रख पाएंगे कि CAPFs सिर्फ लोगों के जीवन की ही नहीं बल्कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी बहुत अच्छे तरीके से काम करती हैं। उन्होंने कहा कि आज एक असंभव जैसे मिशन को हमारी CAPFs ने पूरा किया है। गृह मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि CAPFs वृक्षारोपण के कार्यक्रम को भी देश की सुरक्षा और वीरता की तरह अपना स्वभाव बनाएंगी।

# 204 कोबरा– एक दिलचस्प सफर

विकास कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी
इरला सं. 7186, 224 वी.एस. बटालियन

03 अगस्त 2009 को 204 कोबरा की स्थापना, कोबरा की चौथी वाहिनी के रूप मे शिवपुरी मध्य प्रदेश में की गई। उस समय कोबरा में प्रायः उन्हीं कार्मिकों को नामित किया गया था जो अपनी मूल वाहिनी में फिट नहीं बैठ रहे थे। ऐसे ही सारे तथाकथित अनफिट जवानों का समूह अगस्त 2009 के प्रथम सप्ताह में शिवपुरी में एकत्रित हुआ और एक बेहद रोचक और गौरवशाली सफर की शुरूआत हुई, जिसके प्रारंभिक चार वर्षों का मैं भी साक्षी रहा। मैंने यह स्पेशल फोर्स 13 अगस्त 2009 को ज्वाइन की। मेरे लिए सब कुछ नया था–नयी जगह, नई बटालियन, नया कांसेप्ट और नये कमाण्डेन्ट। श्री सुशील कुमार मिश्रा इस वाहिनी के पहले कमाण्डेन्ट थे और सबसे पहले रिपोर्ट करने वाले अधिकारी भी, वो एक शानदार और प्रभावित करने वाला व्यक्तित्व रखते थे। चीते जैसी तेज आँखें, लम्बी–चौड़ी कद काठी, लम्बी मूँछे और एक बुलन्द आवाज! पर ये सब तो बाहरी कारक थे, ऊपर से जितने दबंग और कड़क अन्दर से उतने ही सरल और सहृदय। मेरी उनसे पहली मुलाकात बेहद सकारात्मक रही। उन्होंने मेरे ऊपर काफी भरोसा जताया और कोबरा के बारे में मेरी जिज्ञासाओं को भी शान्त किया, साथ ही अपनी तरफ से अफसरों को हर मुमकिन मदद/मार्गदर्शन देने को आश्वस्त किया। मुझे लगा कि मैंने अपनी इच्छा से यहाँ आकर शायद कोई गलती नहीं की। बटालियन के पी.आई. प्रशिक्षण हेतु शिवपुरी (म.प्र.) को चुना गया था, यहाँ पर बल की काफी बड़ी जमीन थी पर बुनियादी ढाँचे का अभाव था। हालाँकि कोबरा के प्रशिक्षण व एक पूरी बटालियन की नफरी को देखते हुए यह जगह ठीक ही थी। नई स्थापित वाहिनी में क्या–क्या समस्यायें हो सकती हैं उनसे दो–चार होने का समय आ चुका था। कुर्सी–टेबल से लेकर खाने व पकाने के बर्तन तक सभी चीजों का अभाव था। यहीं पर हमें मिश्रा सर का असली कौशल देखने को मिला। उन्होंने सारी चीजें, बजट के न होते हुए भी, हमें मुहैया कराई; वो शायद हमारे बल के सबसे योग्य क्वार्टर मास्टरों मे से एक रहे होंगे।

प्रशिक्षण देने के लिए ग्रे–हाउंड्स से प्रशिक्षण पाये व सी.आर.पी.एफ. द्वारा प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स की एक पूरी टीम श्री राजीव लोचन, उप कमाण्डेन्ट जो कि 201 कोबरा से थे, के नेतृत्व में लगाई गई थी। प्रशिक्षण का कार्यक्रम बेहद व्यस्त था, सुबह 5 बजे से लेकर रात 10 बजे तक पूरी भागदौड़ थी। हम सबने अभी अपनी–अपनी टीम व कम्पनी को जानना शुरू ही किया था कि तभी 23 अगस्त दिन रविवार को एक दुखद घटनाक्रम हो गया। शराब के नशे मे धुत कुछ अनुशासनहीन सिपाहियों की वजह से जवानों और अधिकारियों के बीच विश्वास की बुनियाद दरक गई। इस घटना ने पूरी प्रक्रिया को बिखेर दिया। उस समय कमांडेंट सर अवकाश पर थे उन्हें बीच में ही हालात सम्हालने के लिए आना पड़ा। यह बहुत मुश्किल समय था; सबसे ज्यादा जरूरी था निर्माण की प्रक्रिया को पुनः शुरू करना और आपसी भरोसे को पुनः बहाल करना, एक साथ एक उद्देश्य के लिए सभी को प्रेरित करना। उन्हें इसके लिए अथक प्रयास करने पड़े, मीटिंगों के कई दौर चले, धीरे–धीरे हालात सामान्य होने लगे और 204 कोबरा अपने स्वरूप में आने लगी। पहले से भी अधिक सजगता और जोश के साथ हम काम कर रहे थे, कोई भी इस घटनाक्रम से खुश नहीं था, ये हम सबके लिए एक चुनौती थी जिसे हमने बखूबी स्वीकार किया। ऐसे ही उतार–चढ़ाव के बीच नवंबर माह में वाहिनी का तीन माह का प्रशिक्षण पूरा हो गया और शिवपुरी से जगदलपुर की ओर कंपनियों की रवानगी शुरू हो गई। यहाँ एक रोचक तथ्य यह है कि पहले 204 कोबरा गुवाहाटी में स्थापित होनी

थी, जिस वजह से इसमें ज्यादातर जवान उसी इलाके के थे किन्तु बाद में इसे जगदलपुर की ओर मोड़ दिया गया। यह अपने आप में वाहिनी के मनोबल को प्रभावित करने वाला एक बड़ा कारक था।

प्रशिक्षण पूरा होते ही जगदलपुर कूच करने का आदेश हो गया। हमने शिवपुरी से जगदलपुर तक मूवमेन्ट टुकड़ों मे किया, हम रूटीन गाड़ियों में ही अतिरिक्त कोच लगाकर कंपनीवार रवाना होते गये। मैं सबसे आखिरी पार्टी में रवाना हुआ क्योंकि ट्रेन में कोच आदि की व्यवस्था की जिम्मेदारी मेरी ही थी। जब हम रायपुर पहुँचे तो वहाँ पर हमारा स्वागत आलोक सर, उप कमा. ने किया जो पहले ही रायपुर पहुँचकर व्यवस्था देख रहे थे। यहाँ पर 2–3 दिन रूकने के बाद सड़क मार्ग से जगदलपुर के लिए रवाना हुए। जो लोग पहली बार छत्तीसगढ़ आये थे उनके मन में तरह–तरह के दृश्य उपस्थित हो रहे थे, मैं भी उनमें से एक था मुझे लग रहा था यह सवा तीन सौ किमी. का सफर कष्ट भरा ही होगा। सड़कें काफी खराब होगी, किन्तु खराब सड़क ढूँढते–ढूँढते हम जगदलपुर पहुँच भी गये और तमाम जंगलों से गुजरते हुए जब मुख्यालय ओपन जेल परिसर, मसगांव के अन्दर दाखिल हुए तो बस्तर के बारे में पहली भ्रांति दूर हो चुकी थी कि यहाँ की सारी सड़कें खराब है।

यहाँ बड़े उत्साह का माहौल था, हर कोई अपना आफिस, लाइन, कोत और मेस स्थापित करने में लगा हुआ था। एक जुनून सा सवार था सबपे, अब आ पड़ी थी तो फिर पीछे क्यों हटना, अगर छत्तीसगढ़ ही है तो छत्तीसगढ़ ही सही। कमांडेंट सर दिन–रात बटालियन के लिए संसाधन जुटाने व बेहतरी के लिए प्रयासरत थे। उस समय मसगांव में 201 कोबरा के कई अफसर रहते थे जिनमें उनके द्वितीय कमान अधिकारी झा सर भी शामिल थे। 201 के अफसर हमें यहाँ कई रोचक और डराने वाले किस्से सुनाते थे। एक दिन तो झा सर की नक्सलियों से मुलाकात भी हो गई वो सिर्फ अपनी दो प्रोटेक्शन के साथ थे, उन्हें हल्की चोटें भी आई थी। वो किसी तरह उनके जाल में फँसने से बचकर निकले थे।

खैर, अब हमें फैमिलीराइजेशन ट्रेनिंग करनी थी और मेरी कम्पनी को नारायणपुर के एडका में 39 बटालियन की एक कम्पनी लोकेशन में भेजा गया। यहाँ पर हमने पहली बार कोबरा की सिखलाई के अनुसार असली अभियान किये। यह वो दौर था जब हम बिल्कुल किताबी तरीके से अभियान करते थे, हर ऊँचे फीचर को कवर करना, रास्ते पर न चलना, Buddy system से लेकर वाटर ड्रिल तक। दो महीने का फैमिलीराइजेशन पूरा कर हम मार्च में मुख्यालय आ गये और इंतजार करने लगे किसी Real Ops का जिसके लिए हमें यहाँ लाया गया था। लेकिन हमारा एस.ओ.पी. कुछ इस तरह का था कि उसके हिसाब से हमारे पास आपरेशन के लिए कोई माँग आई ही नहीं। आखिरकार हमारी खुद की पहल पर बीजापुर जनपद में एक बड़ा अभियान प्लान किया गया। जो कि 80 बटालियन की एक कम्पनी लोकेशन से लांच होना था और इसकी योजना के सूत्रधार थे श्री पी.एस. यादव जो तत्समय 80 वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी थे। इस अभियान के कमाण्डर थे श्री रविशंकर उप कमाण्डेन्ट और नैविगेट किया मैंने। इस अभियान की जो सबसे दिलचस्प बात रही वो यह थी कि जब घनघोर अँधेरी रात में हम नदी पार कर टारगेट की ओर बढ़े तो थोड़ी ही दूरी पर फिर से नदी आ गई। हम दोबारा पानी में नहीं कूदना चाहते थे, अतः उसके किनारे–किनारे चलने लगे। यहाँ पर बहुत घना जंगल था जीपीएस को सिग्नल नहीं मिल रहा था, लोकल एस.पी.ओ. भी इधर–उधर घुमाते रहे पर हमें यह बात समझ नहीं आई कि नदी तो एक ही है जिसे हमने पार कर लिया था फिर यह दूसरी नदी कहाँ से आ गई। जब सुबह हुई तो हमें समझ आया कि यहाँ यह नदी के बीच में एक टापू है और हम उसी में घूम रहे हैं। यह ना तो हमें मैप से समझ आया था और नहीं हमारे गाइड बने एस.पी.ओ. को पता था।

खैर अभियान समाप्त होने के पश्चात हम सब वापस मुख्यालय आ गये और 2–3 बड़े अभियान संचालित हुए कि तभी वह घटना घटित हुई जिसने सी.आर.पी.एफ के वजूद को झकझोर दिया। दिनांक 6 अप्रैल 2010 को ताड़मेटला के जंगलों से दिन भर भयावह खबरें आती रही। हम सब पूरी तैयारी के साथ टेलीफोन और टी.वी. के पास बैठे रहे। शाम को मैं अजय कुमार उप कमा. सर के साथ जगदलपुर एयरपोर्ट गया, यहाँ का मंजर दिल दहलाने वाला था। हमारे जवानों के क्षत–विक्षत शव एम. आई. –17 में भर–भरकर लाये जा रहे थे। खून से लथपथ गाड़ियों में रखकर उन्हें आगे की औपचारिकताओं हेतु ले जाया जा रहा था। सब की जुबान पर एक ही सवाल था– ऐसा कैसे हो गया ? 76 हथियार बंद जवान एक साथ। तरह–तरह की बातें हो रही थी, समझ काम नहीं कर रही थी; तभी मुझे और तीन अन्य अधिकारियों को अपनी–अपनी टीमों के साथ कोरापुट, उड़ीसा जाने का आदेश मिला। ऐसा अंदेशा था कि इस नृशंस हत्याकाण्ड के बाद नक्सली कोरापुट के सीमावर्ती जंगलों की ओर भाग गये हैं। 8 अप्रैल की शाम हम जैसे ही कोरापुट, 202 कोबरा के मुख्यालय पहुँचे, हमें विशेष अभियान की ब्रीफिंग हेतु पुलिस अधीक्षक, कोरापुट के पास ले जाया गया। इस 15–20 दिनों में हमने उस दौर के सबसे बड़े अभियान किये जो 3 से 4 दिन लम्बे थे तथा बेहद मुश्किल पहाड़ी इलाके व बिल्कुल नये माहौल में किये गये।

उड़ीसा से वापस आने के बाद मैंने पाया कि छत्तीसगढ़ में हमारे बल के मनोबल और कार्यशैली में भारी बदलाव आ गया है। किसी भी अभियान के लिए महानिदेशालय, दिल्ली की अनुमति लेना आवश्यक हो गया था। हमारी चार टीमें दंतेवाड़ा के 62 बटालियन के कैम्पों मे भेजी जा चुकी थी। एक अजीब सा सन्नाटा पसरा था; इसी बीच 29 जून 2010 को नक्सलियों ने नारायणपुर के धौड़ाई में 39 बटा. की एक आर.ओ.पी. पार्टी पर बड़ा प्रहार किया।

यह शायद हमारे बल के इतिहास का सबसे मुश्किल दौर था और इससे

उबरने के लिए श्री के. विजय कुमार, जो वीरप्पन को मारकर पहले ही अपनी श्रेष्ठता सिद्ध कर चुके थे को सी.आर. पी.एफ. की कमान दी गई। उन्होंने आते ही सबसे पहले छत्तीसगढ़ के लिए बल के सबसे जाँबाज और काबिल अफसरों को ढूँढना शुरू किया। श्री एस. इलेंगो बीजापुर के डी.आई. जी. आपरेशन बनकर आये। हमारी कम्पनियों को भी 85 वाहिनी के ए.ओ. आर. में चेरपाल और गंगालूर के इलाके में तैनात किया गया। यह वो दौर था जब 204 कोबरा में सारी चीजें तरतीब से हो रही थी। हमारी दो कम्पनियाँ आपरेशन के लिए तैयार रहती, दो शिद्दत के साथ ट्रेनिंग करती, और दो कम्पनियाँ प्रशासन/कैम्प सुरक्षा और अवकाश आदि में रहती। लेकिन जल्द ही हमारी तीसरी कम्पनी की तैनाती हो गई, इससे परिचालन में तो हमें एक और कम्पनी मिल गई, पर अब रोटेशन और ट्रेनिंग दोनों ही प्रभावित हुई। इसी बीच गंगालूर के कमकानार के जंगलो में हमारी टीमों के साथ एक बड़े इनकाउन्टर में 9–10 नक्सली मारे गये किन्तु उनके शव बरामद नहीं किये जा सके। यह तथ्य बाद में प्रकाशित होने वाले नक्सल साहित्यों के माध्यम से ज्ञात हुआ।

इन्हीं उतार–चढ़ावों के बीच, अज्ञात कारणों से श्री एस.के. मिश्रा सर का स्थानान्तरण हो गया। उनके स्थानान्तरण की खबर सुनते ही पूरी बटालियन में मायूसी छा गई। वो ऐसे कमाण्डर थे जो हर गतिविधि पर पूरी नजर रखते थे और सभी रैंकों की सुख–सुविधा की चिन्ता करते थे साथ ही खेल–कूद के भी बेहद शौकीन; एक तरह से हरफनमौला। हम सभी अधिकारी भी आने वाले समय और नये कमांडेंट के प्रति थोड़े सशंकित थे। तभी खबर आई कि श्री आनन्द सिंह हमारे नये कमांडेंट बन रहे हैं। उनकी तैनाती की खबर के साथ ही उनकी ख्याति के चर्चे भी हम तक पहुँचने लगे। उन्हें जानने वाले लोगों ने हमे आश्वस्त किया कि हम लोग भाग्यशाली हैं जो इतने ऊर्जावान और सकारात्मक सोच रखने वाले कमाण्डेन्ट मिल रहे हैं। आनन्द सर के आते ही बटालियन की प्राथमिकताओं को फिर से निर्धारित किया गया और अब सारा जोर परिचालन पर आ गया। कंपनियां 168 बटा. के ए.ओ.आर. मुरदण्डा और तीमापुर मे तैनात हो गई; अचानक ही हमारे और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ों में इजाफा हो गया। इधर डी.आई.जी. परिचालन ने स्वयं बड़े अभियानों की कमान संभालनी शुरू कर दी और एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया जिसके लिए उन्हें जाना जाने लगा।

**शेष अगले अंक में .....**

धर्मेन्द्र कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी
3 सिग्नल बटालियन

# मोटे अनाज:

## मानव शरीर और विशेषकर केरिपुबल कार्मिकों के स्वास्थ्य पर हितकर प्रभाव की आयुर्वेदिक और पौराणिक विवेचना

भारत सरकार ने 2021 में संयुक्त राष्ट्र को प्रस्ताव दिया था कि साल 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (International Year of Millets IYOM) के रूप में घोषित किया जाए। भारत के इस प्रस्ताव को 72 देशों ने समर्थन किया था, जिसके बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने 5 मार्च, 2021 के दिन घोषणा की कि 2023 को अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। आज भारत विश्व गुरु बन पूरे विश्व को, अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष (International Year of Millets) के रूप में स्वीकार करवाकर मोटे अनाजों की महत्ता का पाठ पढ़ा रहा है। मोटे अनाजों में भारत की संस्कृति है, भारत की आस्था है और भारत का विज्ञान है। यही कारण है कि CRPF में भी मोटे अनाज जवानों के भोजन का हिस्सा बन गए हैं। विष्णु महापुराण में अनाज और मोटे अनाजों के महत्व का वर्णन है जिसका संदर्भ इस प्रकार है।

विष्णु महापुराण के प्रथम अंश के छठवें अध्याय में सृष्टि के बाद पृथ्वी विभाग और अन्नआदि के उत्पत्ति का विस्तृत वर्णन किया गया है। जिसमें बताया गया है कि देवगण जल वर्षा कर प्रजाओं को संतुष्ट करते थे। मनुष्य में सतोगुण (सत्य के मार्ग पर चलने वाला) के अलावा रजोगुण (राजसी तरीके से जीने वाला) और तमोगुण (तामसी/राक्षसी प्रवृति वाले) की प्रधानता कम या अधिक होने से सज्जन पुरुष के साथ साथ लोभी पुरुष, दुष्ट पुरुष, अधर्मी पुरुष, क्रूर पुरुष आदि होने लगे। उनकी सिद्धियाँ क्षीण हो जाने पर तथा पाप की वृद्धि होने पर प्रजा दुःख से पीड़ित हो गयी। आगे के श्लोक में लिखा गया है कि:–

ततो दुर्गाणि ताश्चक्रु र्वार्क्ष पाव्वतमौदकम्।
कुत्रिमं च तथा दुर्गं पुरं खव्व्टकादिकम्।।१८।।

अर्थात् इसके बाद उन प्रजाजनों ने मरुभूमि, पर्वत एवं जल आदि की मदद से कृत्रिम दुर्ग और ग्राम तथा खर्वट (पहाड़ी नदी के तीर पर बसी हुई छोटी–छोटी टोली) आदि की स्थापना की।

गृहाणि च यथान्यायं तेषु चक्रु: पुरादिषु।
शीतातपादिबाधानां प्रशमाय महामुने।। १६।।

प्रतीकारमिदं कृत्वा शीतादेस्ता: प्रजा: पुन:।
वात्तोपायं ततश्चकुर्हस्तसिद्धिं च कर्मजाम्।।२०।।

उनके घरों और पुरों (गावों) को शीत और धूप आदि बाधाओं से रक्षा के लिए यथायोग्य गृह निर्माण किये। इस प्रकार शीत आदि से रक्षा के उपाय करके उन प्रजाजनों ने जीविका के लिए कृषि एवं हस्तकला की रचना की। ।।१६–२०।।

ब्रिहयश्च यवाश्चैव गोधूमा अणवस्तिला:।
प्रियङ्गवो हुादाराश्च कोरदूषा: सचीकणा:।।२१।।

भाषा मुद्गा मसूराश्च निष्पावा: सकुलत्थका:।
आढ़क्यश्चनकाश्चैव शणा: सप्तदश: स्मृता:।।२२।।

इत्येताश्वौषधीनान्तु ग्राम्याणां जातयो मुने।
ओषध्यो यज्ञियाश्चैव ग्राभ्यारण्याश्चतुर्दश।।२३।।

हे मुनि! **धान, जौ, गेहूं, छोटे धान्य, तिल, पियङ्गु (कंगनी), ज्वार, कोदो, छोटी मटर, उड़द, मूंग, मसूर, बड़ी मटर, कुलथी, अरहर, चना** ये सब सत्रह ग्राम्य औषधियों की जातियाँ हैं। ग्राम्य और वन्य (वन में उत्पन्न) दोनों मिलाकर चौदह यज्ञ की औषधियाँ हैं।।२१–२३।।

क्षिरहय: सयवा माषा गोधूमा अणवस्तिला:।
प्रियङ्गुसप्तमा ह्येता अष्टमास्तु कुलत्थका:।।२४।।

श्यामाकास्त्वथ नीवारा जर्त्तिला: सगवेधुका:।
तथा वेणुयवा: प्रोक्तास्तद्वत् मर्कटका मुने।।२५।।

प्राम्यारण्याः स्मृता होता ओषध्यस्तु चतुर्दश
यज्ञनिष्पत्तये यज्ञस्तथासां हेतुरुत्तमः।।२६।।

उन औषधियों के नाम ये हैं– **धान, जौ, उड़द, गेहूं, छोटे धान्य, तिल, काँगनी ये सात और आठवाँ कुलथी, सावां, नीवार, वनतिल, गवेधु, वेणुयव, और मक्का।** ये ग्राम्य और वन्य कुल मिलाकर चौदह प्रकार की औषधियों की उत्पत्ति यज्ञ साधना के निमित्त हुई।।२४–२६।।

एताश्च सह यज्ञेन प्रजानां कारणं परम्।
परापरविदः प्राज्ञस्ततो यज्ञान् वितन्वते।।२७।।

अहन्यहन्यनुष्ठानं यज्ञानां मुनिसत्तम।
उपकारकरं पुसां क्रियमाणस्य शान्तिदम्।।२८।।

यज्ञ के साथ–साथ ये औषधियाँ प्रजाजनों के विकास के प्रधान कारक हैं। अतः इस लोक और परलोक के ज्ञाता पण्डितगण यज्ञ और अनुष्ठान करते हैं। हे मुनि श्रेष्ठ! प्रतिदिन यज्ञाचरण पुरुषों के लिए अत्यन्त उपकारक है तथा यज्ञ करने वाले पुरुषों के पाप को भी शान्त करने वाला है। CRPF के जवानों में सतों गुण की ही अपेक्षा की जाती है। अतः औषधीय चौदह मोटे अनाज से श्रेयकर और कुछ हो ही नहीं सकता है।

मोटे अनाज में भारत की संस्कृति है तथा भारत की आस्था है यह तो स्पष्ट है। मोटे अनाज के पीछे जो वैज्ञानिकता है उसे भी समझना होगा। उसके लिए भारत के विज्ञान विशेषकर आयुर्वेद को समझना होगा। भारतीय आयुर्वेद में रोग के तीन कारण या दोष बताए गए हैं वायु (वात), पित और कफ।

वायुः पित्तं कफश्चेति त्रयो दोषाः समासतः।।

वैद्यराज चरक ने लिखा है किः–

'प्रत्येकं ते त्रिधा वृद्धिक्षयसाम्यविभेदतः।
उत्कृष्टमध्याल्पतया त्रिधा वृद्धिक्षयावपि।।
ते व्यापिनोऽपि हृन्नाभ्योरधोमध्योर्ध्वसंश्रयाः।।७।।

ये त्रिदोष सदा समस्त शरीर में व्याप्त रहते हैं। फिर भी नाभि से निचले भाग में वायु अर्थात वात का आश्रय है। नाभि तथा हृदय के मध्य भाग में पित्त का और हृदय के ऊपरी भाग में कफ का आश्रय स्थान है।।७।।

शरीर में रोगों के अधिष्ठान (आश्रयस्थान) भी दो होते हैं– पहली–काया (शरीर) तथा दूसरी–मन।

प्रथम भेद से होने वाले रोगों शरीर के रोग माने जाते हैं। जैसे– ज्वर, रक्तपित्त, श्वास आदि के रोग हैं। **केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल इससे अछूता नहीं है।** दूसरे भेद से कहे जाने वाले रोगों का अधिष्ठान है 'मन'। इससे सम्बन्धित रोग हैं– मद, मूर्च्छा, ग्रहारिष्ट, भूतोन्माद, राग, द्वेष आदि। **केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ती ही जा रही हैं।**

सुश्रुत–सूत्रस्थान में कहा गया गया है कि पृथ्वी, जल, तेज, वायु तथा आकाश इन पाँच तत्वों के संयोग का नाम मानव है। चरक–शरीर स्थान में **'खाद्यश्चेतना षष्ठा धातवः पुरुषः स्मृतः'** कहा गया है। अर्थात् उक्त पंच धातु और चेतना धातु (चेतना का आधार मन सहित आत्मा) कहा गया है। यही जीवित शरीर या सजीव की परिभाषा है।

मानसिक रोगों की उत्पत्ति के कारण क्या है? उसी के समाधान के लिए अष्टांगहृदय पुस्तक में श्री वाग्भट जी ने आयुष्कामीयाध्याय–1 के श्लोक 21 में कहा है।

रजस्तमश्च मनसो द्वौ च दोषाबुदाहृतौ।।२१।।

मानसिक दोष दो होते हैं–

१. रजस् (रजोगुण) और २. तमस् (तमोगुण)।

गुण तीन हैं– १. सत्त्व, या सतोगुण २. रजस् या रजोगुण और ३. तमस् या तमोगुण। इसी विषय को महर्षि चरक ने स्वीकार किया है कि,

'नियतस्त्वनुबन्धो रजस्तमसोः परस्परं,
न ह्यरजस्कं तमः प्रवर्तते। (च.वि.६।६)

अर्थात् काम आदि मानस रोगों तथा ज्वर आदि शरीर सम्बन्धी रोगों का कदाचित् परस्पर अनुबन्ध हो जाता है, परन्तु रजस् और तमस् का परस्पर अनुबन्ध होना निश्चित ही है, क्योंकि तमस्, रजस् के बिना प्रवृत्त ही नहीं होता। यदि आप में सतों गुण की प्रवृति का ह्रास हो चुका हो, तब आप में राजसी अहम आएगा तब आप दंभ, रुतबा और अपना प्रचंड प्रभाव के प्रदर्शन के लिए तामसी प्रवृति का आचरण करेंगे। अतः तमस्–रजस् ये दोनों कभी भी एक–दूसरे का साथ नहीं छोड़ते और सत्त्व गुण सर्वथा निर्विकार है। अतः वह (सत्त्वगुण) ही मानसिक आरोग्य दे सकता है, जिसके लिए औषधीय चौदह मोटे अनाज हमेशा हीं श्रेयकर है। रजोगुण तथा तमोगुण का वर्णन करते हुए महर्षि पुनर्वसु ने कहा है कि– 'सृष्टि या जन्म के समय पुरुष अव्यक्त अवस्था से व्यक्त अवस्था में आता है और पुनः मृत्यु या प्रलयकाल में व्यक्त अवस्था से अव्यक्त अवस्था में चला जाता है। इस प्रकार के बन्धन के कारण रजस् तथा तमस् गुणों से युक्त पुरुष संसार–चक्र के समान घूमता रहता है।'

**केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की तैनाती के बात करे तो समस्त भारतवर्ष इस बल का कर्मभूमि है।** आयुर्वेदीय दृष्टिकोण के अनुसार भूमि (देश) और शरीर दो प्रकार का होता है–

**भूमिदेहप्रभेन देशमाहुरिह द्विधा।**

१. भूमिदेश और २. देहदेश। शरीर के

विभिन्न अवयवों को यहाँ देह देश कहा गया है। देह शब्द देश के अर्थ में केवल आयुर्वेद में ही प्रयुक्त हुआ है। देहदेश का क्षेत्र है– सिर, हाथ, पैर आदि।

जाङ्गलं वातभूयिष्ठमनूपं तु कफोल्बणम्।।२३।।
साधारणं सममलं त्रिधा भूदेशमादिशेत्।

भूमिदेश तीन प्रकार का कहा गया है–

१. जांगल देशः– यहाँ हवा अधिक चलती है,

२. आनूप देशः– इस देश में कफदोष की प्रधानता रहती है और

३. साधारण देशः– इस देश में वात आदि तीनों दोष समान अवस्था में रहते हैं।।२३।।

शार्ङ्गधराचार्य ने तीन प्रकार के देशभेदों की चर्चा इस प्रकार की है–

'बहूदकनगोऽनूपः कफमारुत–रोगवाजन्।
जाङ्गलोऽल्पाम्बुशाखी च पित्तासृङ्मारुतोत्तरः।।
संसृष्टलक्षणो यस्तु देशः साधारणो मतः'।
(शा.सं.पू.खं. ६४)

**1. जांगल देश**– रूखा–सूखा मरुस्थलय जैसे– भारत का बीकानेर तथा जैसलमेर क्षेत्र तथा बाहरी प्रदेश अरब, अफ्रीका आदि। प्रायः ये जल तथा वृक्षरहित देश हैं। यहाँ पित्तज, रक्तज एवं वातज रोग अधिक होते हैं।

**2. आनूप देश**– विपुल जल तथा पर्वतों से युक्त देशय जैसे– असम, ब्रह्मा(म्यांमार) तथा बंगाल की खाड़ी, नदी–नालों से व्याप्त भू–प्रदेश। यहाँ कफज तथा वातज रोग अधिक होते हैं।

**3. साधारण देश**– इसमें वात आदि सभी दोष सम रहते हैं, अतएव यहाँ अधिकांश रोग नहीं होते; फलतः यहाँ के निवासी अन्य देशवासियों की अपेक्षा स्वस्थ, सुन्दर, सुडौल शरीर वाले तथा नीरोग रहते हैं; जैसे– उत्तर प्रदेश, पंजाब आदि के निवासी।

अतः सैनिकों को कफ, पित और वात के संतुलन और विभिन्न क्षेत्रों में तैनाती के साथ साथ सतोगुण की प्रधानता बनाए रखने की लिए और तामसी चीजों जैसे मदिरा, मांसाहार से दूरी रख महिलाओ के प्रति सम्माननीय आचरण बनाए रखने के लिए औषधीय चौदह मोटे अनाज हमेशा भोजन के भाग बनाए रखने चाहिए।

गर्भ उपनिषद भी मानव शरीर का बड़ी वैज्ञानिकता से वर्णन करता है।

ॐ पंचात्मकं पंचसु वर्तमानं षडाश्रयं षड्गुणयोगयुक्तम्।
तत्सप्तधातु त्रिमलं द्वियोनि चतुर्विधाहारमयं शरीरं भवति।।

गर्भ उपनिषद के अनुसार शरीर पंचात्मक, पाँचों में वर्तमान, छः आश्रयों वाला, छः गुणों के योग से युक्त, सात धातुओं से निर्मित, तीन मलों से दूषित, दो योनियों से युक्त तथा चार प्रकार के आहार से पोषित होता है। आइए हम इसको विस्तार से जानते हैं।

पंचात्मकमिति कस्मात् पृथिव्यापस्तेजोवायुराकाशमिति।

पंचात्मक कैसे है?

शरीर पृथ्वी, जल, तेज, वायु और आकाश से रचा हुआ होने के कारण) शरीर पंचात्मक है।

अस्मिन्पंचात्मके शरीरे का पृथिवीका आपः
किं तेजः को वायुःकिमाकाशम्।

इस शरीर में पृथ्वी क्या है? जल क्या है? तेज क्या है? वायु क्या है? और आकाश क्या है?

तत्र यत्कठिनं सा पृथ्वी यद्द्रवं ता
आपो यदुष्णंतत्तेजो यत्संचरति स
वायुः यत्सुषिरं तदाकाशमित्युच्यते।।

इस शरीर में जो कठिन तत्त्व है, वह पृथिवी है। जो द्रव है, वह जल है। जो उष्ण है। वह तेज है। जो संचार करता है, वह वायु है। जो छिद्र है, वह आकाश कहलाता है।

तत्र पृथ्वी धारणे आपः पिण्डीकरणे
तेजः प्रकाशनेवायुर्गमने आकाशमवकाशप्रदाने!

इनमें पृथ्वी धारण करती है, जल एकत्रित करता है, तेज प्रकाशित करता है, वायु अवयवों को यथास्थान रखता है, आकाश अवकाश प्रदान करता है।

पृथक् श्रोत्रेशब्दोपलब्धौ त्वक् स्पर्शे
चक्षुषी रूपे जिह्वा रसने
नासिकाऽऽघ्राणे उपस्थश्चानन्दनेऽपानमुत्सर्गे
बुद्धयाबुद्धयति मनसा सङ्कल्पयति वाचा वदति।

इसके अतिरिक्त कान श्रवण (शब्द को ग्रहण) करने में, त्वचा स्पर्श करने में, नेत्र रूप ग्रहण करने में, जिह्वा रस का आस्वादन करने में, नासिका सूँघने में, उपस्थ आनन्द लेने में तथा पायु मलोत्सर्ग के कार्य में लगा रहता है। जीव बुद्धि द्वारा ज्ञान प्राप्त करता है, मन के द्वारा संकल्प करता है, वाक्–इन्द्रिय से बोलता है।

षडाश्रयमितिकस्मात्
मधुराम्ललवणतिक्तकटुकषायरसान्विन्दते।

शरीर छः आश्रयों वाला कैसे है? इसलिये कि वह छः स्वाद मधुर, अम्ल, लवण, तिक्त, कटु और कषायइन का आस्वादन करता है।

षड्जर्षभगान्धारमध्यमपंचमधैवतनिषादाश्चेति।
इष्टानिष्टशब्दसंज्ञाः प्रतिविधाः सप्तविधा
भवन्ति शुक्लो रक्तः कृष्णो धूम्रः
पीतः कपिलः पाण्डुर इति। ।।१।।

श्रवण की बात करे तो षड्ज, ऋषभ, गान्धार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद– ये सप्त स्वर (सा, रे, ग, म, प, ध, नि) तथा इष्ट, अनिष्ट और प्रणिधान

कारक (प्रणवादि) शब्द मिलाकर दस प्रकार के शब्द (स्वर) होते हैं, उनका श्रवण करता है। शुक्ल, रक्त, कृष्ण, धूम्र, पीत, कपिल और पाण्डुर– ये सप्त रूप (रंग) को देखता है।।१।।

सप्तधातुमिति कस्मात् यदा
देवदत्तस्य द्रव्यादिविषयाजायन्ते।।

सात धातुओं से निर्मित कैसे है? जब देवदत्त नामक व्यक्ति को द्रव्य आदि भोग्य–विषय जुड़ते हैं।

परस्परं सौम्यगुणत्वात् षड्विधो रसो
रसाच्छोणितं शोणितान्मांसं मांसान्मेदो

तब उनके परस्पर अनुकूल होने के कारण षट्–पदार्थ प्राप्त होते हैं जिनसे रस बनता है। रस से रुधिर, रुधिर से मांस, मांस से मेद।

मेदसःस्नावा स्नाव्नोऽस्थीन्यस्थिभ्यो
मज्जा मज्ज्ञः शुक्रंशुक्रशोणितसंयोगादावर्तते
गर्भो हृदि व्यवस्थांनयति।

मेद से स्नायु, स्नायु से अस्थि, अस्थि से मज्जा और मज्जा से शुक्र– ये सात धातुएँ उत्पन्न होती हैं। पुरुष के शुक्र और स्त्री के रक्त के संयोग से गर्भ का निर्माण होता है। ये सब धातुएँ हृदय में रहती हैं,

हृदयेऽन्तराग्निः अग्निस्थाने पित्तं पित्तस्थाने
वायुः वायुस्थाने हृदयं प्राजापत्यात्क्रमात्।।२।।

हृदय में अन्तराग्नि उत्पन्न होती है, अग्निस्थान में पित्त, पित्त के स्थान में वायु और वायु से हृदय का निर्माण सृजन–क्रम से होता है।।२।।

शरीरमिति कस्मात्साक्षादग्नयो ह्यत्र
श्रियन्तेज्ञानाग्निर्दर्शनाग्निःकोष्ठाग्निरिति।
तत्र कोष्ठाग्निर्नामाशितपीतलेह्यचोष्यंपचतीति।
दर्शनाग्नी रूपादीनां दर्शनं करोति।

देह–पिण्ड का 'शरीर' नाम कैसे होता है? इसलिये कि ज्ञानाग्नि, दर्शनाग्नि तथा जठराग्नि के रूप में अग्नि इसमें आश्रय लेता है। इनमें जठराग्नि वह है, जो खाये, पिये, चाटे और चूसे हुए पदार्थों को पचाता है। दर्शनाग्नि वह है, जो रूपों को दिखलाता है।

ज्ञानाग्निः शुभाशुभं च कर्म विन्दति।
तत्र त्रीणिस्थानानि भवन्ति हृदये
दक्षिणाग्निरुदरे गार्हपत्यं

ज्ञानाग्नि शुभ और अशुभ कर्मों को सामने खड़ा कर देता है। अग्नि के शरीर में तीन स्थान होते हैं– आहवनीय अग्नि मुख में रहता है। गार्हपत्य अग्नि उदर में रहता हैऔर दक्षिणाग्नि हृदय में रहता है।

मुखमाहवनीयमात्मा यजमानो बुद्धिं पत्नीं
निधायमनो ब्रह्मा लोभादयः पशवो धृतिर्दीक्षा
सन्तोषश्चबुद्धीन्द्रियाणि यज्ञपात्राणि

आत्मा यजमान है, मन ब्रह्मा है, लोभ आदि पशु हैं, धैर्य और संतोष दीक्षाएँ हैं, ज्ञानेन्द्रियाँ यज्ञ के पात्र हैं।

कर्मेन्द्रियाणि हवींषि शिरःकपालं केशा
दर्भा मुखमन्तर्वेदिः चतुष्कपालंशिरः षोडश
पार्श्वदन्तोष्ठपटलानि सप्तोत्तरंमर्मशतं

कर्मेन्द्रियाँ हवि (होम करने की सामग्री) हैं, सिर कपाल है, केश दर्भ हैं, मुख अन्तर्वेदिका है, सिर चतुष्कपाल है, पार्श्वकी दन्तपङ्क्तियाँषोडश कपाल हैं, एक सौ सात मर्मस्थान हैं,

साशीतिकंसन्धिशतं सनवकं स्नायुशतंसप्त
शिरासतानि पंच मज्जाशतानि अस्थीनि च ह

एक सौ अस्सी संधियाँ हैं, एक सौ नौ स्नायु हैं, सात सौ शिराएँ हैं, पाँच सौ मज्जाएँ हैं,

वै त्रीणि शतानि षष्टिश्चार्धचतस्रो रोमाणि
कोट्योहृदयं पलान्यष्टौ द्वादश पलानि जिह्वा
पित्तप्रस्थंकफस्याढकं शुक्लं कुडवं मेदः प्रस्थौ
द्वावनियतंमूत्रपुरीषमाहारपरिमाणात्।

तीन सौ साठ अस्थियाँ हैं, साढ़े चार करोड़ रोम हैं, आठ पल (तोले) हृदय है, द्वादश पल (बारह तोला) जिह्वा है, प्रस्थमात्र (एक सेर) पित्त, आढक मात्र (ढाई सेर) कफ, कुडवमात्र (पावभर) शुक्र तथा दो प्रस्थ (दो सेर) मेद हैय इसके अतिरिक्त शरीर में आहार के परिमाण से मल–मूत्र का परिमाण अनियमित होता है।

इतना विस्तार से मानव के शरीर विज्ञान की जानकारी भारत को एक विरासत में हजारों साल पहले (पौराणिक काल मे) मिली है, उतनी पुरानी किसी भी देश की सभ्यता के पास नहीं है। अतः हमे गर्व करना चाहिए की हम ऐसे भूखंड में जन्म लिए हैं जो पूरे विश्व का गुरु और पथ प्रदर्शक के क्षमता रखता है, और यदि हमे अपने शरीर से प्यार है तो औषधीय चौदह मोटे अनाज को भोजन के रूप में सेवन करने में किंचित भी संदेह नहीं रखना चाहिए।

## ग्रंथानुक्रमणिका


1. **श्रीविष्णु महापुराण** टीकाकार डा श्रद्धा शुक्ला संस्कृत विभाग मिरिंडा हाउस, नाग पब्लिकैशन दिल्ली
2. **महर्षि बाग्भट कृत अष्टांगहृदयम** टीकाकार डा ब्रम्हानन्द त्रिपाठी चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली
3. **चरकसंहिता** टिप्पडी महर्षि बाग्भट कृत अष्टांगहृदयम
4. **गर्भ उपनिषद** संकलनकर्ता श्री मनीष त्यागी श्री हिन्दू धर्म वैदिक एजुकेशन फाउंडेशन

# स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की भूमिका

**बी.एल. मीणा, उप कमाण्डेंट**
ग्रुप केंद्र, नागपुर

भाषा के सृजन से मैं अपनी लेखनी की शुरूआत करता हूँ। भाषा इस धरती पर होने वाला सबसे बड़ा अविष्कार और सामाजिक उपलब्धि है यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी क्योंकि इसके बिना अन्य आविष्कारों की कल्पना भी नहीं की जा सकती। सभी प्राणियों में मनुष्य को इसलिए श्रेष्ठ माना जाता है क्योंकि उसके पास अन्य प्राणियों की भाँति क्रोध, खुशी, भूख और भय जैसे सामान्य गुण तो होते ही हैं साथ ही उसके पास अपना विवेक एवं कल्पनाशीलता भी होती है। मानव इसी कल्पनाशीलता को भाषा के माध्यम से व्यक्त कर अपनी प्रगति की ओर अग्रसर होता हैं।

विश्व स्तर पर किए गए सर्वे के अनुसार ऋग्वेद को दुनिया की प्राचीनतम पुस्तक माना गया है, जो कि भारत में ही संस्कृत भाषा में लिखी गई थी। विद्वानों का यह भी मत है कि संस्कृत दुनिया की प्राचीनतम, सरलतम और वैज्ञानिक भाषा है। कालांतर में संस्कृत से पाली का उद्‌गम हुआ, पाली से प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट और हिंदी भाषा उत्पन्न हुई। बीतते कालखंड के साथ गुप्तकाल तक संस्कृत को राजभाषा का दर्जा प्राप्त रहा। मुगलों के भारत आगमन के साथ ही अरबी–फारसी राजकाज की भाषा और हिंदी व अन्य भारतीय भाषाएं आमजन की भाषा बन गई।

16वीं सदी के आखिरी साल में भारत दुनिया के कुल उत्पादन का एक–चौथाई माल तैयार करने लगा था। इसी वजह से इस मुल्क को 'सोने की चिड़िया की उपमा दी गई। मुगल साम्राज्य के अंतिम सुल्तानों में से कुछ कमजोर थे और उन्होंने अंग्रेजों को भारत में व्यापार करने की अनुमति दे दी। व्यापार के दौरान अंग्रेजों ने देखा कि भारत सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक तौर पर बिलकुल अस्त–व्यस्त है तथा लोगों में आपसी मतभेद भी है और इसी का फायदा उठाते हुए उन्होंने सन् 1750 के दशक में ईस्ट इंडिया कंपनी के माध्यम से भारतीय राजनीति में हस्तक्षेप करना शुरू किया। सन् 1757 में प्लासी की लड़ाई में रॉबर्ट क्लाईव के नेतृत्व में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला को पराजित करने के साथ ही भारत पर आधिपत्य हुआ ईस्ट इंडिया कंपनी अर्थात अंग्रेजों के शासन का और यह थी– भारत की गुलामी की दूसरी जख्मभरी दास्तान।

सन् 1857 की क्रांति की विफलता के उपरांत 19वीं शताब्दी के अंत में व्यवस्थित रूप से राष्ट्रीय आंदोलन की आधारशिला रखी गई। जिसमें कई तथ्यों, पहलुओं और विषयों पर गंभीर मंत्रणा की गई एवं विफलता के कारणों को जाना गया। सन् 1880 के दशक के आते–आते राजनीतिक रूप से जागरूक भारतीयों को लगने लगा कि एक अखिल भारतीय राजनीतिक संगठन के निर्माण का समय आ गया है एवं जन–जागृति हेतु जनता को

राजनीति की शिक्षा देना और उन्हें राजनीतिक रूप से जागरूक बनाने के साथ–साथ एकजुट करना अति आवश्यक है। इस क्रम में कई राष्ट्रवादी नेताओं ने अपना महती योगदान दिया, जिसमें महात्मा गांधी, बाल गंगाधर तिलक, गोपाल कृष्ण गोखले, महादेव गोविंद रानाडे, रोमेश चंद्र दत्त, जीवी जोशी, जी. सुब्रमण्य अय्यर, प्रतीश चंद रे, दादा भाई नौरोजी, अरविंद घोष जैसे महान स्वतंत्रता सेनानी शामिल रहे।

सन् 1925 के कानपुर अधिवेशन में यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ कि कांग्रेस अपने सभी कार्यों में प्रादेशिक भाषाओं और हिंदी का प्रयोग करें। जिसके उपरांत महाराष्ट्र, बंगाल, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और उड़ीसा आदि अहिंदी भाषी क्षेत्रों में भी हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में व्यापक स्वीकृति मिली। महाराष्ट्र में बाल गंगाधर तिलक, एन.सी. केलकर, दामोदर सावरकर, गोपालकृष्ण गोखले, काका कालेलकर आदि नेताओं ने हिंदी को भारतवर्ष की सामान्य भाषा बनाने की बात कही तो वहीं बंगाल के प्रमुख नेताओं ने भी इस पहल को अखिल भारतीय एकता की दृष्टि से देखा। डॉ. राजेन्द्र लाल मिश्र, राजनारायण बोस, भूदेव मुखर्जी और नवीनचन्द्र राय ने राष्ट्रीय एकता के लिए हिंदी की अनिवार्यता पर बल दिया। राष्ट्रीय एकता और स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी की भूमिका को पहचान कर ही राष्ट्रनायकों ने उसे राष्ट्रभाषा के पद पर सुशोभित किया। उन राष्ट्रनायकों में स्वामी दयानंद सरस्वती, सुभाष चन्द्र बोस, रवीन्द्रनाथ टैगोर, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, मदन मोहन मालवीय, महात्मा गांधी, पुरुषोत्तम दास टंडन, राजेन्द्र प्रसाद आदि प्रमुख थे। बंकिम चन्द्र चटर्जी ने लिखा था – ''हिंदी भाषा की सहायता से भारतवर्ष के विभिन्न प्रदेशों के मध्य जो एक बंधन स्थापित करने में समर्थ होंगे, वही सच्चे भारत बंधु पुकारे जाने के योग्य हैं।''

स्वतंत्रता संग्राम सिर्फ–और–सिर्फ महापुरुषों, महानायकों या सेनानियों के द्वारा ही नहीं लड़ा गया था बल्कि

**''हिंदी भाषा की सहायता से भारतवर्ष के विभिन्न प्रदेशों के मध्य जो एक बंधन स्थापित करने में समर्थ होंगे, वहीं सच्चे भारत बंधु पुकारे जाने के योग्य हैं।''**

इसमें कई गौण हीरो भी शुमार थे। हिंदी भाषा के लेखक, कवि, रचनाकार, साहित्यकार और न जाने कितने भाषाविदों, शिक्षाविदों ने अपने कलम की ताकत से अंग्रेजों को भगाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। क्रांतिकारियों से लेकर देश के आमजनों तक के अंदर इन्होंने अपने शब्दों से, लेखनी से जोश भरने के साथ–साथ समाज चेतना के वो बीज बोए, जिसके अंकुरों की सुगंध से वृक्षों ने उस अंधड को जन्म दिया, जिसने समाज के हर वर्ग को इस आंदोलन में ला खड़ा किया। उन्हीं में से एक थे–हिंदी कथा साहित्य के सम्राट मुंशी प्रेमचंद। उन्होंने अपनी कहानियों के माध्यम से जनमानस के बीच स्वतंत्रता का एक ऐसा अलख जगाया कि जनता हुंकार उठी।

स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी आंदोलन का समावेश होते ही इन दोनों का आधार राष्ट्रीय हो गया। दोनों एक–दूसरे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ते गए। हिंदी के साहित्यकार और स्वाधीनता सेनानी, दोनों उसी राष्ट्रीय भावना को अपने–अपने तरीके से लेकर अग्रसर हुए। इस अर्थ में उस युग का साहित्यकार किसी स्वाधीनता सेनानी से कम नहीं है तो दूसरी ओर उस दौर के स्वाधीनता सेनानी भी साहित्यकार की भूमिका में नजर आते हैं। इन दोनों वर्गों के रास्ते का भेद है, मनोभेद नहीं। दोनों का लक्ष्य एक ही है और वह है– राष्ट्रीय आजादी और राष्ट्रीय स्वाधीनता, एकता व अखंडता। साहित्य और राजनीति उस दौर में एक लक्ष्य था, व्यवसाय नहीं। इसलिए साहित्य भी उस दौर में राजनीति के आगे–आगे चलने वाली रोशनी थी जो आजादी का रास्ता दिखाते हुए बढ़ रही थी और अंत में भारत को सन् 1947 में आजादी मिली।

जय हिंद

सुरेन्द्र पाल सिंह
सहायक कमाण्डेंट (राजभाषा)

# राजभाषा अधिकारी की कलम से

स्वतंत्र भारत की संविधान–सभा द्वारा 14 सितंबर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को भारत संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने से लेकर अब तक 73 वर्षों की सुनहरी लंबी यात्रा के बाद हिंदी कहां पहुंची है, यह जानने के पहले आवश्यक होगा कि हम यह जान लें कि वह चली कहां से थी और विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक गणतंत्र की राजभाषा के रूप में इसका इतिहास क्या है?

आधुनिक हिंदी के इतिहास की यदि हम बात करते हैं तो इसका इतिहास लगभग 1000 साल पुराना माना जाता है। बहुत से इतिहासकार चंदवरदाई द्वारा रचित पृथ्वीराज रासो में लिखी गई हिंदी को आधुनिक हिंदी का आधार व उद्भव काल मानते हैं। वस्तुतः भाषा संप्रेषण का माध्यम और संपर्क का साधन होने के साथ–साथ संस्कृति व संस्कार के संरक्षण, संवर्धन व संवहन का संसाधन भी है। कभी–कभी हमें मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, लिंक (संपर्क) भाषा और राजभाषा का अर्थ समझने व समझाने में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ जाता है। मातृभाषा वैयक्तिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि का बोध कराती है, राष्ट्रभाषा समाज को स्वदेशी भाव–बोध से समन्वित कराते हुए वैश्विक धरातल पर राष्ट्रीय स्वाभिमान की विशिष्ट पहचान का पुख्ता इंतजाम करती है और संपर्क भाषा देश–काल–पात्र के बीच सेतु का निर्माण करती है तो राजभाषा शासन–प्रशासन में जनता–जनार्दन की पहुंच का प्रावधान कराती है। राजभाषा अर्थात राजकाज की भाषा शासकीय प्रयोजन के लिए प्रयोग की भाषा, जनता और सरकार की भाषा, आम जनमानस और राज दरबार की भाषा।

संघ की राजभाषा का आधार प्रेरणा, प्रोत्साहन और सद्भावना है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस की स्थापना स्वतंत्रता पूर्व 27 जुलाई 1939 को हुई थी। यह बल सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में से सबसे पुराने और विशाल बल के नाम से जाना जाता है। केरिपुबल को स्वतंत्रता के पूर्व के प्रशासन और स्वतंत्रता मिलने के बाद कि प्रशासन का बहुत ही अच्छी तरह से ज्ञान व अनुभव है। केरिपुबल को एक लघु भारत के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि इसमें देश के सभी राज्यों व क्षेत्रों के जवान शामिल होते हैं और उनके बीच परस्पर संवाद का माध्यम केवल और केवल हिंदी ही है। इसी के फलस्वरूप इस बल के सभी स्तर पर सभी कार्यालयों में अधिकांश सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का ही प्रयोग होता है और फाइलों में या अन्य जगहों पर दिखाई भी देता है। इससे यह स्वतः सिद्ध होता है कि हमारा बल अपने सभी कार्यों में संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को प्रभावी व कारगर ढंग से लागू करने के प्रति दृढ़ संकल्प, अटूट प्रतिबद्धता व पूर्ण उत्तरदायित्व की भावना के साथ काम कर रहा है। आज पूरे बल स्तर पर हिंदी के प्रति अधिकारियों व कर्मचारियों में जागरूकता पैदा करने और इसका व्यापक स्तर पर प्रचार–प्रसार सुनिश्चित कर इसको प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार की ओर से मूल रूप से हिंदी में काम करने के लिए वार्षिक प्रोत्साहन योजना लागू है जिसके तहत प्रत्येक स्वतंत्र कार्यालय में 10 पुरस्कारों की व्यवस्था की गई है। 02 प्रथम पुरस्कार प्रत्येक ₹5000, 03 द्वितीय पुरस्कार प्रत्येक ₹3000 और 05 तृतीय पुरस्कार प्रत्येक ₹2000 रुपए राशि के। इसी तरह प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस पखवाड़ा मनाए जाने के दौरान भी प्रत्येक स्वतंत्र कार्यालय में हिंदी व्यवहार (अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए

अलग–अलग), कार्यशाला सत्रांत, टिप्पण एवं आलेखन और हिंदी टंकण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसी तरह अधिकारियों के लिए हिंदी डिक्टेशन प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है। प्रत्येक प्रतियोगिता ₹6000 राशि की है। इसमें प्रथम पुरस्कार ₹2500, द्वितीय पुरस्कार ₹2000र और तृतीय पुरस्कार ₹1500 राशि रखा गया है। वार्षिक प्रोत्साहन योजना, हिंदी व्यवहार, कार्यशाला सत्रांत और टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिताओं में हिंदीतर भाषी प्रतियोगियों को वरीयता देने के लिए 20 प्रतिशत बोनस अंक दिए जाने की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस तरह देखा जाए तो एक कार्यालय का एक प्रतियोगी यदि साल भर में अलग–अलग समय पर होने वाली इन प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान हासिल करता है तो वह ₹5000+₹2500=₹7500 राशि के पुरस्कारों का लाभ उठा सकता है।

मैं प्रोत्साहन के साथ–साथ यहां पर संकट का भी जिक्र करना चाहूंगा जो हम सभी के जीवन में आते हैं। यह कई प्रकार के होते हैं। प्रत्येक छोटा–बड़ा संकट अपने प्रभाव के कारण हमें जीवन के सुगम पथ से भटका कर विचलित कर सकता है। कुछ संकट हमारे वैयक्तिक जीवन पर तो कुछ परिवार पर, कुछ हमारे अनुभाग, कार्यालय और बल स्तर के कामकाज को प्रभावित करते हैं। किंतु भाषा पर आने वाला संकट ऐसा संकट होता है जिसका असर समूचे देश पर पड़ता है। इससे बचने के लिए केवल एक ही उपाय है कि सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग लगातार बढ़ाने की ओर स्वयं भी सार्थक पहल करें और अपने सहकर्मियों, अधीनस्थ कार्मिकों को भी इसके बारे में निरंतर प्रेरित और प्रोत्साहित करें।

हिंदी वैज्ञानिक भाषा है क्योंकि यह जैसे बोली जाती है वैसे ही लिखी जाती है। यदि इस भाषा को पूरा मान–सम्मान नहीं देंगे अर्थात इसका अधिकाधिक प्रयोग करने से बचेंगे, इसे नजरअंदाज करेंगे और इसकी उपेक्षा करेंगे तो निश्चित रूप से न केवल कार्यालय व बल स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में शुरू किए गए प्रयासों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसलिए ऐसी स्थिति से बचने के लिए सबसे अहम और जरूरी यह है कि हमें अपनी मानसिकता में बदलाव करना है। जब तक हम अपने आप में हिंदी में काम करने की मानसिकता विकसित नहीं करेंगे तब तक हमें वांछित परिणाम हासिल नहीं हो सकते हैं। इसके बारे में, मैं यहां पर एक बहुत ही औचित्यपूर्ण व सटीक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहता हूँ। कहते हैं कि चीन के एक प्रसिद्ध कथाकार लू सिन चिकित्सा की पढ़ाई करने के लिए जापान गए थे। वहां पर उन्होंने एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म देखी। उन्होंने उस फिल्म में दुबले–पतले जापानी पहलवान को एक मोटे–तगड़े चीनी पहलवान को जमीन पर गिराकर पीटते हुए देखा। इस घटना से वह बहुत दुखी हुआ। वह काफी सोच–विचार कर इस नतीजे पर पहुंचा कि चीनी पहलवान भले ही जापानी पहलवान से शारीरिक रूप से मजबूत था किंतु वह मानसिक रूप से जापानी पहलवान जैसे मजबूत नहीं था। इसलिए वह मार खा रहा था। इस घटना ने लू सिन को पूरी तरह से भीतर ही भीतर झकझोर कर रख दिया। उसने वहीं पर अपनी मेडिकल की पढ़ाई छोड़ दी और वापस चीन आ गया। उसने अपनी लेखिनी से अपने देश के नागरिकों को मानसिक तौर पर मजबूत करना शुरू कर दिया और बाद में उसने एक बहुत बड़े कथाकार के रूप में चीन में प्रसिद्धि पाई।

चूंकि हमारे देश को विश्व का प्राचीनतम गणतंत्र–जनतंत्र होने का गौरव प्राप्त है, अतः यह स्वाभाविक होता कि यहां की राजभाषा यानी कि राजकाज की भाषा, शासन–प्रशासन की भाषा जनगण की भाषा रही होती। किंतु कितना बड़ा सांस्कृतिक और भाषिक विरोधाभास है कि जनतंत्र के जन्मदाता भारतवर्ष में जनभाषा पिछले 2500 वर्षों के काल खंड में कभी भी राजभाषा का दर्जा नहीं पा सकी। तब भी नहीं, जब संस्कृत राज दरबार की भाषा थी, क्योंकि तब संस्कृत नहीं प्राकृत जनभाषा थी; उस वक्त भी नहीं, जब पाली राजभाषा हुआ करती थी, क्योंकि तब पाली नहीं, अपभ्रंश जनभाषा थी; मध्यकाल में भी नहीं, जब फारसी राजभाषा थी, क्योंकि तब आम जनमानस की जबान फारसी नहीं अपभ्रंश और उससे उत्पन्न खड़ी बोली थी और ब्रिटिश काल में भी नहीं, क्योंकि उस काल की राजभाषा अंग्रेजी भारत की जनभाषा नहीं थी, जनमानस की भाषा तो हिंदुस्तानी अर्थात् हिंदी थी। किंतु स्वतंत्र भारत के संविधान में हिंदी को शासकीय प्रयोजनों के लिए भारत संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया है और इसके लिए संविधान के भाग 17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक प्रावधान किए गए हैं। अंकों के मामले में भारतीय अंकों के अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को अपनाया गया तथा देश की समस्त प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं (आज उनकी संख्या 22 है) को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कर राष्ट्रीय (महत्व की) भाषा का दर्जा दिया गया है। तो आइए मिल कर यह नारा दें:–

**"घर के काम में मातृभाषा और दफ्तर के काम में राजभाषा"**

# हिंदी शब्दों के गठन का इतिहास एवं प्रक्रिया

**जितेन्द्र सिंह, सहा.कमा.(राजभाषा)**
मणिपुर एवं नागालैण्ड (सेक्टर) मुख्यालय,
केरिपुबल, इम्फाल (मणिपुर)

जब ध्वनियों व लिपियों का विकास नहीं हुआ था। आदमी इशारों से संकेत से एक दूसरे की बात समझता था। प्यास लगी तो सीधे हाथ का चुल्लू बना दिया, भूख लगी तो पहले दो अँगुली व अँगूठे को मुख की ओर बढ़ाकर इशारा कर दिया। आप सड़क पर जा रहे हैं और आगे रेलवे फाटक है तो आपको एक क्रॉसिंग का संकेत दिखाई पड़ेगा और आप समझ जाएँगे कि आगे रेलवे क्रॉसिंग है। सिगरेट बनाकर उसके ऊपर क्रॉस लगा दिया, तो समझ लो यहाँ धूम्रपान वर्जित है। ज्यों–ज्यों मानव सभ्यता का विकास होता गया, बहुत सारे इशारों की जरूरत पड़ी और यहीं से ध्वनियों का विकास शुरू हुआ और बाद में लिपि का।

आज भी संसार में बहुत सारे ऐसे समूह हैं जिनके पास न लिपि है और न ध्वनि चिह्न लेकिन वो अपना काम चलाते हैं। भाषा की परिभाषा भाषा वैज्ञानिकों ने यह दी है –''भाषा ध्वनि प्रतीकों की बनाई हुई व्यवस्था है, जिसके माध्यम से एक भाषाई समाज के लोग आपस में वार्तालाप करते हैं, विचारों का विनिमय करते हैं।'' परिभाषा में एक भाषाई समाज इसलिए कहा गया है कि कोई अमुक शब्द किसी एक भाषा में एक अर्थ देता है तो दूसरी भाषा में दूसरा, लेकिन कहीं–कहीं तो दूसरा अर्थ ही नहीं बल्कि विपरीत अर्थ देता है, जैसे– ''लहँगा''।

**''भाषा ध्वनि प्रतीकों की बनाई हुई व्यवस्था है, जिसके माध्यम से एक भाषाई समाज के लोग आपस में वार्तालाप करते हैं, विचारों का विनिमय करते हैं।''**

''लहँगा''–उत्तर भारत में महिलाओं का परिधान है, जबकि गुजरात में यह पुरूषों के परिधान पायजामा का वाचक होता है। ''राजीनामा'' का अर्थ हिंदी क्षेत्र में सहमति है, तो वहीं गुजरात में इसका अर्थ असहमति होता है। गुजरात में पति–पत्नी के बीच 'राजीनामा' हुआ है तो समझ लो कि उनका तलाक हो गया है। गुजराती में कहें तो छुट्टा–छेड़ा हो गया। हिंदी में नन्हें–मुन्ने बच्चों को ''गुड्डू–पप्पू'' कहा जाता है, जबकि तेलुगु में इसका प्रयोग अण्डा–दाल के लिए होता है। ''चेष्टा'' का अर्थ हिंदी भाषा में कोशिश करना है, तो मराठी में इसका अर्थ मसखरी करना होता है। अर्थातः तात्पर्य यही है कि भाषा–एक निश्चित समाज के बीच ध्वनि प्रतीकों की बनाई हुई व्यवस्था है।

ध्वनि प्रतीक बनते और बिगड़ते रहते हैं, उनके बीच मिलन और विघटन होता रहता है। शब्दों के निर्माण की कहानियां बड़ी अजब–गजब हैं। कुछ इतिहास से जुड़ी हैं, तो कुछ समाज से, कुछ स्थान से, तो कुछ सादृश्य से जुड़ी हुई हैं। जिनके बारे में इस लेख में आगे चर्चा की गई है। भाषा एक बहता नीर–प्रवाह है, जो व्याकरण के नियमों को नहीं मानता। यही कारण रहा है कि महर्षि बाल्मीकि और वेद व्यास ने वैदिक संस्कृत के मुकाबले तत्कालीन देशज संस्कृत भाषा को अपनाया। जबकि पाणिनी ने संस्कृत को व्याकरण के नियमों से बांधा तो भाषा बंधनों को तोड़ते हुए पालि (पालि–गाँव या कस्बे की भाषा) का रूप लिया। आंध्र प्रदेश में पालि का अर्थ कस्बे (रामपल्ली, त्रिचुरापल्ली, लिंगम्पल्ली आदि) से है। कवि गुरू रवींद्र नाथ टेगौर ने पल्ली गीत (लोक गीत) लिखे हैं। पालि के बाद प्राकृत का अपभ्रंश होते हुए हिंदी का विकास हुआ। यह अपभ्रंश वैदिक संस्कृत के प्रभाव से नहीं बल्कि आगत भाषा के शब्दों से हुआ। जिसकों निम्न प्रकार समझाने का प्रयास किया गया है :–

| | |
|---|---|
| स्वजन | सज्जन |
| सजन | साजन |
| अध्यापक | अज्झापक |
| अज्झा | झा |
| बल्लभ | बल्लम |
| बलम | बालम |
| स्वामी | सामी |
| साईं | सैंया |
| दुर्लभ | दूलभह |
| दूल्हण | दूल्हा |

विदेशी भाषाओं के जो शब्द हिंदी में आए उनका भी अपभ्रंशीकरण हुआ है:–

| | | |
|---|---|---|
| गैसलाइट | गैसलैट | घासलेट |
| ऑर्डरली | आर्डल्ली | अर्दली |
| प्लाटून | पलाटून | पलटन |
| कैप्टेन | कप्टान | कप्तान |
| ट्रेजेडी | त्रासदी | |
| एकेडमी | अकादमी | |

इसी प्रकार काफी शब्द मुख–सुख के कारण अपभ्रंश हो जाते हैं:–

| | | |
|---|---|---|
| स्कंध | कंधा | |
| उपर्युक्त | उपरोक्त | उक्त |
| स्थाली | थाली | |
| स्तन(महिला) | थन(भैंस,गाय,बकरी) | |

कुछ शब्दों के अमानक रूप ज्यादा बल व बहुप्रयोग के कारण मानक मान लिए जाते हैं, जैसे–सुस्वागतम। परन्तु सही शब्द है स्वागतम है–सु+आगतम। इसमें दूसरे सु की आवश्यकता है ही नहीं। इसी प्रकार शब्द है–पाव रोटी, पाव का अर्थ ही खमीर वाली रोटी होता है, इसलिए इसमें रोटी जोड़ने की जरूरत ही नहीं है। श्रेष्ठ अपने आप में श्रेष्ठ है लेकिन फिर भी लोग सर्वश्रेष्ठ और बाद में तम–प्रत्यय जोड़कर उसे श्रेष्ठतम बना देते हैं।

अतीत में कुछ शब्दों के गठन के पीछे कुछ मूल कारण थे, परन्तु बाद में मूल कारणों का पता नहीं होने पर उन शब्दों का अर्थ विस्तार हो गया, जैसे–''सूत्रपात'' (सूत का गिरना)। मकान बनाने के लिए दीवार चिनने के लिए राज मिस्त्री डोरी डालकर दीवार सी सीधाई नापते थे और आज भी नापते हैं। लेकिन आज ''सूत्रपात'' किसी भी नए काम को करने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। पहले ''गवेष्णा'' शब्द गाय को ढूढँने के लिए प्रयोग होता था, लेकिन आज गंभीर बहस/अध्ययन का नाम गवेष्णा है। इसी प्रकार पुण्य करने वाला ही ''निपुण'' कहलाता था, परन्तु आज फर्नीचर बनाने बढ़ई भी ''निपुण'' नाम से बुलाए जाते हैं। प्राचीन काल में ''हलवाई'' केवल हलुआ बनाने वाले कारीगर को कहा जाता था, परन्तु अब सभी प्रकार की मिठाई बनाने वालों को हलवाई कहा जाता है। ''क्लाइंट'' शब्द का मूल अर्थ दास या नौकर था, परन्तु अब यह शब्द ग्राहक वाचक है। पहले रोटी बनाने वाली महिला को ''लेडी'' शब्द से पुकारा जाता था, परन्तु आज शायद कोई लेडी रोटी बनाती हो।

बाइबिल की कहानी बड़ी रोचक है। मिश्र में पेपीरस पौधे से कागज बनाते थे और ''बाइलौस'' शहर से अधिकांशतः कागज का निर्यात होता था, इस प्रकार बाइलौस कागज का पर्याय बन गया। बाइलौस कागज पर लिखी छोटी किताब (गुटका) को यूनानियों ने ''बिबिलयोज'' कहा, जो कालांतर में ईसा की मृत्यु के बाद उनके धर्म और जीवन पर लिखित पुस्तक ''बाइबिल'' कहलाई।

कुछ शब्दों का अर्थादेश हो जाता है, जैसे– समुद्री सीमा के अंत पर स्तंभ गाढ़ा गया। स्तंभ से खंभ और खंभा से ''खंभात'' (खंभात की खाड़ी) शब्द बना। इसी प्रकार पूर्व में ''मृग'' शब्द जंगल के जानवरों के लिए प्रयुक्त होता था।

मृग – जंगल के जानवर

मृगेश – सिंह (मृगों का राजा)

तृण मृग – गिलहरी (पेड़ के तनों पर रहने वाला जानवर)

शाखा मृग – बंदर (शाखाओं पर उछल–कूद करने वाला जानवर)

हस्तिन मृग – हाथी (जिस पशु के हाथ हो, हाथी की सूँड को उसका हाथ कहा जाता है)

संस्कृत में पूर्व में शेर के लिए हिंस्त्रक शब्द था, यानि जो हिंसा में विश्वास करें, पता नहीं कब और कैसे हिंसक सिंह हो गया।

समय के साथ–साथ कुछ शब्दों का अपकर्ष भी हुआ है, जैसे–''नग्न लुंचित'' शब्द से नंगा लुच्चा बना, जो सामाजिक दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है। परन्तु जैन मुनियों में बालों को नोचकर उखाड़ने की एक धार्मिक प्रक्रिया है। जैन धर्म में ''मुनि'' उस धार्मिक नेता को कहा जाता था–जो बिल्कुल मौन रहे, लेकिन आज अधिकांश मुनि जोर–जोर से चिल्लाकर अपनी बात कहते हैं, फिर भी वे आज मुनि हैं।

पहले ''दुहिता'' शब्द का अर्थ दूध दुहने वाली बेटी से था, परन्तु आज हरेक बेटी दुहिता है। प्राचीन काल में ''कक्ष'' में घोड़े बांधे जाते थे, परन्तु आज अधिकारी कक्ष में विराजते हैं। पहले ''कांस्टेबल'' का अर्थ ऑफीसर था, परन्तु बाद में वह सिपाही वाचक हो गया। पूर्व में ''मैथुन'' शब्द जोड़े (मिथुन) द्वारा किया गया कोई भी कार्य था, परन्तु आज इस शब्द को केवल संभोग के रूप में लिया जाता है। ''धान्य'' शब्द का अर्थ अनाज था, लेकिन कालांतर में धान्य से धान बना जोकि चावल के पौधे को कहा जाता है। पूर्व में यज्ञ कराने वाले को ''यजमान'' कहते थे, लेकिन आज यजमान शब्द पंडितो के धार्मिक ग्राहक को पुकारा जाता है।

कुछ शब्दों का इतिहास होता है जैसे कुछ शहरों के नाम :–

वडोदरा – बहुतायात में वड़ वक्षों के पायें जाने के कारण।

गोधरा – गायों की धरा की वजह से।

दाहोद – गुजरात और मध्य प्रदेश दो राज्यों की हद एक स्थान पर मिलने के कारण दोहाद बना, जो कालान्तर में बिगड़कर दाहोद हो गया।

गुवाहाटी – गुवा–सुपाड़ी, हाट–बाजार अर्थातः सुपाड़ी का बाजार।

शिलॉग – शिवलिंग से बना।

इस तरह हम देखते हैं कि शब्दों का निर्माण समाज, काल स्थिति, स्थान आदि के कारण तथा मुख–सुख के कारण बदलते रहते हैं। शब्दों के निर्माण की कोई ठोस या व्यवस्थित प्रक्रिया नहीं है।

# आदिकाल से हिंदी की विकास यात्रा

निरी. (हिंदी अनुवादक), **रमेश कुमार पाण्डेय**
महनिदेशालय, नई दिल्ली

आदिकाल किसी भी भाषा का वह प्रारंभिक या पहला काल–खण्ड होता है जहाँ से उसकी शुरूआत होती है। हम सभी जानते हैं कि भारतीय भाषा का प्राचीनतम ग्रन्थ ऋग्वेद है और ऋग्वेद की भाषा संस्कृत रही है। यह संस्कृत दो प्रकार की थी। पहली वैदिक संस्कृत थी जिसमें वेद, उपनिषद् अरण्यक, ब्राह्मन और दर्शन आदि की रचना हुई और दूसरी लौकिक संस्कृत थी जिसमे रामायण, महाभारत, नाटक, व्याकरण आदि की रचनाएँ हुई। किन्तु समय हमेशा से गतिशील रहा है और समय के साथ हर क्षेत्र में परिवर्तन होना संसारिक सत्य है। इसी तरह भाषा भी धीरे–धीरे कई रूपों में परिवर्तित होती रही है। लौकिक संस्कृत बोलचाल की भाषा में विकसित होकर धीरे–धीरे पाली भाषा के रूप में प्रचलित हुई।

पाली भाषा में भी ऐसा ही हुआ, वह समय के अनुसार प्राकृत का रूप धारण करने लगी। प्राकृत का समय ईसा की पहली शताब्दी से लेकर 500 ई. के बाद तक रहा। प्राकृत के समय में ही जनपदों में भाषा का प्रचार हुआ। यहीं से प्राकृत भाषा अपभ्रंश के रूप में प्रसारित होने लगी थी। विद्वानों ने प्राकृत भाषा के अंतिम चरण में अपभ्रंश का उद्भव माना है। अपभ्रंश भाषा के विभिन्न क्षेत्रीय रूपों एवं बोलियों से ही हिंदी भाषा का उद्भव हुआ। हर्षवर्धन के शासन काल के पश्चात अपभ्रंश का प्रचार–प्रसार तेजी से बढ़ा। अतः हिदी का प्रारंभिक काल अपभ्रंश साहित्य में ही दिखाई दिया। इसी काल के चौरासी सिद्धों में हिंदी का रूप और भी निखर कर आया।

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य से देखा जाए तो हिंदी का क्षेत्र दो भागों में बँट गया। पहला पश्चिमी हिंदी और दूसरा पूर्वी हिंदी। यही अपभ्रंश साहित्य हिंदी के जन्म का कारण बना। डॉ नागेन्द्र के अनुसार हिंदी साहित्य की परंपरा को देखा जाए तो अपभ्रंश से ही क्षेत्रीय रूपों में परिवर्तित होने वाली बोलियों से ही हिंदी का रूप विकिसत हुआ है। अपभ्रंश शौरसेनी अपभ्रंश, पैशाची, ब्राचड़, महाराष्ट्री, मागधी और अर्धमागधी के रूपों में प्रसारित हो रही थी। इनकी उपभाषाओं एवं मुख्य बोलियों से ही हिंदी का उद्भव माना गया है।

**हिंदी भाषा के विकास को प्रायः तीन कालों में विभाजित किया जा सकता है-**

**प्राचीन या आदिकाल की हिंदी**
**(1000 - 1500 ई. तक)**

**मध्यकालीन हिंदी**
**(1500 - 1800 ई. तक)**

**आधुनिक हिंदी**
**(1800 ई. से अब तक)**

### 1. प्राचीन या आदिकाल की हिंदी (1000 - 1500 ई. तक)

हिंदी के विकास का यह प्रारंभिक चरण है। इस काल की हिंदी में कई बोलियों का मिश्रण मिलता है। स्वर और व्यंजन की दृष्टि से आदिकालीन हिंदी अपभ्रंश की ऋणी है। कुछ नई ध्वनियों का विकास भी इस काल में हो गया था जैसे– 'ऐ' और 'औ' ये दोनों संयुक्त स्वर अपभ्रंश में नहीं थे। आदिकालीन हिंदी में इन दोनों स्वरों का उच्चारण 'अए' और 'अओ' की तरह होता था। च, छ, ज, झ, संस्कृत से लेकर अपभ्रंश तक स्पर्श व्यंजन था। आदिकाल हिंदी में आकर ये स्पर्श संघर्षी हो गए और अब तक ये इसी रूप में प्रयुक्त हो रहे हैं। ड़, ढ़ व्यंजन अपभ्रंश में नहीं थे किन्तु इस काल को हिंदी में इसका विकास हो गया। अपभ्रंश में न्ह, म्ह, ल्ह संयुक्त व्यंजन थे किन्तु इस काल में आकर ये क्रमशः न, म, ल के महाप्राण के रूप में परिवर्तित हो गए अर्थात मूल व्यंजन हो गए। व्याकरण की दृष्टि से भी आदिकालीन हिंदी अपभ्रंश के बहुत निकट थी। धीरे–धीरे अपभ्रंश के व्याकरिणक रूप कम होते गए और 1500 ई. तक आते–आते हिंदी अपने पैरों पर खड़ी हो गई।

### 2. मध्यकाल (1500 ई. से 1800 ई. तक)

इस काल को हिंदी भाषा का **स्वर्ण युग** भी कहा गया है। भाषा और साहित्य दोनों की दृष्टि से इस युग का विशेष महत्व है। इस काल में अरबी–फारसी, पश्तो, तुर्क आदि विदेशी भाषाओं के शब्द प्रयुक्त होने लगे। यूरोप वासियों से संपर्क में आने से अंग्रेजी, पुर्तगाली, स्पेनी, फ्रांसीसी, भाषाओँ के शब्दों से भी हिंदी प्रभावित हुई। मध्यकाल में धर्म की भावना प्रबल होने के कारण तत्सम शब्दों का प्रयोग खूब बढ़ गया क्योंकि साहित्य में गद्य की अपेक्षा पद्य की ओर कवियों का विशेष झुकाव रहा। ब्रज और अवधी इस काल की समृद्ध भाषा बन गई। ब्रज में कृष्ण–साहित्य और अवधी में राम साहित्य रचा गया। जायसी का 'पद्मावत' भी इस अवधी की महत्वपूर्ण कृति है। सूरदास और नंददास ने ब्रजभाषा में उच्चकोटि की रचनाएँ लिखी। ब्रज भाषा समस्त हिंदी प्रदेश की साहित्यिक भाषा बन गई।

### 3. आधुनिक काल (1800 ई. से अब तक)

हिंदी भाषा के इतिहास में इस काल का जन्म संघर्ष तथा क्रांति में हुआ। ब्रज और अवधी का स्थान धीरे–धीरे खड़ी बोली ले रही थी। शासन–सत्ता अपने हाथ में लेते ही अंग्रेजों को भारत की जनता से संपर्क करने के लिए यहाँ की भाषा को सीखना आवश्यक हो गया। 1800 ई. में अंग्रेजों ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना करके हिंदी के विकास का प्रारंभ किया। कॉलेज के अध्यक्ष डॉ गिलक्राइस्ट

ने 1803 ई. में लल्लूलाल तथा सदल मिश्र की नियुक्ति की। इन्होंने 'प्रेमसागर' और 'नासिकेतोपाख्यान' की रचना किया। 19वीं शताब्दी के उतरार्द्ध में भारतेंदु युग से खड़ी बोली में गद्य लिखा जाने लगा था। इस समय कविता की भाषा ब्रज थी। आगे चलकर कविता की भाषा भी खड़ी बोली हो गई। द्विवेदी युग से खड़ी बोली के साहित्य में स्वर्णयुग का आगमन हुआ। आधुनिक युग में हरिऔंध, मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, निराला, पंत, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा आदि के साहित्य ने हिंदी को परिनिष्ठित और संपन्न भाषा के रूप में प्रतिष्ठित कर दिया। आज हिंदी वाणिज्य, विज्ञान, विधि, तकनीकी की भी भाषा है। शब्दकोष तथा साहित्य की दृष्टि से हिंदी भाषा की गणना आज विश्व की उन्नत भाषाओं में होने लगी है। कुल मिलाकर हम कह सकते हैं कि आधुनिक हिंदी दिनोंदिन उन्नति के पथ पर आगे बढ़ती जा रही है।

जहां तक प्रशासिनक कार्यों में हिंदी के प्रयोग का विषय है तो 12वीं सदी के अतिम दशक में मुहम्मद गोरी के आक्रमण के बाद देश में विदेशी शासन–व्यवस्था स्थापित हुई, जिसका केन्द्र दिल्ली और आगरा के आसपास का क्षेत्र रहा। तत्कालीन शासकों ने प्रशासिनक कार्यों के लिए अपनी भाषा फारसी (हालांकि अन्दरखाने की भाषा तुर्की रही) का प्रयोग करना शुरू किया। लेकिन अपनी आम जरूरतों के लिए उन्हें स्थानीय लोगों से संपर्क करने की आवश्यकता थी। फलस्वरूप दिल्ली के आसपास बोली जाने वाली स्थानीय भाषा जो एक प्रकार की अपभ्रंश थी और धीरे–धीरे खड़ी बोली में परिवर्तित हो रही थी, को उन्होंने सीखा और अपनी भाषा के शब्दों के सहारे उस स्थानीय भाषा का प्रयोग करना शुरू किया। इस प्रकार एक तीसरी भाषा स्वतः स्वरूप ग्रहण करती चली गई, जिसे उन लोगों ने हिंदी कह कर पुकारा। इस भाषा का आधार अपभ्रंश थी और शब्दावली का स्रोत संस्कृत थी। तत्कालीन शासकों के विस्तारवाद के साथ यह भाषा भी दक्षिण पहुंची, जहां उसे दक्खिनी' कहा गया और सर्वप्रथम बीजापुर, गोलकुण्डा तथा अहमदनगर आदि छोटे–छोटे राज्यों ने तत्कालीन हिंदी यानी दक्खिनी को अपने राजकाज की भाषा बनाया और सरकारी जबान अर्थात् राजभाषा का दर्जा दिया।

परंतु हिंदी को बढ़ते देख हिंदी के प्रति अंग्रेजों की भाषा कूटनीति के मूल में काम कर रही सोच को यहां उजागर करना आवश्यक प्रतीत हो रहा है। लॉर्ड मेकॉले ने भारत भ्रमण के पश्चात ब्रिटेन वापस जाकर ब्रिटिश संसद में 02 फरवरी, 1835 को जो अंग्रेजी में भाषण दिया था उसका हिंदी रूपातंर (नीचे वर्णित) करना आवश्यक हो जाता है जिससे उसकी पूरी सोच उजागर हो जाती है :–

''पूरे भारतवर्ष के भ्रमण के दौरान मैंने एक आदमी भी ऐसा न देखा जो चोर हो। मैंने उस देश में ऐसी समृद्धि और प्रतिभाएं देखी हैं, ऐसे श्रेष्ठ नैतिक मूल्य और लोग देखे हैं कि मुझे नहीं लगता कि उनकी सांस्कृतिक एवं नैतिक मेरुदण्ड को तोड़े बगैर हम उन्हें पराजित कर सकेंगे। इसीलिए मेरा प्रस्ताव है कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति और संस्कृति के स्थान पर अंग्रेजियत भर दी जाए ताकि भारतवासियों के दिलोदिमाग में यह सोच घर कर जाए कि जो कुछ भी विदेशी और अंग्रेजी हैं, वही बेहतर और श्रेयस्कर है। ऐसा होने से वे अपना स्वाभिमान एवं अपनी संस्कृति भूल जाएंगे और जैसा कि हम चाहते हैं, वे एक पराधीन कॉम बन जाएंगे।''

इसी सोच ने **'बांटो और राज करो'** की नीति दी और भारत में इसका पहला शिकार हुई भाषा। प्रारंभ में हिंदी और उर्दू में न तो कोई भेद था और न ही कभी कोई भेद किया गया। परन्तु जैसे–जैसे मुगलिया सल्तनत कमजोर होती गई और अंग्रेज सत्ता पर काबिज होते गए, वैसे–वैसे वे **'फूट डालो और राज करो'** की अपनी शाश्वत कूटनीति के सहारे हिंदी और उर्दू को क्रमशः हिन्दू और मुसलमान से जोड़ते गए तथा दोनों भाषाओं के साथ–साथ दोनों समुदायों में भी दरार पड़ गई। अपनी कूटनीति के अन्तर्गत अंग्रेजों ने हिन्दी की अपेक्षा उर्दू को अधिक महत्व देना शुरू किया। सन् 1835 में लॉर्ड मेकॉले की शिक्षा पद्धति भारत में लागू हुई तब तक अंग्रेजों में उर्दू को उत्तर, पश्चिम, अवध बिहार एवं मध्य प्रांत में अदालत की भाषा के रूप में मान्यता दे दी थी। हिन्दी को तो बिहार में 1880 ई. में तथा उत्तर, पश्चिम और अवध के प्रांतों में 1900 ई. में जाकर मान्यता मिली। उपरोक्त तथ्यों से यह स्पष्ट हो जाता है कि हिंदी विरोध करने वाले अंग्रेजी या किसी अन्य भाषा को उनके स्थान पर नहीं लाना चाहते थे, बल्कि हिंदी के ही एक दूसरे रूप हिंदुस्तानी को लाना चाहते थे।

तथापि अपने जन्म और कर्म दोनों ही रूपों में सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं भाषिक समन्वय और सौहार्द की भावना को फैलाते हुए लगभग 1000 वसन्त देख चुकी हिन्दी, अपने प्रारंभिक काल में हिंदवी, हिंदुई, हिदुंथानी के रूप में मुकरियों, कहावतों, सधुकड़ी वाणियाँ तथा आलवार साधु–संतों, भक्तों, नाथ–पथियों का संदेशवाहक बन भारत के एक कोने से दूसरे कोने में विचरती रही तो मध्यकाल में ब्रजभाषा व अवधी के रूप में श्रद्धा–प्रेम–भक्ति श्रृंगार की सहस्र रसधार को श्रेष्ठ काव्य की त्रिवेणी में समाहित करती रही और आधुनिक काल में खड़ी बोली के रूप में भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दुर्धर्ष सेनानियों के बीच संपर्क सूत्र का कार्य करती रही। यही कारण है कि स्वतंत्रता के पश्चात जब राष्ट्र ने एक राष्ट्रध्वज, एक राष्ट्रगान और एक राष्ट्रीय प्रतीक को अपनाया तो दूसरी तरफ राजभाषा के रूप में 14 सितंबर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को देश की राज–काज चलाने के साथ–साथ केन्द्र व राज्यों के बीच संपर्क बनाए रखने की भूमिका निभाने का दायित्व सौंपकर संविधान के अनुच्छेद 343 (1) में उसे संघ की राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठापित कर दिया। तब से 14 सितंबर को प्रति वर्ष बड़े ही हर्षोल्लास के साथ हिंदी दिवस मनाया जाता है।

आज, आजादी के इन 75 वर्ष के कालखंड में भारत को एक तरफ विश्व पटल पर विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान मिली है तो दूसरी तरफ हिंदी विश्व की सबसे लोकप्रिय भाषा बनती जा रही है। अब हिंदी भाषा की लोकप्रियता केवल भारत या भारत के पड़ोसी देशों तक ही सीमित नहीं रह गई है बल्कि सुदूर कैरिबियाई राष्ट्रों तक फैल चुकी है। मॉरीशस, फिजी, गुयाना, ट्रिनिडाड और टोबेगो जैसे देशों में यह राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो गई है। इतना ही नहीं इंडोनेशिया, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका और खाड़ी के देशों में भी हिंदी बहुत लोकप्रिय हो गई है। आज विश्व की कुल आबादी का 18 प्रतिशत जनता हिंदी जानती है जो अपने आप में गर्व की बात है। आज विश्व के 116 विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही हो तो ऐसा कौन–सा क्षण होगा कि हिंदी उच्चरित न हो रही हो। आज भारत की हिंदी आदिकाल का सफर तय करते हुए अपने पथ पर निरंतर अग्रसर होते हुए भारत की राजभाषा, संपर्क भाषा से आगे बढ़कर विश्व भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हम आशा करते हैं कि भविष्य में विश्व की ऐसी सर्वजन स्वीकृत भाषा हिंदी बनेगी जिससे विश्व का जन–मानस सौहार्द, सद्भाव और संतोष की प्राप्ति कर सकेगा तथा मानवता सिर्फ शक्तिशाली देशों के अधिकार क्षेत्र में न रहकर व्यापक स्वरूप धारण करते हुए भारतीय संस्कृति की वाहक हिंदी विश्व पटल पर **'सर्वेभवन्तु सुखिनः'** की धारा प्रवाहित करेगी।

**जय हिंद, जय हिंदी**

**राजेश कुमार सिंह,** सहा. कमां
130 बाटालियन सीआरपीएफ

# राइफल गीत

रायफल हमारी, ये जान है जहान है।
गीता गुरुग्रंथ है, ये बाईबल कुरान है।।

फील्ड की है दोस्त, खूब दोस्ती निभाती,
जहां कहीं हम जाते, साथ साथ जाती,
हर एक सैनिक को, इस पर अभिमान है।
रायफल हमारी, ये जान है जहान है।।

लेते हैं शक्ति इससे, देश के सिपाही,
उनके पराक्रम की, देती है गवाही,
रायफल के साथ हम, वीर बलवान है।
रायफल हमारी, जान है जहान है।

दुश्मन को खोज खोज, मारती गिराती,
सैनिक को देख करके, हंसती मुस्कुराती,
अपने और गैरों की, इसको पहचान है।
रायफल हमारी, ये जान है जहान है।

हाथ में है साथ में तो, दुश्मन भी कांपता,
पांव क्या बढ़ेंगे उसके, भूल से ना झांकता,
देश की है रक्षक और शान, स्वाभिमान है।
रायफल हमारी, जान है जहान है।

सम्मान देने से ये भी मान देती,
लाड, प्यार, दुत्कार को जान लेती,
हम इस पे कुर्बान ये हम पे कुर्बान है।
रायफल हमारी, ये जान है जहान है।।
गीता गुरुग्रंथ है, ये बाईबल कुरान है।।

**सत्येन्द्र सिंह,** सहा. कमां (राजभाषा)
उत्तरी सेक्टर, केरिपुबल, नई दिल्ली

# हम भूल गए

ऐसा आया जमाना, बदल गया फसाना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।
जल्दी उठना, प्रभु को याद करना, नमस्ते करना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।
रोज व्यायाम करना, सुबह नहाना, पूजा करना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।
सत्य बोलना, हिंदी बोलना, मातृभाषा बोलना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।
माता-पिताजी, चाचा-चाची, भैया-भाभी बोलना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।
किताबें पढ़ना, समाचार पत्र पढ़ना, कहानियाँ पढ़ना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।
धोती कुर्ता और पजामा, सूट सलवार और दुपट्टा पहनना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।
दोस्तों संग घूमना, खेल खेलना, हंसी-मजाक करना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।
परिवार संग खाना, बात-चीत करना, दायरे में रहना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।
बिजली बचाना, पानी बचाना,पेड़ लगाना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।
आदर करना, प्यार करना, मिल-जुलकर रहना,
हम भूल गए, की हम भूल गए।।

# पेड़-पौधे

प्रेम चंद यादव, सहा. कमां
170 बटालियन, बीजापुर

जब पेड़-पौधे होते हैं,
कितना सुंदर लगता है प्रकति का नजारा,
नहीं होते हैं, तो सुनसान लगता है जग सारा।
मानो कि इनसे कोई गहरा नाता है,
इसलिए ही तो पेड़-पौधे को हर कोई चाहता है।।
निस्वार्थ भाव से देते है,
ये राहगीर को फल और छाया जो भी इनके पास आया।।
मत करो हरे पेड़-पौधों की कटाई,
वरना कहाँ से होगी ऑक्सीजन की भरपाई।।
अगर कोरोना जैसी फिर आये महामारी,
तो पेड़-पौधे ही बचाएँगे ज़िन्दगी हमारी।।

# पेड़

उर्वशी शर्मा
पुत्री उप.निरी/मंत्रा.गिरधारी लाल शर्मा
महानिदेशालय

मैं एक पेड़ हूँ,
मैं अपनी जिंदगी दूसरों पर लुटाता हूँ,
जब भी, माँगे मुझसे कोई कुछ
मैं छाया अपनी देकर ठंडक पहुँचाता हूँ।
गर्मी में झुलसती धूप में खड़ा रहता हूँ,
पीड़ा बहकते मौसम की चुपचाप सहता हूँ।
सबको ठंडक पहुँचाकर, खुशहाल जिन्दगी देकर,
आँधियों में जलते हुए अँगारे तन पर लेता हूँ।
अब कोई मुझसे नफरत न माँगे
मैं तो प्रेम भाव का प्रतीक हूँ।
डर जाँऊ तेज हवाओं के झोंके से,
इतना निर्बल नहीं, मैं निर्भीक हूँ।
सबको ईश्वर का रूप समझकर,
बिना, भेद-भाव सबको लाभ पहुँचाता हूँ।
मैं वो नहीं जो तुम समझते हो,
मैं तो सबका, प्रिय बनकर इठलाता हूँ।
मैं तो सबका, प्रिय बनकर इठलाता हूँ।।

निरीक्षक/क्रिप्टो बिश्वनाथ मण्डल
(सिग्नल प्लाटून/32 बाहिनी) मणिपुर

(देश भक्ति गीत)

# हम सब भारतवासी

भारतवासी! भारतवासी!
हम सब भारतवासी
निष्ठा भक्ति से काम हैं करते
शांति के अभिलाषी।
भारतवासी- भारतवासी!

देश हमारा सोने की चिड़िया
हम सब हिन्दुस्तानी
सबके दिल में फैलाते हैं
हमारी शांति वाणी।
भारतवासी- भारतवासी!

हम सब हिन्दुस्तानी
हैं धरम करम मे वीर
अल्लाह - भगवान का देश
हमारा रहते हैं स्थिर!
भारतवासी- भारतवासी!

एक जाति हैं एक हैं भारत -
जागा है हिन्दुस्तान
सब मिलके रक्षा हैं करते
सोने का हिन्दुस्तान।
भारतवासी- भारतवासी!

हम सब हिन्दुस्तानी
हैं अहिंसा के दूत -
देश विदेश मे काम हैं
करते हटाके छुआछुत।
भारतवासी- भारतवासी!

वीरों के हैं वीर शिरोमणि
दुश्मन से नहीं है डर
शांति तलाश में घूमते हैं
हम सब हरदम!
भारतवासी- भारतवासी!

हम सब भारतवासी
स्वदेश हमारी माता है
देश है हमको प्यारा
गँगाजी की पावन भूमि में
चलती जीवन धारा।
भारतवासी- भारतवासी!

जमीन हमारी शष्यमे भरी
उगले हीरे मोती
एक जाति है एक है भारत
हम सब हिन्दुस्तानी!
भारतवासी- भारतवासी!

चाँद सितारे देते हमको
खुशियों का ज्वार
हम सब हिन्दुस्तानी करते
शांति का विस्तार।
भारतवासी- भारतवासी!

स्वदेश हमारा सबका हृदय
जनता हमारी प्राण
सबके साथ में बोलते हैं
जय जय हिन्दुस्तान।

भारतवासी -भारतवासी!
हम सब भारतवासी
निष्ठा भक्ति से काम करते हैं
शांति के अभिलाषी।
भारतवासी-- भारतवासी!

निरीक्षक(राजभाषा)
**आर.के.एल.कर्ण**

# पर्यावरण एक सोच

इस वन उपवन की सुंदरता
वृक्षों के कोपल की कोमलता
बहती पवन के झोकों की
छिप जाए न इनकी चंचलता

जाने अनजाने में ये न कभी
तिनका-तिनका न बिखर जाए
मदमस्त अगन के आंधी में
घिर जाए न इनकी सुंदरता

हम क्यों न करें इनका वंदन
मरते दम तक हो स्पंदन
अपने स्वार्थ के खातिर हम
चट जाए न इनकी कोमलता

गर ठान लें अपनी आदत में
मुमकिन है हर अदावत में
मुश्किल नहीं कुछ ऐसा है
जो लौट न पाए सुंदरता

हरा भरा बगिया न्यारी
मनमोहक और महक सारी
मनभावन की एक छंटा लिए
महक बिखेरती सुंदरता

**सिपाही/जीडी, नरेन्द्र प्रताप बाजपेयी**
179 बटा. सोपोर, बारामुल्ला (जम्मू एवं कश्मीर)

# मैं सी आर पी एफ का वीर जवान हूँ

शहर से लेकर जंगल तक
सड़क से लेकर संसद तक
गाँव गाँव में घर घर में
देश के कोने कोने तक
सुरक्षा की पहचान हूँ
मैं सी आर पी एफ का वीर जवान हूँ

हॉट स्प्रिंग लद्दाख में
सरदार पोस्ट गुजरात में
श्रीलंका से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक
शांति सेना के काम में
भारत की ऊँची शान हूँ
मैं सी आर पी एफ का वीर जवान हूँ

बाढ़ और तूफानों में
चुनाव के मैदानों में
मंदिर से लेकर मस्जिद तक
सेवा का फर्ज निभाने में
देश के लिए कुर्बान हूँ
मैं सी आर पी एफ का वीर जवान हूँ

आतंकवाद को मिटाने में
नक्सलवाद को हराने में
दुश्मन के ठिकानों में
युद्ध के मैदानों में
मैं राम दूत हनुमान हूँ
मैं सी आर पी एफ का वीर जवान हूँ

सिपाही/जीडी, **जयवीर सिंह**
शस्त्र कार्यशाला–आठ, ग्रुपकेन्द्र, केरिपुबल, राँची

# भारत के वीर सिपाही

हम हैं बहादुर योद्धा अनथक, देश की सीमाओं के रक्षक
जाते हैं शत्रु के घर तक, भारतवर्ष के सच्चे सेवक
देती है दुनिया ये गवाही, हम भारत के वीर सिपाही।।

हथगोलों को काम में लाकर, बन्दूकों की मार दिखाकर
लाते हैं शत्रु पे तबाही, हम भारत के वीर सिपाही।।

गाएं वीरों की गाथाएं, जन्मभूमि का कर्ज चुकाएं
विजय पताका जब लहरायें, जय जयकार का नाद बजाएं
विजय की मंजिल के सब राही, हम भारत के वीर सिपाही।।

धोखे की हर बात भी जीते, दुश्मन की हर घात भी जीते
कैसा उजाला कैसी स्याही, हम भारत के वीर सिपाही।।

जहाँ अड़े हैं डट के अड़े हैं, झड़े रणभूमि में गड़े हैं
देश प्रेम में जम के लड़े हैं, हमने देश से प्रीत निभाई
हम भारत के वीर सिपाही।।

सि./टेलर, **राहुल चौहान**
113 वी वाहिनी केरिपुबल, धानोरा, गडचिरोली (महाराष्ट्र)

# मिट्टी

सुनो शायद अब मैं लौट के नहीं आऊंगा
और अगर आया भी तो
एक केसरी रंग का कफन अपने साथ लाऊंगा।

पर देखो तुम रोना मत
और मेरे उपर जो गर्व है तुम उसको खोना मत।

और सुनो माँ से कहना
की वो अब दरवाजे पे खडे होकर मेरा इंतजार ना करे।
और माँ होकर मुझे माँ के लिए शहीद होने से इंकार ना करे

मैंने गली मोहल्ले में काफी वक्त गुजारा है।
पर सुनो उनके लिए अब मेरा कफन ही आखिरी सहारा है
कहने को तो मुझ पर पहला हक तुम्हारा है।
पर माफ करना एक फौजी को अंत मे सिर्फ उसका वतन प्यारा है

उस तिरगें को देखना जब मैं याद आऊं
क्योकि मैं उसमें अभी भी आबाद हूँ ।

मैं मिट्टी की कीमत जानता हूँ
इसीलिए तुम्हारे अलावा उसे भी जान मानता हूँ।

# महानिदेशालय के कार्यक्रम

डॉ. एस.एल. थाउसेन, महानिदेशक के.रि.पु.बल राष्ट्रीय पुलिस स्मारक, चाणक्यपुरी में के.रि.पु.बल दिवस के अवसर पर शहीदों को श्रृद्धांजलि अर्पित करते हुए।

डॉ. एस.एल. थाउसेन, महानिदेशक के.रि.पु.बल की अध्यक्षता में राजभाषा बैठक का आयोजन।

कावा अध्यक्षा डॉ. अजिता थाउसेन एवं अन्य कावा सदस्याएं तीज का पर्व मनाते हुए।

# विविध कार्यक्रम

208 कोबरा बटालियन के.रि.पु.बल द्वारा ''मेरी माटी मेरा देश'' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण।

104 बटालियन के.रि.पु.बल एवं विद्यालय के बच्चों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण करते हुए।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सीटीसी ग्वालियर (म.प्र.) में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन।

# विविध कार्यक्रम

126 बटालियन के.रि.पु.बल, जम्मू कश्मीर द्वारा नागरिक सहायता कार्यक्रम-2023 का आयोजन।

ग्रुप केन्द्र, के.रि.पु.बल, जालंधर द्वारा बाढ़ प्रभावितों को आवश्यक सामग्री का वितरण।

सीटीसी नीमच के द्वारा जागरूकता अभियान ''हर घर तिरंगा'' का विभिन्न स्थानों पर आयोजन।

## परिचालन शाखा

### जम्मू व कश्मीर क्षेत्र

**04/07/2023**

श्री प्रेमानंद शर्मा, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 14 बटालियन, के.रि.पु.बल के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम डूमपोरा, कीगन, पुलिस स्टेशन शोपियां, जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) में रेड की गई। अभियान के दौरान जवानों ने एक ड्रग तस्कर को पकड़ा जिसका नाम रमीज अहमद डार पुत्र गुलाम नबी डार जिला शोपियां (जम्मू कश्मीर) है और जिसके पास से 10 किलोग्राम पोप्पीस्ट्रा बरामद की गई। पकडे गए तस्कर को बरामद की गई पोप्पीस्ट्रा सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**05/07/2023**

निरीक्षक(जीडी) एस. कुमार गुरू के नेतृत्व में 178 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर सफानगरी, पुलिस स्टेशन जेनपोरा, जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) में एरिया डोमिनेशन किया। इस अभियान के दौरान 01 ड्रग तस्कर जिसका नाम मंजूर अहमद मलिक पुत्र गनी मलिक (जम्मू व कश्मीर) है और जिसके पास से 900 ग्राम चरस बरामद की गई। पकड़े गए तस्कर को बरामद सामान के साथ राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**06/07/2023**

उप निरीक्षक(जीडी) एम.के. दूबे के नेतृत्व में 178 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर तरेंज, पुलिस स्टेशन इमाम साहिब, जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) में एरिया डोमिनेशन किया। इस अभियान के दौरान 01 ड्रग तस्कर जिसका नाम मौ. अयूबडार पुत्र अब्दुल रहमानडार, जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) है और जिसके पास से 19.5 किलोग्राम पोप्पीस्ट्रा बरामद की गई। पकड़े गए तस्कर को बरामद सामान के साथ राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**07/07/2023**

निरीक्षक(जीडी) नीरज सिंह के नेतृत्व में 18 बटालियन के जवानों ने 03 आरआर, एसओजी और राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम शुभानपोरा, पुलिस स्टेशन क्यूमोह, जिला कुलगाम (जम्मू व कश्मीर) में संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने 02 ओजीडब्ल्यु को पकड़ा जिनके नाम यासिर याकूबडार पुत्र अयूबडार 15 वर्ष जिला कुलगाम, जम्मू व कश्मीर एवं मुसैब अमीन सोफी पुत्र स्व. मौ. अमीन सोफी, निवासी शुभानपोरा, (जम्मू व कश्मीर) हैं। पकड़े गए संदिग्धों को सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

**07/07/2023**

उप निरीक्षक(जीडी) एम.के. दुबे के नेतृत्व में 178 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम तरेंज, पुलिस स्टेशन इमाम साहिब, जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) में एरिया डोमिनेशन किया। इस अभियान के दौरान 01 ड्रग तस्कर जिसका नाम मौ. अयूब मलिक पुत्र हबीब मलिक, जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) को पकड़ा जिसके पास से 17 किलोग्राम पोप्पीस्ट्रा बरामद की गई। पकड़े गए तस्कर को बरामद सामान के साथ राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**09/07/2023**

श्री पाटिल मनोज प्रकाश, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 181 बटालियन के जवानों ने एसओजी ए,बी, एफ/62 आरआर एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर चिउदारा, पुलिस स्टेशन वीरवाह, जिला, बडगाम जम्मू व कश्मीर में सीएएसओ को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान 01 संदिग्ध जिसका नाम अजहर अहमद मीर पुत्र नजीर अहमद, आयु 20 वर्ष, जिला बडगाम (जम्मू व कश्मीर) को पकड़ा जिसके पास से 02 मोबाईल फोन एवं 01 पर्स बरामद किये गये। पकड़े गए संदिग्ध को बरामद सामान के साथ राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**10/07/2023**

उप निरीक्षक(जीडी) बृजानंद यादव के नेतृत्व में 14 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम मरहेंग, पुलिस स्टेशन शोपियां, जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) में सीएएसओ को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 05 संदिग्धों को पकड़ा जिनके नाम मौ. अहसन डार पुत्र गुलाम मौ. डार, सजाद अहमद डार पुत्र गुलाम मौ. डार, मौ. अलताफ डार पुत्र गुलाम मौ. डार, गुलामनबी डार पुत्र अब्दुल सलाम डार एवं अली मौ. भट्ट पुत्र गुलाम हसन भट्ट हैं। सभी जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) के रहने वाले हैं। पकड़े गए संदिग्धों के पास से 23 किलोग्राम पोप्पीस्ट्रा बरामद की गई। पकड़े गए संदिग्धों को बरामद सामान के साथ राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**16/07/2023**

श्री हजारीलाल द्वि.क.अधि. के नेतृत्व में 38 बटालियन, के.रि.पु. बल के जवानों ने सेना (एलकेजी एवं मेढ़र बटा.), एसओजी एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर सिन्दराह, पुलिस स्टेशन (जम्मू एवं कश्मीर) में सीएएसओ को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान जवानों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान चलाया गया और मुठभेड़ स्थल से जवानों ने 04 आतंकवादियों के शव, गोला–बारूद–06 नग ए.के.–47–03 नग (चाईना निर्मित), ए.के. 74–01 नग, पिस्टल ग्लॉक–02 नग एवं कारतूस–220 नग (7.62X39 एमएम–196 नग, पिस्टल राउण्डस–24 नग, मैगजीन–11 नग (मैगजीन 7.62–08 नग, मैगजीन 9 एमएम–03 नग, कॉरटेक्स तार– 09 मीटर के साथ अन्य सामान बरामद किए गए। बरामद किए गए सामानों के साथ आतंकवादियों के शवों को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**17/07/2023**

निरीक्षक (जीडी) शशांक शर्मा के नेतृत्व में 38 बटालियन, के. रि.पु.बल के जवानों ने सेना की 09 सिखली, एसओजी और राज्य पुलिस के साथ मिलकर वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास चकनदा बाग सीमा, पुलिस स्टेशन पुंछ, जिला पुंछ, (जम्मू व कश्मीर) में तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 आतंकवादी को मार गिराया और मृत आतंकवादी (अज्ञात) के शव के साथ ए.के. 74–01 नग, कारतूस–11 नग, रू. 12810/–मात्र नगद एवं अन्य सामान बरामद किए गये। मृत आतंकवादी के शव के साथ बरामद किए गए सामानों को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**18/07/2023**

श्री पाटिल मनोज प्रकाश, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 181 बटालियन के जवानों ने एसओजी, एफ/62 आरआर एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर चिउदारा क्रोसिंग ओरिचिडस एरिया, पुलिस स्टेशन वीरवाह जिला, बडगाम (जम्मू व कश्मीर) में सीएएसओ को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान 04 संदिग्ध जिनके नाम अजहर अहमदमीर पुत्र नजीर अहमद, आयु 20 वर्ष, मुस्ताक रशीदलोन आयु 31 वर्ष पुत्र अब्दुल रशीदलोन, इरफान अहमद सौफ आयु 18 वर्ष पुत्र अब्दुल रशीद सोफी एवं अबरार अहमद मलिक आयु 17 वर्ष पुत्र स्व. अब्दुल अहमद मलिक को पकड़ा जो सभी जिला बडगाम (जम्मू व कश्मीर) के रहने वाले हैं। पकड़े गए संदिग्धों को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**26/07/2023**

श्री नवनीत कुमार सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 03 बटालियन के.रि.पु.बल के जवानों ने 26 आरआर एवं एसओजी के साथ मिलकर तुर्कपोरा, पुलिस स्टेशन, बांदीपोरा, जिला बांदीपोरा जम्मू व कश्मीर में नाका लगाया। अभियान के दौरान 01 लश्कर ए तोएबा का ओजीडब्ल्यु को पकड़ा जिसका नाम जावेद अहमद मल्ला पुत्र मौ. कलाम मल्ला, आयु 28 वर्ष जिला बांदीपोरा जम्मू व कश्मीर है और जिसके पास से 02 पिस्टल (चाईनीज) बरामद की गई। पकड़े गए ओजीडब्ल्यु को बरामद सामान के साथ राज्य पुलिस को सौंप दिया गया गया।

**01/08/2023**

निरीक्षक(जीडी) पी.जे. बोरह के नेतृत्व में 53 बटालियन के जवानों ने एसओजी बीएलए, डी/46 आरआर और राज्य पुलिस के साथ मिलकर बाग–ए–इस्लाम बंगलाबाग, पुलिस स्टेशन बारामूला जिला बारामूला (जम्मू व कश्मीर) में सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने 02 संदिग्धों को पकड़ा जिनके नाम फैसल माजिद गनी आयु 19 वर्ष पुत्र अब्दुल माजिद गनी जिला बारामूला, जम्मू व कश्मीर एवं नौरूल कामरान गनी आयु 21 वर्ष पुत्र मो0 अकबर गनी जिला बारामूला, जम्मू व कश्मीर हैं और जिनके पास से 01 09 एमएम पिस्टल एवं इसके 04 कारतूस (9 एमएम), चाईनीज ग्रेनेड–01 नग एवं 01 नग मैगजीन बरामद किया। पकड़े गए आतंकवादियों को सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**03/08/2023**

सहा. उप निरीक्षक(जीडी) हरी ओम शर्मा के नेतृत्व में 117 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर महजूर नगर नाका पाईन्ट, पुलिस स्टेशन राजबाग जिला श्रीनगर (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया। अभियान के दौरान जवानों ने एक ड्रग तस्कर को पकड़ा जिसका नाम अब्दुल्ला नजीर है और उसके पास से 05 ग्राम चरस बरामद की गई। पकड़े गए ड्रग तस्कर को सामान सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**05/08/2023**

श्री कपिल देव, उप कमाण्डेंट के नेतृत्व में 72 बटालियन, के.रि.पु.बल के जवानों ने सेना (60 एवं 63 आरआर), एसओजी एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर गोन्धा के सामान्य क्षेत्र, पुलिस स्टेशन बुधल, जिला राजौरी (जम्मू एवं कश्मीर) में तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान जवानों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई और इस मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी को मार गिराया गया। मारे गए आतंकवादी के पास से ए.के.–47–01 नग, पिस्टल–02 नग, 7.62X39 एमएम कारतूस–135 नग, हथगोला–04 नग, मैगजीन (एके–47)– 05 नग और अन्य सामान बरामद किए गए। बरामद किए गए सामानों के साथ आतंकवादियों के शव को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया। इस संबंध में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है।

**06/08/2023**

निरीक्षक(जीडी) सुखविन्द्र सिंह के नेतृत्व में 38 बटालियन, के.रि.पु.बल के जवानों ने सेना (14 मोहर), एसओजी एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर देगवार के सामान्य क्षेत्र, पुलिस स्टेशन पुंछ, जिला पुंछ (जम्मू एवं कश्मीर) में एम्बुश लगाया। इस अभियान के दौरान जवानों एवं आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में एक आतंकवादी को मार गिराया जिसका नाम मुनीर हुसैन पुत्र सरतर हुसैन आयु 58 वर्ष थी। मारे गए आतंकवादी के पास से ए.के.–56 –01 नग, पिस्टल साईलेंसर सहित–01 नग, 7.62X39 एमएम कारतूस–10 नग, पिस्टल कारतूस–26 नग, हथगोला 02 नग, पाकिस्तानी मुद्रा रू. 8510/–, मैगजीन–02 नग (ए.के.–56–01 नग एवं पिस्टल–01 नग) और अन्य सामान बरामद किए गए। बरामद किए गए सामानों के साथ आतंकवादियों के शव को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया। इस संबंध में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है।

**08/08/2023**

श्री राजेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 03 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम कहनूसा–गुजरपति, पुलिस स्टेशन बांदीपोरा जिला बांदीपोरा (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया। अभियान के दौरान जवानों ने एक संदिग्ध आतिफ अमीर मीर आयु 21 वर्ष पुत्र मौ. अमीन मीर, जिला बांदीपोरा को पकड़ा और जिसके पास से 01 चाईनीज ग्रेनेड बरामद किया। पकड़े गए संदिग्ध को सामान सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**11/08/2023**

उप निरीक्षक(जीडी) मंगल सिंह यादव के नेतृत्व में 28 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर बी/28 बटा. के सरबल हाई तलाशी मैदान, पुलिस स्टेशन सोनमर्ग जिला गंदरबल (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया। अभियान के दौरान जवानों ने एक ड्रग तस्कर को पकड़ा जिसका नाम नसीर अहमद पुत्र बशीर अहमद राथर जिला गंदरबल (जम्मू व कश्मीर) है और उसके पास से 100 ग्राम चरस बरामद की गई। पकड़े गए ड्रग तस्कर को सामान सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**11/08/2023**

श्री पाटिल मनोज प्रकाश, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 181 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम दनसीरा, पुलिस स्टेशन वीरबाह, जिला बडगाम (जम्मू व कश्मीर) में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने बडगाम जिले के रहने वाले 03 ड्रग तस्करों को पकड़ा जिनके नाम जुनैद अहमद डार आयु 18 वर्ष पुत्र गुलाम मोहिद्दीन डार, आदिल अहमद गनी आयु 23 वर्ष पुत्र गुलाम अहमद गनी एवं नसीर अली डार आयु 25 वर्ष पुत्र अली मौ. डार हैं और इनके पास से 01 किलोग्राम चरस बरामद की गई। पकड़े गए ड्रग तस्करों को सामान सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**17/08/2023**

उप निरीक्षक(जीडी) रूद्रा मणि पांडे के नेतृत्व में 132 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर एम.ए. रोड लाल चौक, रीगल चौक, पुलिस स्टेशन कोठीबाग, जिला श्रीनगर (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया। अभियान के दौरान जवानों ने एक संदिग्ध को पकड़ा जिसका नाम लुकेश बारिक पुत्र किशोर

बारिक जिला अलीपुरद्वार प.बंगाल है और जिसके पास से 09 एमएम पिस्टल, मैगजीन–01 और पिस्टल पाउच बरामद किया गया। पकड़े गए संदिग्ध को सामान सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**20/08/2023**

श्री मनोज कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 164 बटालियन के जवानों ने 19 आरआर और राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम गदोल, पुलिस स्टेशन कोकरनाग, जिला अनंतनाग (जम्मू व कश्मीर) में सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने 05 ओजीडब्ल्यु को पकड़ा जिनके नाम रियाज अहमद, आयु 36 वर्ष पुत्र गुलाम नबी भट्ट, इश्फाक अहमद राथर आयु 19 वर्ष पुत्र मौ. इकबाल, मुदससिर अहमद आयु 22 वर्ष पुत्र गुलाम नबी भट्ट, वासित अहमद आयु 28 वर्ष पुत्र गुलाम हसन राथर और मौ. उबैद डार आयु 20 वर्ष पुत्र अब्दुल राशिद को पकड़ा जो सभी जिला अनंतनाग, जम्मू व कश्मीर के हैं। पकड़े गए ओजीडब्ल्यु के पास से 40 नग ए.के.–47 के कारतूस बरामद किए गए। पकड़े गए ओजीडब्ल्यु को बरामद सामान सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**22/08/2023**

श्री भगत सिह रावत, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 14 बटालियन के जवानों ने प्रभारी पीपी कीगन, 44 आरआर और राज्य पुलिस के साथ मिलकर नाजनीनपोरा, पीपी कीगन, पुलिस स्टेशन शोपियां, जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) में सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 ओजीडब्ल्यु को पकड़ा जिसका नाम साबिर अहमद मीर पुत्र गुलाम नबी मीर जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) है एवं इसके पास से 01 नग आरपीजी, 01 नग गोला–बारूद, आरपीजी बूस्टर–02 नग बरामद किए गए। आरपीजी राउण्डस को उसी स्थान पर बीडीडी 14 बटालियन ने नष्ट कर दिया। पकड़े गए ओजीडब्ल्यु को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**25/08/2023**

निरीक्षक(जीडी) उजागर मल के नेतृत्व में 162 बटालियन के जवानों ने 28 आरआर और राज्य पुलिस के साथ मिलकर कुरूसन चौक के मुख्य बाजार के पास, पुलिस स्टेशन लालपुरा, जिला कुपवाडा (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया। अभियान के दौरान जवानों ने लश्कर–ए–तौय्यबा के 02 आतंकवादियों को पकड़ा जिनके नामपीरजादा मुबससिर आयु 22 वर्ष पुत्र मौ. युसुफ पीरजादा एवं जुबैर अहमद आयु 23 वर्ष पुत्र खुरशीद अहमद शाह पीरजादा है, जो कि शार्टमुकम (जम्मू व कश्मीर) के रहने वाले हैं। पकड़े गए आतंकवादियों के पास से 05 हथगोले, नकद रू. 500/–, मोबाईल 03 नग एवं अन्य सामान बरामद किया गया। पकड़े गए आतंकवादियों को सामान सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**25/08/2023**

निरीक्षक(जीडी) कुमार गुरू के नेतृत्व में 178 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम सफ नगरी पुलिस स्टेशन जैनपोरा जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) में मोबाईल पेट्रोलिंग की। अभियान के दौरान जवानों ने एक ड्रग तस्कर को पकड़ा जिसका नाम शाबिर अहमद पुत्र गुलाम नबी जिला शोपियां (जम्मू व कश्मीर) है और उसके पास से 76 ग्राम चरस बरामद की गई। पकड़े गए ड्रग तस्कर को सामान सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**25/08/2023**

श्री अपूर्वा, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 03 बटालियन के जवानों ने 26 आरआर, एसओजी और राज्य पुलिस के साथ मिलकर दर्दगुड ट्राई जंक्शन, पुलिस स्टेशन पेथकूट, जिला बांदीपोरा (जम्मू व कश्मीर) में नाका लगाया गया। अभियान के दौरान जवानों ने एक संदिग्ध जिसका नाम शफायत जुबैर रेशी आयु 40 वर्ष पुत्र हबीबुल्ला रेशी जिला बांदीपोरा (जम्मू व कश्मीर) को पकड़ा और जिसके पास से 01 नग चाईनीज पिस्टल, 09 एमएम कारतूस–08 नग और 01 नग मैगजीन बरामद की गई। पकड़े गए संदिग्ध को सामान सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पकड़े गए संदिग्ध शफायत जुबैर रेशी की सूचना के आधार पर सीएएसओ को अंजाम दिया गया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 संदिग्ध मुनीरा बेगम पत्नी स्व मौ. युसुफ चौपन जिला बांदीपोरा जम्मू व कश्मीर को पकड़ा और पुनः इनके द्वारा दी जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान चलाया और 01 नग ए.के. 47 राइफल, 90 कारतूस (7.62X39 एमएम), पाएरोटेक पेन–01 नग और 03 नग मैगजीन बरामद की गई। पकड़े गए संदिग्धों को सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

## एलडब्ल्यूई क्षेत्र

**01/07/2023**

श्री हितेश प्रधान, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 217 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम गंगलूर, पुलिस स्टेशन मराईगुडा, जिला सुकमा (छत्तीसगढ़) में एरिया डोमिनेशन किया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा जिसका नाम कारको बद्रा आयु 27 वर्ष पुत्र कारको लच्छा है। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**01/07/2023**

श्री संजय कुमार यादव, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 74 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम सुरपनपरा, पुलिस स्टेशन पोलमपल्ली, जिला सुकमा (छत्तीसगढ़) में एससीओ को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा जिसका नाम पोडियम लक्का आयु 37 वर्ष पुत्र पोडियम मुडा जिला सुकमा है। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**01/07/2023**

श्री पवन कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 210 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम गुटुम, पुलिस स्टेशन बासागुड़ा, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) में एससीओ को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 02 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम प्रशांत उर्फ मोडियम सोमा उर्फ सतीश (डीवीसीएम) और शर्मिला उर्फ सोमउईके (एसीएम) पत्नी प्रशांत जो कि दोनों जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ के हैं। पकड़े गए माओवादियों को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**01/07/2023**

02 लाख के एक इनामी माओवादी जिसका नाम सोढ़ी बुधरी आयु 28 वर्ष पत्नी बुधरा जिला दांतेवाड़ा (छत्तीसगढ़) है जिसे आतंकवादी विरोधी सेल, पुलिस स्टेशन सुकमा, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में 02 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**02/07/2023**

श्री सुधांशु कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 94 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम बीरबंकी चौक, पुलिस स्टेशन अरकी, जिला खूंटी (झारखंड़) में डी लेवल का

एससीओ नाका लगाया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा जिसका नाम बिरसा छुटिया पूर्ति आयु 19 वर्ष पुत्र राओकन बहन जिला खूंटी (झारखंड) है तथा उसके पास से 01 हथियार देशी कट्टा मिला। पकड़े गए माओवादियों को बरामद किए गए सामान के साथ राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**02/07/2023**

श्री चौधरी कलीमुल्ला, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 190 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम नारायणपुर के बरवाडीह के जंगल, पुलिस स्टेशन प्रतापपुर जिला चतरा (झारखंड़) में एसएडीओ को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 जेजेएमपी के कॉडर को पकड़ा जिसका नाम राम स्वरूप यादव आयु 28 वर्ष पुत्र संजय यादव जिला चतरा झारखंड है। पकड़े गए संदिग्ध को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**04/07/2023**

श्री विष्णु चरण एम., द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 151 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम पमेडी, पुलिस स्टेशन पामेड, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) में एरिया डोमिनेशन किया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी, मिलिशिया कमांडर को पकड़ा जिसका नाम मडकम जोगा आयु 21 वर्ष पुत्र मडकम लिंगा, जिला बीजापुर है। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**05/07/2023**

श्री विनोद कुमार, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 222 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर पटेलपारा, पुलिस स्टेशन नीमेड, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) में सीएएसओ को अंजाम दिया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा जिसका नाम दसरू उरसा उर्फ माजी उरसा, आरपीसी अध्यक्ष मोसला आयु 30 वर्ष पुत्र राना उरसा जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) है। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया गया।

**05/07/2023**

श्री वेद्य संकेत देवीदास, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 153 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम बड़ा तर्रेम के जंगल, पुलिस स्टेशन तर्रेम, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ में ऐरिया डोमिनेशन किया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी जिसका नाम सोमलु कुरसम आयु 30 वर्ष पुत्र स्व. पंडू जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) है को पकड़ा। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**06/07/2023**

श्री अजय पाल, उप कमाण्डेंट के नेतृत्व में 50, 219 एवं 222 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर गचनपल्ली के जंगल, पुलिस स्टेशन भेज्जी, जिला सुकमा में आरओपी लगाई। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी मिलिशिया प्लाटून कमांडर कुंजम वीरा आयु 25 वर्ष पुत्र स्व. लक्ष्मया जिला सुकमा (छत्तीसगढ़) को पकड़ा। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**06/07/2023**

सहायक उप निरीक्षक(जीडी) रमेश प्रसाद पांडे के नेतृत्व में 158 बटालियन के जवानों ने एसएटी 75/76/77/78/79, डीएपी और राज्य पुलिस के साथ मिलकर गॉव–हुण्डली, लोहरडागा (झारखण्ड) में एरिया डोमिनेशन किया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 05 माओवादी जिनका नाम सुनील खैवर उर्फ राज कुमार खैवर, आयु 34 वर्ष पुत्र लालदेव खैवर, मुन्ना लोहरा आयु 35 वर्ष पुत्र लालू लोहरा, जीवन लोहरा आयु 21 वर्ष पुत्र मानू लोहरा, शुक्ला नागेसिया पुत्र राजेन्द्र नगेसिया और समत नगेसिया पुत्र कर्मचंद नगेसिया (झारखण्ड) को पकड़ा और उनके पास से 05 नग हथियार (कारबाईन–02 नग, सीएम पिस्टल–02 नग एवं रिवाल्वर–03 नग), जिन्दा कारतूस–80 नग, मैगजीन–01 नग(कारबाईन), मोबाईल–04 नग और अन्य सामान बरामद किया। पकड़े गए संदिग्धों को बरामद किए गए सामानों के साथ राज्य पुलिस को सौंप दिया गया गया।

**06/07/2023**

08 लाख के एक इनामी माओवादी जिसका नाम कवासी भीमे पीएलजीए बटालियन सदस्य, आयु 28 वर्ष पुत्री कवासी सुकदा जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ है व जिसमें पटेलपारा, पुलिस स्टेशन नीमेड, जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ में 219 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**10/07/2023**

श्री दीपक कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 209 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर लुईया मुरमुरा रेयडोर के जंगल, पुलिस स्टेशन टोंटो, जिला पश्चिम सिंहभूम, झारखंड में तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा जिसका नाम रोया गोपे आयु 52 वर्ष पुत्र स्व. तूरी गोपे जिला पश्चिम सिंहभूम, झारखंड है। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**12/07/2023**

श्री लोकेश कुमार, उप कमाण्डेंट के नेतृत्व में 159 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम मोरनिया, पुलिस स्टेशन बांकेबाजार, जिला गया, बिहार में एरिया डोमिनेशन किया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी जिसका नाम भोला पराहिया उर्फ रबिन्द्र परहिया आयु 28 वर्ष पुत्र मुनि परहिया जिला गया, बिहार को पकड़ा। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**13/07/2023**

श्री मनोज कुमार त्रिपाठी, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 199 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम पोंडुमुंदर के कररेपारा, पुलिस स्टेशन भैरमगढ़, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ में एरिया डोमिनेशन किया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा (मिलिशिया ईनामी सदस्य) जिसका नाम सुखराम आयु 32 वर्ष पुत्र कोटलू, जिला बीजापुर है। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**13/07/2023**

एक सीपीआई(एम) माओवादी जिसका नाम मदकम देवा उर्फ भगध, आयु 42 वर्ष, पार्टी कमांडर सदस्य डिवीजनल कमेटी सदस्य प्लाटून कमांडर, पीजीएलए बटालियन आयु 28 वर्ष पुत्री कवासी सुकदा जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ है व जिसने जिला पुलिस कार्यालय, पुलिस स्टेशन पदेरू, जिला अल्लुरी सीतारामराजू आंध्र प्रदेश में 141 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**13/07/2023**

02 लाख का एक सीपीआई(एम) का इनामी माओवादी जिसका नाम हरीश पदम उर्फ पोज्जा पीजीएलए का सक्रिय सदस्य आयु 21 वर्ष पुत्र स्व बुधरू पदम जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ व जिसने पुलिस अधीक्षक कार्यालय बीजापुर, पुलिस स्टेशन बीजापुर, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ में 168 एवं 210 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया गया।

**14/07/2023**
श्री विक्रम सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 199 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम पोंडम, कररेपारा के जंगल, पुलिस स्टेशन भैरभगढ़, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ में एरिया डोमिनेशन किया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी जिसका नाम सुकदा हेमला आयु 32 वर्ष पुत्र कोसा जिला बीजापुर है को पकड़ा। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**15/07/2023**
01 लाख के एक इनामी माओवादी जिनका नाम मुचाकी कोसा सीएनएम कमांडर आयु 25 वर्ष पुत्र मुचाकी सोमदु जिला सुकमा छत्तीसगढ़ है व जिसने आतंकवादी विरोधी सेल, पुलिस स्टेशन सुकमा, जिला सुकमा में 226 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**16/07/2023**
श्री राजेश कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 151 एवं 204 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम धर्मावरम, पुलिस स्टेशन पामेड, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ में तलाशी एवं घेरा डाला। इस अभियान के दौरान जवानों ने 02 माओवादी जिनका नाम ताती बुच्चाईया, आयु 40 वर्ष पुत्र ताती जोगईया एवं समिया बेल्कम आयु 25 वर्ष जिला बीजापुर, छत्तीसगढ को पकड़ा। पकड़े गए माओवादी को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**17/07/2023**
निरीक्षक(जीडी) राजेश कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में 04 बटालियन के.रि.पु.बल के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम पाराभारही, पुलिस स्टेशन बिजेपुर, जिला कालाहांडी, ओडिशा में तलाशी एवं घेरा डाला। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी जिसका नाम मगु मझी, पुत्र सोना मझी जिला कालाहांडी को पकड़ा और उसके पास से भरमार बन्दूक–01 नग बरामद की गई। पकड़े गए माओवादी को बरामदगी सहित राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**17/07/2023**
04 माओवादी जिनके नाम छोटू मंडावी, सेक्शन कमांडर, तकनीकी टीम कमांडर, पीजीएलए. (08 लाख का इनामी) आयु 25 वर्ष पुत्र स्व कोसा मंडावी जिला बीजापुर छत्तीसगढ़, लखमे कुंजम, तकनीकी टीम सदस्य (03 लाख की इनामी) आयु 18 वर्ष पत्नी छोटू मंडावी, जिला बीजापुर छत्तीसगढ़, कोसा उर्फ मासा माडावी उप कमांडर/पीपीसीएम प्लाटून (08 लाख का इनामी) आयु 25 वर्ष पुत्र हुररा मडावी जिला सुकमा छत्तीसगढ़ एवं आईते मिडियामी एलओएस सदस्य (01 लाख की इनामी) पत्नी कोसा उर्फ मासा मडावी जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ है। इन सभी ने जिला पुलिस कार्यालय, पुलिस स्टेशन दांतेवाड़ा, जिला दांतेवाड़ा में 230 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**17/07/2023**
02 माओवादी जिनके नाम कट्टम दुला, मिलिशिया सदस्य आयु 43 वर्ष पुत्र कट्टम भीमा जिला सुकमा एवं उईका लखमा मिलिशिया सदस्य आयु 23 वर्ष पुत्र उईका मुट्टा जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ है। इन सभी ने नक्सल विरोधी सेल, पुलिस स्टेशन सुकमा, जिला सुकमा में 219 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**18/07/2023**
01 सीपीआई (एम) माओवादी जिनका नाम कुण्डी मोंडा उर्फ खुडी जी उर्फ बहादुर जी उर्फ बुडा, उप जिला कमांडर (झारखंड पुलिस से 05 लाख का इनामी एवं एनआईए. से 01 लाख का इनामी) पुत्र जारया मुण्डा जिला गुमला, झारखंड़ है जिसे पुलिस लाईन गुमला, पुलिस स्टेशन गुमला, जिला गुमला में 218 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**19/07/2023**
एक माओवादी जिसका नाम कलमू सुक्का, डीएकेएमएस, उपाध्यक्ष आयु 36 वर्ष पुत्र कलमू सोमा जिला सुकमा छत्तीसगढ़ है जिसे आतंकवादी विरोधी सेल कार्यालय, पुलिस स्टेशन सुकमा, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में 206 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**20/07/2023**
श्री विवेक रंजन, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 141 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर चारला बस स्टेशन, पुलिस स्टेशन चारला, जिला भद्रादरी कोथागुडम तेलंगाना में नाका लगाया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 02 संदिग्धों को पकड़ा जिनके नाम थोटा सितारमईया राज्य कमेटी सछसय आयु 65 वर्ष पुत्र वेंकटाद्री जिल भद्रादरी कोथागुडम एवं पदम राजकुमार उर्फ अमेरन्द्र डाला सीपीआई(एम) सदस्य आयु 25 वर्ष पुत्र मीना जिला जगितयाला तेलंगाना हैं जिनके पास से 012 हथियार (.22 रिवाल्वर), कारतूस 06 नग (.22 केलीवर कारतूस)' नकद राशि रू. 3,40000 एवं मोबाईल 02 नग बरामद किए। पकड़े गए संदिग्धों को बरामद किए गए सामान के साथ राज्य पुलिस को सौंप दिया गया गया।

**20/07/2023**
01 लाख के एक इनामी माओवादी जिनका नाम माडवी सीनू, सकलर आरपीसी, मिलिशिया कमांडर (01 लाख का इनामी) आयु 35 वर्ष पुत्र लच्छा जिला सुकमा छत्तीसगढ़ है जिसे आतंकवादी विरोधी सेल, पुलिस स्टेशन सुकमा, जिला सुकमा में 208 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**21/07/2023**
02 माओवादी जिनके नाम सरजू भोगम, फुलगुट्टा पंचायत, मिलिशिया कमांडर (01 लाख का इनामी) आयु 30 वर्ष पुत्र स्व भुगुर भोगम जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ एवं अनंतराम भोगम, फुलगुटटा पंचायत जनतन सरकार सदस्य आयु 29 वर्ष पुत्र स्व. सोमरू भोगम जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ है। इन सभी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस स्टेशन दांतेवाड़ा, जिला दांतेवाड़ा में उप महानिरीक्षक(परि.) दांतेवाडा के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**22/07/2023**
02 माओवादी जिनके नाम मडकम पोज्जा उर्फ दीपू मिलिशिया कमांडर (01 लाख का इनामी) आयु 28 वर्ष पुत्र स्व मडकम भीमा जिला सुकमा एवं माडवी जिम्मे उर्फ कोसी मिलिशिया कमांडर आयु 25 वर्ष पुत्री माडवी पंडू निवासी सन्नापुरम पुलिस स्टेशन चेरला तेलंगाना है। इन सभी ने आतंकवादी विरोधी सेल कार्यालय, पुलिस स्टेशन सुकमा, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में उप महानिरीक्षक(परि.) सुकमा के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**23/07/2023**
श्री विनोज पी. जोसेफ, द्वि.क.अधिकारी के नेतृत्व में 168 एवं 210 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर राजेपेटा

के जंगल, पुलिस स्टेशन बासागुडा, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ में तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 01 सीपीआई के माओवादी जिसका नाम मंडवी शंकर पुत्र सोमलु जिला बीजापुर को पकड़ा। पकड़े गए संदिग्ध को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**24/07/2023**

श्री विकास कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 60 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम बेरादुईया, पुलिस स्टेशन गोयलकेरा, जिला पश्चिम सिंहभूम, झारखंड में तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 02 सीपीआई के माओवादी को पकड़ा जिनके नाम जोजो भेंगरा आयु 32 वर्ष पुत्र स्व. कुशल भेंगरा, निवासी टोंटो झारखंड एवं रेंगदा अंगरिया आयु 55 वर्ष स्व. बेजिने अंगरिया निवासी रेरोबा पुलिस स्टेशन गोयलकेरा झारखंड है। पकड़े गए संदिग्धों को राज्य पुलिस को सौंप दिया गया।

**27/07/2023**

एक सीपीआई (एम) माओवादी जिसका नाम जयाराम बडसे, पीजीएलए. सदस्य, आयु 18 वर्ष पुत्र मंगडू बडसे जिला सुकमा छत्तीसगढ़ है व जिसने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस स्टेशन बीजापुर, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ में 229 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**28/07/2023**

एक माओवादी जिसका नाम कवासी सोनी, डीएकेएमएस, सदस्य आयु 35 वर्ष पत्नी हडमा जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ है व जिसने 196 बटालियन के मुख्यालय, महादेव घाटी, पुलिस स्टेशन बीजापुर, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ में 196 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**29/07/2023**

एक माओवादी जिसका नाम वाइको हिडमे, एसीएम. पद के जनताना सरकार अध्यक्ष (05 लाख का इनामी) आयु 34 वर्ष पुत्री गोमरेल जिला दांतेवाडा, छत्तीसगढ़ है व जिसने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस स्टेशन सुकमा, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में 227 बटालियन के.रि.पु.बल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**02/08/2023**

81 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम गोरकुण्डा, पुलिस स्टेशन चेरला, जिला भद्रादरी कोथागुडम तेलंगाना में अम्बुश लगाया। इस अभियान के दौरान जवानों ने 08 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम मदकम योगा आयु 29 वर्ष पुत्र मगदू ग्राम कन्चाला, छत्तीसगढ़, मडिवी भिमा आयु 22 वर्ष पुत्र भुद्रा ग्राम कन्चाला, छत्तीसगढ़, मडिवी अंधा आयु 35 वर्ष पुत्र मडका, ग्राम कन्चाला, छत्तीसगढ़, मदाकम सन्नो आयु 28 वर्ष पुत्र स्व. भिमा ग्राम कन्चाला, छत्तीसगढ़, मदाकम भुद्रा आयु 28 वर्ष पुत्र उन्गा, ग्राम कन्चाला, छत्तीसगढ़, कलूमु अदामा आयु 28 वर्ष पुत्र गंगा, ग्राम रसापल्ली छत्तीसगढ़, कलूमु धूला आयु येररा, ग्राम रसापल्ली, छत्तीसगढ़ एवं मडिवी भीमल आयु 28 वर्ष पुत्र मस्सा ग्राम रसापल्ली, छत्तीसगढ हैं और उनके पास से 02 माओवादी बैनर बरामद किए गए। पकड़े गए माओवादियों को बरामद सामान के साथ राज्य पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया।

**03/08/2023**

श्री मृत्युंजय कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 94 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर कुदासुद एवं मुरूड के बीच, पुलिस स्टेशन मुरहु, जिला खूंटी, झारखंड़ में एसएडीओ चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने एक पीएलएफआई के माओवादी को पकड़ा जिसका नाम निशांत उर्फ निशान, आयु 22 वर्ष है और इसके पास से 7.65 के 03 कारतूस, नकद रू. 8,600/– एवं अन्य सामान बरामद किया। पकडे गए माओवादी को बरामद किए गए सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**04/08/2023**

निरीक्षक(जीडी) ओम प्रकाश उज्जवल के नेतृत्व में 231 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर जिला अस्पताल सुकमा, पुलिस स्टेशन सुकमा जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में कवर्ट अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने एक माओवादी को पकड़ा जिसका नाम भिमा कोवासी पुत्र हिडमा कोवासी जिला सुकमा, छत्तीसगढ है। पकडे गए माओवादी को राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**04/08/2023**

जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ के रहने वाले 02 माओवादी जिनके नाम मुचाकी गाल्ले, केएएमएस. अध्यक्ष (01 लाख की इनामी) आयु 23 वर्ष पुत्री बरे एवं मुचाकी भिमा, डीएकेएमएस, आयु 24 वर्ष है व जिसने पुलिस अधीक्षक माननीय नक्शल सैल सुकमा में 226 बटालियन केरिपुबल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**04/08/2023**

जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ के रहने वाले 22 माओवादी (15 पुरूष एवं 07 महिला नक्सली) जिनके नाम मदकम गंगा उर्फ राम, सीएनएम सदस्य पुत्र मदकम सिंगा, मदकम हिडमा, मिलिशिया सदस्य पुत्र मदकम हडमा, माडवी गंगा, जन मिलिशिया कमांडर पुत्र देवा, मदकम पुज्जा, जीआरडी सदस्य पुत्र मदकम हिडमा, माडवी गंगा, जीआरडी सदस्य पुत्र माडवी सुकदा, मदकम भिमा, जीआरडी सदस्य पुत्र मदकम सोमदा, नुप्पे हडमा, डीएकेएमएस सदस्य पुत्र नुप्पे नंदा, सोदी हिडमा, डीएकेएमएस सदस्य पुत्र सोदी अईता, मदकम पइके(महिला), केएएमएस सदस्य पुत्री मदकम देवे, सोदी पइके(महिला) मिलिशिया सदस्य पुत्री सोदी सुकदा, मदकम जोगा डीएकेएमएस सदस्य पुत्र मदकम धुदवा, मदकम हडमा सीएनएम सदस्य पुत्र मदकम नंदा, सोदी हिडमा, मिलिशिया सदस्य पुत्र सोदी जोज्जा, माडवी कल्ला, मिलिशिया सदस्य पुत्र माडवी नंदा, माडवी दस्सू, मिलिशिया सदस्य पुत्र माडवी कोसा, मदकम पइके(महिला), मिलिशिया सदस्य पुत्री सोदी पोज्जा, माडवी गंगी उर्फ बहनदी(महिला), मिलिशिया सदस्य पुत्री माडवी हिडमा, मदकम अइते (महिला), मिलिशिया सदस्य पुत्री मदकम सुक्का, माडवी कोसा, मिलिशिया सदस्य पुत्री माडवी भिमा, सोदी लखे(महिला), मिलिशिया सदस्य पुत्री सोदी मंगू, माडवी मगदू, मिलिशिया सदस्य पुत्र माडवी हुंगा, मुचाकी सोमादी(महिला) केएएमएस सदस्य पुत्री मुचाकी दयाने डुब्बाकोंटा है तथा इन सभी ने एफओबी कैम्प, पुलिस स्टेशन चिंतागुफा, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में 50 एवं 202 बटालियन केरिपुबल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**06/08/2023**

श्री राजेन्द्र सिंह, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 94 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम जते के जंगल, पुलिस स्टेशन मुरहु, जिला खूंटी, झारखंड़ में एसएडीओ चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने 05 पीएलएफआई के माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम मिखाइल हगदगारा, आयु 21 वर्ष पुत्र

हगदगारा, जिला पश्चिम सिंहभूम, झारखंड़, कानू हेम्ब्रम आयु 20 वर्ष पुत्र सुखराम हेम्ब्रम, जिला पश्चिम सिंहभूम, झारखंड़ गोपाल बोदाइनदिया आयु 21 वर्ष पुत्र जगरनाथ बोदोनदिया, जिला खूंटी, झारखंड़, बोयारे सिंह पूर्ति, आयु 31 वर्ष पुत्र आयु 31 वर्ष बुधराम सिंह पूर्ति जिला खूंटी, झारखंड़ एवं सामू मुडा आयु 22 वर्ष पुत्र गंगादर मुडा जिला खूंटी, झारखंड़ को पकड़ा और जिनके पास से देशी कट्टा, 01–नग, 09 कारतूस (.315 बोर), 5.56 एमएम के 04 राउण्डस, नकद रू. 10,000/–, मोटरसाईकिल–03 नग, मोबाईल–08 नग और अन्य सामान बरामद किए गए। पकडे गए माओवादियों को बरामद किए गए सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**07/08/2023**

श्री एच.आर. मीणा, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 193 बटालियन के जवानों ने जे.ए.पी. और राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम लुइय्या, फरर, रायडोर, पुलिस स्टेशन टोंटो, जिला पश्चिम सिंहभूम, झारखंड़ में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान जवानों ने 05 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम जय सिंह अंगरिया उर्फ रायतू अंगरिया आयु 30 वर्ष, मदन अंगरिया आयु 33 वर्ष, अभिषेक हसदा उर्फ मटलू उर्फ चउदे, आयु 30 वर्ष, सुखलाल बनरा उर्फ चढा आयु 19 वर्ष एवं मोनू टियू उर्फ करीब आयु 30 वर्ष है और जिनके पास से आईइडी (प्रेशर केन और कमाण्ड/डाईरेक्शनल पाइप)– 07 नग (लगभग 13 किलोग्राम), बिजली की तार–80 मीटर और 12 वोल्ट बैटरी–01 नग बरामद किए गए। पकडे गए माओवादियों को बरामद किए गए सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**08/08/2023**

श्री अजय कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 201 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर चिमाली एवं मिलापल्ली के बीच के जंगल, पुलिस स्टेशन जगरगुंडा, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में एरिया डोमिनेशन किया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 संदिग्ध को पकड़ा जिसका नाम माडवी देवा पुत्र आयु 27 वर्ष पुत्र माडवी जोगा जिला जगरगुंडा, छत्तीसगढ़ है। पकडे गए ड्रग तस्कर को राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**08/08/2023**

जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ के रहने वाले माओवादी जिसका नाम राजू करम, एलओएस सदस्य (01 लाख का इनामी) आयु 28 वर्ष पुत्र बोदरा कर है व जिसने उप महानिरीक्षक(परि.) रेंज दांतेवाडा, पुलिस स्टेशन दांतेवाडा, जिला दांतेवाडा में केरिपुबल के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**10/08/2023**

श्री भागीरथ मीणा, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 229 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर पंगुर के जंगल, पुलिस स्टेशन मोदकपाल, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ में एरिया डोमिनेशन किया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा जिसका नाम मदकम सोमा डीएकेएमएस कमांडर आयु 35 वर्ष पुत्र भामन, जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ है और जिसके पास से टिफिन बम्ब (लगभग 01 किलोग्राम) का बरामद किया। पकडे गए माओवादी को बरामद किए गए सामान सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**10/08/2023**

श्री मुकेश चंद, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 190 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम तारादोहर, पुलिस स्टेशन कुण्डा, जिला चतरा, झारखंड में नाका लगाया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा जिसका नाम देवधारी सिंह भोक्ता, टीएसपीसी, आयु 40 वर्ष पुत्र बंदारी सिंह भोक्ता, जिला पालामू, झारखंड है। पकडे गए माओवादी को राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**10/08/2023**

श्री शशि रंजन कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 85 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ध्रुवपारा एवं मेट्टापाल के जंगलों के बीच, पुलिस स्टेशन गंगलूर, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ में एरिया डोमिनेशन किया। अभियान के दौरान जवानों ने जिला बीजापुर के रहने वाले 05 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम पालो पुनेम, मिलिशिया आयु 20 वर्ष पुत्र स्व. अयातु पुनेम, सरिता तेलम, सीएनएम अध्यक्ष आयु 21 वर्ष पुत्री मूरा तेलम, शांति पोटम, मिलिशिया आयु 21 वर्ष पुत्री सन्नू पोटम, सन्नू कडती, जनतन सरकार अध्यक्ष आयु 40 वर्ष एवं बुदरू कडती, आरपीसी सदस्य, आयु 40 वर्ष पुत्र लखू कडती हैं। पकड़े गए माओवादियों के पास से 05 किलोग्राम का 01 टिफिन बम्ब, जिलेटिन की 08 छड़े, सेफ्टी फ्यूज 05 नग, कारटेक्स तार 06 मीटर और अन्य सामान बरामद किया। पकडे गए माओवादियों को बरामद किए गए सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**10/08/2023**

जिला दांतेवाडा, छत्तीसगढ़ के रहने वाले 04 माओवादी (01 पुरूष एवं 03 महिला नक्सली) जिनके नाम हुगली सोदी, केएएमएस कमांडर पत्नी भिमा कूरतम, भिमा करतम, डीएकेएमएस पुत्र पंडू करतम, देवे कवासी, कएएमएस पुत्र भिमा कवासी एवं हिडमा मदकामी, मिलिशिया सदस्य पुत्र कोसा उर्फ तहसील मदकम हैं। इन सभी ने पुलिस लाईन करली, पुलिस स्टेशन करली जिला दांतेवाडा में 111 बटालियन केरिपुबल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**11/08/2023**

श्री नीरज कुमार, उप कमाण्डेंट के नेतृत्व में 211 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम नगेश, पुलिस स्टेशन जुग्द, जिला गरियाबंध, छत्तीसगढ़ में एरिया डोमिनेशन किया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 ओजीडब्ल्यु को पकड़ा जिसका नाम भोलाराम पुत्र कार्तिक जिला गरियाबंध छत्तीसगढ़ है और उसके साथ जिला गरियाबंध, छत्तीसगढ़ के रहने वाले 02 अन्य संदिग्ध लोकेन्द्र पुत्र दुर्जन माली एवं मेघनाथ नायक पुत्र कार्मिक राम को भी पकड़ा। पकडे गए ओजीडब्ल्यु एवं संदिग्धों को राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**11/08/2023**

निरीक्षक (जीडी) टी.एस. ओबइया के नेतृत्व में 58 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम अलुबाका, पुलिस स्टेशन वेंकटापुरम, जिला मुलुग, तेलंगाना में नाका लगाया। अभियान के दौरान जवानों ने जिला धार (म.प्र.) के रहने वाले 04 संदिग्धों को पकड़ा जिनके नाम अधन सिंह, आयु 24 वर्ष पुत्र डोंगर सिंह, उमेश चौहान आयु 24 वर्ष, पुत्र गोपाल चौहान, महेश आयु 35 वर्ष पुत्र बंधू, भोर सिंह आयु 35 वर्ष हैं और इनके पास से रू0 20,000/– नगद और 02 मोटरसाईकिल बरामद कीं। पकडे गए संदिग्धों को राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**12/08/2023**

निरीक्षक(जीडी) आर.के. चौरसिया के नेतृत्व में 141 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम गउराराम के

जंगल, पुलिस स्टेशन धुम्मुगुडम, जिला भद्रादरी कोथाकुडम, तेलंगाना में एरिया डोमिनेशन किया। अभियान के दौरान जवानों ने 04 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम कुंजा रघुवरम, कोरियर सदस्य, आयु 26 वर्ष पुत्र भदरईया जिला अलूरी सीतारामामराजू, आंध्र प्रदेश, पुलुपति रवि तेजा कोरियर सदस्य आयु 33 वर्ष पुत्र लक्ष्मईय्या, जिला अलूरी सीतारामाराजू, आंध्र प्रदेश, वाइरेड्डी सतीश आयु 33 वर्ष पुत्र श्रीनिवास जिला सुकमा छत्तीसगढ़ एवं यू. दिनेश कुमार, आयु 31 वर्ष हैं और इनके पास से 01 नग जिलेटिन की छड़, नकद राशि रू. 20,00,000/–, डेटोनेटर–01 नग, 7.62X39एमएम का 01 राउण्ड, 7.62 एमएम का 01 राउण्डस, कारटेक्स तार–1/2 मीटर एवं 01 कार को बरामद किया। पकडे गए माओवादियों को बरामद किए गए सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**15/08/2023**

निरीक्षक(जीडी) ओम प्रकाश उज्जवल के नेतृत्व में 231 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर बस स्टैण्ड दांतेवाडा, पुलिस स्टेशन दांतेवाडा, जिला दांतेवाडा, छत्तीसगढ़ में गुप्त अभियान किया। अभियान के दौरान जवानों ने 04 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम रमेश कुमार ओयम, आयु 18 वर्ष पुत्र मंगू राम ओयम, संजेश आयु 16 वर्ष पुत्र छन्नू, सुभाष कुमार आयु 21 वर्ष पुत्र मंगू राम एवं मनोज कुमार ओयम, आयु 21 वर्ष पुत्र कुम्मा राम हैं और इनके पास से 09 नग जिलेटिन की छड़े, नकद राशि रू. 84,000/–, मोबाईल– 04 नग एवं अन्य सामान बरामद किया गया। पकडे गए माओवादियों को बरामद किए गए सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**15/08/2023**

श्री प्रशांत त्रिपाठी, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 227 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एम.एस कैम्प के पास, पुलिस स्टेशन दरभा, जिला बस्तर, छत्तीसगढ़ में एमसीपी को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने जिला दांतेवाडा, छत्तीसगढ के रहने वाले 02 संदिग्धों को पकड़ा जिनके नाम बलराम कश्यप आयु 20 वर्ष पुत्र हिरमा राम कश्यप एवं सुकराम आयु 35 वर्ष पुत्र कोसा हैं और जिनके पास से 30 किलो संदिग्ध पदार्थ (जिसका प्रयोग आईइडी/विस्फोटक बनाने में होता है) एवं 01 मोटरसाईकिल बरामद की गई। पकडे गए संदिग्धों को बरामद किए गए सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**16/08/2023**

श्री के.डी. जोशी, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 214 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर लेडफा, पुलिस स्टेशन मनिका लातेहार, जिला लातेहार, झारखंड में एसएडीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने 02 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम शंकर राम, जे.के.एम. और कविता भुईयां(महिला) हैं और वह जिला लातेहार, झारखंड़ के रहने वाले हैं। पकड़े गए माओवादियों के पास से 02 हथियार जिनमें 01 नग .315 बोर राइफल एवं 01 नग पिस्टल .315 बोर, 05 नग .315 एमएम के जिन्दा कारतूस, .315 एमएम का खाली खोका–01 नग, मैगजीन–04 नग और अन्य सामानों को बरामद किया गया। पकडे गए माओवादियों को बरामद किए गए सामानों सहित राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**18/08/2023**

श्री राजू कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 206 बटालियन के जवानों ने एसटीएफ एवं राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम कसालपाड़, पुलिस स्टेशन चिंतागुफा, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में एससीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने ग्राम कासलपद के रहने वाले 02 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम बरसे रामा, जीपीसी एवं डीएकेएमएस सदस्य आयु 36 वर्ष पुत्र बरसे जोगा एवं मदकम पोज्जा, विकास कमेटी सचिव पुत्र मदकम जोग्गा हैं। पकडे गए माओवादियों को राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**18/08/2023**

श्री अनिल कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 206 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम गुंदराजपुर, पुलिस स्टेशन किस्टाराम, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में ''सी'' स्तर के सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा जिसका नाम दुधी कोसा मिलिशिया कमांडर–इन–चीफ एवं एरिया कमांड सदस्य (01 लाख का इनामी) पुत्र दुधी हडमा जिला सुकमा छत्तीसगढ़ है। पकडे गए माओवादी को राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**22/08/2023**

जिला पखाडा, छत्तीसगढ़ के रहने वाले 14 माओवादी जिनके नाम कुमारी हुंगी आयु 27 वर्ष पुत्री हिडमा कोवासी, हडया सोदी आयु 22 वर्ष पुत्र कोसा/मुआ सोदी, कोसा करतन आयु 23 वर्ष पुत्र वेल्ला करतम, लिंगा पोडियम आयु 35 वर्ष पुत्र बोंडा पोडियम, राजू कोवासी आयु 28 वर्ष पुत्र लिंगा कोवासी, हडमा सोदी आयु 30 वर्ष पुत्र स्व. कोंडा सोदी, जोज्जा करतम आयु 28 वर्ष पुत्र स्व मसा करतम, गंगा कोवासी आयु 46 वर्ष पुत्र लिंगा कोवासी, राजू करतम आयु 28 वर्ष पुत्र हिडमा करतम, हिडमे माडवी, केएएमएस, अध्यक्ष ग्राम पेडका (रू. 1,25,000/– की इनामी), आयु 30 वर्ष पुत्री अइतु माडवी, हुंगा कोहरामी, जनतन सरकार उपाध्यक्ष (रू. 1,25,000/– का इनामी) आयु 31 वर्ष पुत्र स्व. जोगा कोहरामी, हिडमे कोवासी, सीएनएम सदस्य (रू. 25,000/– की इनामी) आयु 20 वर्ष पुत्री स्व. मगदू कोवासी, पंडे कोवासी, के एएमएससदस्य (रू. 25,000/– की इनामी) आयु 23 वर्ष पुत्री नगदा कोवासी एवं भूमा माडवी, तनेली डीएकेएमएस अध्यक्ष (रू. 1,00,000/– का इनामी) आयु 35 वर्ष पुत्र भुद्रा मंडावी है। इन सभी ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय दांतेवाडा, पुलिस स्टेशन दांतेवाडा, जिला दांतेवाडा, छत्तीसगढ़ में रेंज दांतेवाडा, 111 एवं 231 बटालियन, केरिपुबल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**23/08/2023**

श्री भागीरथ मीणा, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 229 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम चेरकदोदी के जिन्नेलपारा, पुलिस स्टेशन अवापल्ली, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ में एरिया डोमिनेशन किया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 माओवादी को पकड़ा जिसका नाम राजेश चापा आयु 34 वर्ष, पुत्र सुरईया चापा, जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ है। पकडे गए माओवादी को राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**24/08/2023**

जिला दांतेवाडा, छत्तीसगढ़ के रहने वाले माओवादी जिसका नाम लखमे कोवासी, जियोकोरथा पंचायत, मिलिशिया कमांडर आयु 35 वर्ष पुत्र लिंगा कोवासी ने पुलिस लाईन करली, पुलिस स्टेशन दांतेवाडा में उप महानिरीक्षक(परि.) रेंज दांतेवाडा केरिपुबल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**24/08/2023**

जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ के रहने वाले 02 माओवादी जिनके नाम वेट्टी भिमा, आरपीसी अध्यक्ष, जीपीसी अध्यक्ष इलमागुंडा आरपीसी आयु 50 वर्ष पुत्र स्व भिमा एवं माडवी जोगा मिलिशिया कमांडर इलमागुंडा आरपीसी (रू. 1,00,000/– का इनामी) आयु 50 वर्ष पुत्र होंगा है। इन सभी ने नक्सल सेल कार्यालय, पुलिस स्टेशन सुकमा, जिला सुकमा में 131 बटालियन केरिपुबल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**25/08/2023**

श्री धनंजय कुमार, सहायक कमाण्डेंट के नेतृत्व में 197 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर तुम्बाहाका, पुलिस स्टेशन टोंटो, जिला पश्चिम सिंहभूम, झारखंड़ में एरिया डोमिनेशन किया। अभियान के दौरान जवानों ने जिला पश्चिम सिंहभूम, झारखंड़ के रहने वाले 02 संदिग्धों को पकड़ा जिनके नाम पंडू आयु 23 वर्ष पुत्र सिनू पूर्ति एवं रमजा आयु 30 वर्ष पुत्र कृष्णा हेम्ब्रम हैं। पकडे गए संदिग्धों को राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**26/08/2023**

जिला भेजी, छत्तीसगढ़ के रहने वाले 02 माओवादी जिनके नाम सोदी देवा, आरपीसी मिलिशिया प्लाटून कमांडर आयु 23 वर्ष पुत्र दोसी वेगा एवं कावासी इररा, आरपीसी कारिशी कमेटी सदस्य आयु 36 वर्ष पुत्र कवासी देवा है। इन सभी ने नक्सल सेल कार्यालय, पुलिस स्टेशन सुकमा, जिला सुकमा में 208 बटालियन केरिपुबल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

**27/08/2023**

श्री विवेक कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में 111 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम पोरो काकाडी के जंगल, पलिस स्टेशन अरनपुर, जिला दांतेवाडा, छत्तीसगढ़ में एससीओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने 01 ओजीडब्ल्यु को पकड़ा जिसका नाम हेमला ननगा पुत्र हेमलस नंदा जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ है व जिसके पास सी/एम ऐरो बम्ब–80 नग, डेटोनेटर–02 नग, जिलेटिन की छड़े–01 नग और अन्य सामान बरामद किए गए। पकडे गए ओजीडब्ल्यु को बरामद किए गए सामानों के साथ राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**28/08/2023**

श्री अनिल कुमार प्रसाद, कमाण्डेंट के नेतृत्व में 230 बटालियन के जवानों ने राज्य पुलिस के साथ मिलकर ग्राम बसनपुर, पुलिस स्टेशन भांसी, जिला दांतेवाडा, छत्तीसगढ़ में सीएएसओ को अंजाम दिया। अभियान के दौरान जवानों ने 02 माओवादियों को पकड़ा जिनके नाम बरसे मुन्ना उर्फ लालू पीपीसीएम (08 लाख का इनामी) आयु 28 वर्ष पुत्र रामा बरसे जिला दांतेवाडा, छत्तीसगढ़ एवं मंगली पुनेम एलओएस सदस्य आयु 26 वर्ष पत्नी मुन्ना भास्कर, जिला बीजापुर छत्तीसगढ़ हैं व जिनके पास से धारदार चाकू बरामद किया। पकडे गए माओवादियों को बरामद किए गए सामान के साथ राज्य पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

**29/08/2023**

जिला दांतेवाडा, छत्तीसगढ़ के रहने वाले माओवादी जिसका नाम पंडू पोडियामी, डीएकेएमएस सदस्य, आयु 33 वर्ष पुत्र पोडियामी है जिसने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस स्टेशन कटेकल्याण, जिला दांतेवाडा में 241 बटालियन केरिपुबल एवं राज्य पुलिस के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

## भर्ती शाखा

**01. सहायक कमाण्डेंट (एल.डी.सी.ई.) 2018-22 नोडल फोर्स-एस.एस.बी.**

सहायक कमाण्डेंट (एल.डी.सी.ई.) के डी.एम.ई/आर.एम.ई. में सफल कुल 379 उम्मीदवारों के डोजियर नोडल फोर्स एस.एस.बी. को दिनांक 14/06/2023, 22/06/2023 एवं 17/07/2023 को मेरिट लिस्ट तैयार करने हेतु भेजा गया है।

**02. सहायक कमाण्डेंट (जीडी) 2022 नोडल फोर्स-आई.टी.बी.पी.**

सहायक कमाण्डेंट (जीडी) के लिए दिनांक 03/07/2023 से 27/07/2023 तक संघ लोक सेवा आयोग द्वारा साक्षात्कार आयोजित किया गया।

**03. उपनि (जीडी) 2021-22 (नोडल फोर्स-बी.एस.एफ):-**

उपनि (जीडी) के लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का डी.एम.ई./आर.एम.ई. दिनांक 14/06/2023 से 03/07/2023 तक सी.ए.पी.एफ. के 17 केन्द्रों पर आयोजित किया गया। डी.एम.ई./आर.एम.ई. में फिट हुए उम्मीदवारों का एस.एस.सी द्वारा दिनांक 16/08/2023 को अंतिम परिणाम जारी किया गया। तद्नुसार कुल 3040 चयनित उम्मीदवार केरिपुबल को आवंटित हुए है, जिनकी भर्ती के बाद की औपचारिकताएँ पूर्ण की जा रही है।

**04. हव. (जीडी) एल.डी.सी.ई.) - 2019 :-**

हव. (जीडी) की विभागीय भर्ती से संबंधित लिखित परीक्षा का आयोजन दिनांक 24/08/2023 को किया जा रहा हैं।

**05. सउनि (आशु.) व हव. (मंत्रा.) एल.डी.सी.ई.) :-**

सउनि (आशु.) व हव. (मंत्रा.) की विभागीय भर्ती से संबंधित नोटिफिकेशन दिनांक 08/05/2023 को जारी किया गया। सउनि (आशु.) व हव. (मंत्रा.) की विभागीय भर्ती की लिखित परीक्षा का आयोजन दिनांक 25/08/2023 को किया जा रहा हैं।

**06. करूणामूलक आधार पर भर्ती (हव./मंत्रा. स्पेशल ड्राईव):-**

सक्षम प्राधिकारी (महानिदेशक, केरिपुबल) के अनुमोदनानुसार दिनांक 02/05/23 को 43, दिनांक 15/06/23 को 01 एवं दिनांक 17/07/23 को 01, कुल 45 योग्य उम्मीदवारों की रिक्तियाँ जारी की गई है।

**07. करूणामूलक आधार पर भर्ती :-**

भर्ती शाखा के पत्र संख्या ए.छ–15/23–भर्ती–डी.ए–9 दिनांक 11/07/23, 17/07/23, 21/07/23, 31/07/23 एवं 02/08/23 के माध्यम से विभिन्न पदों के लिए अलग–अलग सैक्टरों को 85 रिक्तियाँ जारी की गई।

**08. सिपाही (जीडी)-2022 एवं 2023 नोडल फोर्स-सीआरपीएफ:-**

सिपाही/जीडी – 2022 एवं 2023 के पी.एस.टी/पी.ई.टी. में सफल उम्मीदवारों का डी.एम.ई./आर.एम.ई. का अयोजन दिनांक 17/07/2023 से 05/08/2023 तक आयोजित किया गया। डी.एम.ई./आर.एम.ई. में फिट उम्मीदवारों का अंतिम परिणाम कर्मचारी चयन आयोग द्वारा दिनांक 20/08/2023 को जारी किया गया है।

# स्थानान्तरण

| क्र.सं. | इरला सं. | अधिकारी का नाम श्रीमति/श्री | पूर्व | वर्तमान |
|---|---|---|---|---|
| 1. | 9583 | श्री महेश चन्द्र लड्ढा, महानिरीक्षक | जम्मू सेक्टर | परिचालन महानिदेशालय |
| 2. | 12751 | श्री थुमुल्ला विक्रम, महानिरीक्षक | आसूचना महानिदेशालय | कर्नाटक केरल सेक्टर |

# सेवा निवृति

श्री सुधाकर उपाध्याय
महानिरीक्षक

ब्रिग्रेडियर गुरगोपाल सिंह
उप महानिरीक्षक

# महानिदेशक का डिस्क एवं प्रशंसा पत्र

## जुलाई-अगस्त, 2023

| क्र. सं. | इरला/बल सं. | पद | नाम | कार्यालय/बटालियन | अभ्युक्ति |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 4891 | कमाण्डेंट | हरि ओम खड़े | 141 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 2 | 6284 | द्वि.क.अधिकारी | कमलवीर यादव | 141 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 3 | 6615 | द्वि.क.अधिकारी | प्रमोद सूर्यभान पवार | 141 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 4 | 8930 | सहायक कमाण्डेंट | हेमन्त कुमार शर्मा | 141 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 5 | 10180 | सहायक कमाण्डेंट | प्रभात बुद्ध | 141 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 6 | 105122052 | निरीक्षक/जीडी | भास्कर राव मार्कापुरम | 141 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 7 | 880923971 | उप निरी./जीडी | एम देवन्ना | 141 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 8 | 025030908 | हवलदार/जीडी | कोट्टईराजन एस | 141 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 9 | 055146772 | सिपाही/जीडी | ईश्वरराव चिंताडा | 141 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 10 | 115175649 | सिपाही/एस.के | बैजनाथ यादव | 141 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 11 | 11849 | महानिरीक्षक | अंशुमान यादव, भा.पु.से. | कार्मिक शाखा | गोल्डन (प्रशा.) 1 स्टार |
| 12 | 3131 | उप महानिरीक्षक | राजेश कुमार | संगठन शाखा | रजत (प्रशा.) |
| 13 | 11060 | सहा.कमां./मंत्रा. | शिशुपाल सिंह | संगठन शाखा | रजत (प्रशा.) |
| 14 | 911540483 | निरीक्षक/मंत्रा. | मुकेश सिंह | 104 द्रुत कार्य बल (संगठन महानिदेशालय के साथ संलग्न) | गोल्डन (प्रशा.) |
| 15 | 901560232 | निरीक्षक/मंत्रा. | राघवेन्द्र प्रताप सिंह | 08 बटालियन (संगठन महानिदेशालय के साथ संलग्न) | गोल्डन (प्रशा.) |
| 16 | 921580273 | निरीक्षक/मंत्रा. | राकेश चंद्र झा | संगठन शाखा | रजत (प्रशा.) |
| 17 | 911620156 | निरीक्षक/मंत्रा. | नसीब सिंह | संगठन शाखा | रजत (प्रशा.) |
| 18 | 871240152 | निरीक्षक/मंत्रा. | सतीश कुमार | संगठन शाखा | रजत (प्रशा.) |
| 19 | 951930083 | उप निरीक्षक/मंत्रा. | नवल किशोर | संगठन शाखा | रजत (प्रशा.) |
| 20 | 951870125 | उप निरीक्षक/मंत्रा. | अनिल कुमार यादव | संगठन शाखा | रजत (प्रशा.) |
| 21 | 095300091 | स.उ.निरी./मंत्रा. | हरे राम पांडे | ग्रुप केन्द्र दुर्गापुर (संगठन महानिदेशालय के साथ संलग्न) | कांस्य (प्रशा.) |
| 22 | 7872 | उप कमाण्डेंट | जसविंदर सिंह | 89 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 23 | 075270688 | सिपाही/जीडी | मयादरी मधु | 199 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 24 | 7167 | उप कमाण्डेंट | राजू कुमार सिंह | रेंज मुख्यालय रांची | गोल्डन (ऑप्स) 3 स्टार |
| 25 | 035253358 | हवलदार/जीडी | पुरेन्द्र कुमार | 133 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 2 स्टार |
| 26 | 8131 | उप कमाण्डेंट | इंद्र वेश | 210 कोबरा | रजत (ऑप्स) |
| 27 | 8869 | सहायक कमाण्डेंट | राजीव कुमार | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 28 | 095052098 | निरीक्षक/जी.डी | अमित सचान | 210 कोबरा | रजत (ऑप्स) |
| 29 | 041540899 | हवलदार/जीडी | शैक टोपीवली | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 30 | 115142545 | सिपाही/जीडी | नरगंती दुर्गापति | 210 कोबरा | गोल्डन (ऑप्स) |
| 31 | 135092115 | सिपाही/जीडी | नबज्योति नाम नही | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 32 | 145312179 | सिपाही/जीडी | आमिर सुहेल | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 33 | 145373143 | सिपाही/जीडी | सौनवीर सिंह | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 34 | 175000949 | सिपाही/जीडी | दीपक | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 35 | 175001893 | सिपाही/जीडी | सतीश गुर्जर | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 36 | 175254364 | सिपाही/जीडी | परमार भरत भाई | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 37 | 175254301 | सिपाही/जीडी | नेताम अजय भरतलाल | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 38 | 172412625 | सिपाही / जीडी | रमेश कुमार पुनेम | 241 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 39 | 12298 | सहायक कमाण्डेंट | अजय त्यागी | 150 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 40 | 12668 | सहायक कमाण्डेंट | संतोष कुमार | 150 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 41 | 5737 | द्वि.क.अधिकारी | सोहन सिंह | 150 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 1 स्टार |
| 42 | 6697 | द्वि.क.अधिकारी | एस. सेखोलेन होकिप | 150 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 2 स्टार |
| 43 | 135083945 | सिपाही / जीडी | बीरबल राभा | 150 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 44 | 115194626 | सिपाही / जीडी | अभिमन्यु कुमार | 150 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 45 | 135202052 | सिपाही / जीडी | मनीष कुमार | 150 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 46 | 10191 | सहायक कमाण्डेंट | राजेंद्र कुमार | 02 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 47 | 035023406 | हवलदार / जीडी | राजेश कुमार सिंह | 201 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 48 | 175093557 | सिपाही / जीडी | रफीक अली | 201 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 49 | 145044826 | सिपाही / जीडी | उमर सानी मंडल | 201 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 50 | 185340029 | उप निरी. / जीडी | राकेश कुमार | 206 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 51 | 025130903 | हवलदार / जीडी | टिकेन्द्र बोरो | 206 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 52 | 035024653 | हवलदार / जीडी | एके चौधरी | 241 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 53 | 4991 | कमाण्डेंट | केवल कृष्ण | 196 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 54 | 4947 | द्वि.क.अधिकारी | विनोद कुमार | 196 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 55 | 7528 | उप कमाण्डेंट | नलावडे महेश बी | 196 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 56 | 12230 | सहायक कमाण्डेंट | सुशैन उपाध्याय | 196 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 57 | 105316453 | निरीक्षक / जीडी | धर्मेंद्र चौधरी | 196 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 58 | 035160894 | हवलदार / जीडी | प्रणब बरो | 196 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 59 | 065026858 | सिपाही / जीडी | घनश्याम | 196 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 60 | 115212579 | सिपाही / जीडी | एम विजय बालाजी | 196 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 61 | 5523 | द्वि.क.अधिकारी | पवन कुमार सिंह | 210 कोबरा | प्रशस्ति रोल |
| 62 | 125050795 | निरीक्षक / जीडी | मुनेन्द्र कुमार | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 63 | 031416735 | हवलदार / जीडी | तारा चंद द्वात | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 64 | 145254447 | सिपाही / जीडी | घोरपड़े गणेश प्रकाश | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 65 | 4493 | कमाण्डेंट | जैकब वुंगजाबीक तुसिंग | 85 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 1 स्टार |
| 66 | 6664 | द्वि.क.अधिकारी | रीतेश कुमार सिंह | 85 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 67 | 12079 | सहायक कमाण्डेंट | शशि रंजन कुमार | 85 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 68 | 045020293 | निरीक्षक / जीडी | प्रदीप कुमार सिंह | 85 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 69 | 015212596 | हवलदार / जीडी | क्षीरसागर अविनाश भारत | 85 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 70 | 135060329 | सिपाही / जीडी | जितेंद्र सोलंकी | 85 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 71 | 145253762 | सिपाही / जीडी | जगताप नितिन नारायण | 85 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 72 | 105211152 | सिपाही / जीडी | रायपुरकर रोहित देवीदास | 85 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 73 | 8371 | उप कमाण्डेंट | दीपक कुमार रैगर | 202 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 74 | 135380538 | निरीक्षक / जीडी | अनु शार्न कनारिया | 202 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 75 | 041573682 | हवलदार / जीडी | के राजेश | 202 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 76 | 175420324 | सिपाही / जीडी | अमर दास | 202 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 77 | 5678 | द्वि.क.अधिकारी | हरि ओम सागर | बीजापुर (परि.) रेंज | रजत (ऑप्स) |
| 78 | —— | एस.पी | आंजनेय वार्ष्णेय,आईपीएस | एस.पी बीजापुर | कांस्य (ऑप्स) |
| 79 | 7608 | उप कमाण्डेंट | संजय कुमार सिंह | बीजापुर (परि.) रेंज | गोल्डन (ऑप्स) |
| 80 | 041751311 | हवलदार / जीडी | मुकेश गोस्वामी | 85 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 81 | 055144083 | सिपाही / जीडी | आर.सुरेश कुमार रेड्डी | 170 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 82 | 3631 | उप महानिरीक्षक | अरविंद राय | सुकमा (परि.) रेंज | गोल्डन (ऑप्स) 1 स्टार |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 83 | 5461 | द्वि.क.अधिकारी | धन सिंह बिष्ट | 165 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 84 | 5492 | द्वि.क.अधिकारी | संजय कुमार | 165 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 85 | 8198 | सहायक कमाण्डेंट | संजय ठाकुर | 165 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 86 | 880922947 | उप निरी./जीडी | उत्तम कुमार दास | 165 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 87 | 991231015 | हवलदार/जीडी | पिंटू परमाणिक | 165 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 88 | 860110084 | सिपाही/जीडी | रामप्रवेश सिंह | 165 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 89 | 11845 | सहायक कमाण्डेंट | देविंदर सिंह | 111 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 90 | 105041346 | सिपाही/जीडी | सेलेस्टीन कुल्लू | 111 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 91 | 175275611 | सिपाही/जीडी | वी. मुनस्वामी | 195 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 92 | 115004221 | सिपाही/जीडी | राजू | 230 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 93 | 031492493 | हवलदार/जीडी | नवनीत राणा | 231 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 94 | 115317238 | सिपाही/जीडी | आनंद मल | 231 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 95 | 8459 | उप कमाण्डेंट | लखवीर | 201 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 96 | 135322119 | सिपाही/जीडी | संदीप केरकेत्ता | 201 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 97 | 145145676 | सिपाही/जीडी | जटोठ रमेश | 201 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 98 | –– | ए.एस.पी सुकमा | किरण गंगाराम चव्हाण, आईपीएस | छत्तीसगढ़ पुलिस | कांस्य (ऑप्स) |
| 99 | 5655 | द्वि.क.अधिकारी | बिशन सिंह | 174 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 100 | 910720219 | स.उ.निरी./जीडी | –ब्रजेंद्र कुमार | 174 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 101 | 045072846 | हवलदार/जीडी | जुगल कुशोर | 174 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 102 | 8450 | उप कमाण्डेंट | अमित कुमार सिंह | 209 कोबरा | रजत (ऑप्स) |
| 103 | 10309 | सहायक कमाण्डेंट | कीशम बिक्रमजीत सिंह | 209 कोबरा | रजत (ऑप्स) |
| 104 | 175045598 | सिपाही/जीडी | दम्बारू धार बाग | 209 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 105 | 3627 | उप महानिरीक्षक | पूर्ण सिंह धर्मशक्तू | रेंज चाईबासा | गोल्डन (ऑप्स) 1 स्टार |
| 106 | 10492 | सहायक कमाण्डेंट | पी शिवसामी | 193 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 107 | 971131756 | सिपाही/जीडी | साजी जोस | 193 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 108 | 055051895 | सिपाही/जीडी | श्रीनिवास रड्डी | 193 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 109 | 060067495 | सिपाही/जीडी | स्वपन रॉय | 193 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 110 | 4920 | कमाण्डेंट | संजय कुमार सिंह | 174 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 111 | 10131 | सहायक कमाण्डेंट | अजीत कुमार | 174 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 112 | 041699312 | हवलदार/जीडी | ए सरवनन | 174 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 113 | 005212852 | हवलदार/जीडी | सतीश कुमार | 174 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 114 | 015171981 | सिपाही/जीडी | अब्बास शाह | 174 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 115 | 9302 | उप कमा./पीपीएस | साहब सिंह | स्थापना महानिदेशालय | कांस्य (प्रशा.) |
| 116 | 065096509 | उप निरीक्षक/मंत्रा. | सुरजीत सिंह यादव | स्थापना महानिदेशालय | कांस्य (प्रशा.) |
| 117 | 943050177 | उप निरी./जीडी (म.) | एम वेंकटम्मा | 213 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 118 | 953357829 | हवलदार/जीडी (म.) | अमोंडकर ज्योति रामदास | 213 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 119 | 971351907 | हवलदार/जीडी (म.) | ज्योति गौड़ | 213 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 120 | 125312228 | सिपाही/बिगुलर (म.) | रीमा डे | 213 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 121 | 105316221 | सिपाही/जीडी (म.) | मौसमी पांडा | 213 (महिला) बटालियन | रजत (प्रशा.) |
| 122 | 145311984 | सिपाही/जीडी (म.) | सोनी कुमारी | 213 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 123 | 115142697 | सिपाही/जीडी (म.) | जया मेकला | 213 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 124 | 175011568 | सिपाही/जीडी (म.) | चिंकी | 213 (महिला) बटालियन | रजत (प्रशा.) |
| 125 | 175054828 | सिपाही/जीडी (म.) | मिताली गोराई | 213 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 126 | 215060041 | सिपाही/जीडी (म.) | करिश्मा पटेल | 213 (महिला) बटालियन | रजत (प्रशा.) |
| 127 | 6329 | द्वि.क.अधिकारी | मनोरंजन कुमार | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | रजत (प्रशा.) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 128 | 7127 | उप कमाण्डेंट | अजय कुमार साह | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | रजत (प्रशा.) |
| 129 | 7933 | उप कमाण्डेंट | ज्योति कुमार | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 130 | 7581 | उप कमाण्डेंट | विजेंद्र सिंह | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 131 | 11252 | सहायक कमाण्डेंट | आशीष कुमार | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 132 | 10322 | सहायक कमाण्डेंट | शेलोटकर चेतन उदाराम | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | गोल्डन (प्रशा.) |
| 133 | 075180769 | निरीक्षक / जीडी | इंद्रेश कुमार | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 134 | 041751481 | निरीक्षक / जीडी | अजय कुमार | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 135 | 041621783 | स.उ.निरी. / जीडी | सुरजन सिंह | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | गोल्डन (प्रशा.) |
| 136 | 015110063 | स.उ.निरी. / जीडी | धर्मेन्द्र | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | रजत (प्रशा.) |
| 137 | 075268213 | स.उ.निरी. / जीडी | जयविन्द्र सिंह | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 138 | 031310874 | हवलदार / जीडी | अजमुल खान | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 139 | 075254069 | सिपाही / जीडी | गोरे गणेश नामदेव | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 140 | 145052775 | सिपाही / जीडी | दयानंद एस | केरिपुबल अकादमी, कादरपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 141 | 3134 | उप महानिरीक्षक | अनिल कुमार सिंह | ग्रुप केन्द्र–द्वितीय अजमेर | गोल्डन (प्रशा.) 1 स्टार |
| 142 | 4518 | कमाण्डेंट | महेंद्र कुमार | ग्रुप केन्द्र–द्वितीय अजमेर | कांस्य (प्रशा.) |
| 143 | 810719142 | निरीक्षक / जीडी | राम खिलारी जाट | ग्रुप केन्द्र–द्वितीय अजमेर | कांस्य (प्रशा.) |
| 144 | 031502131 | स.उ.निरी. / जीडी | महेंद्र सिंह चेतीवाल | ग्रुप केन्द्र–द्वितीय अजमेर | कांस्य (प्रशा.) |
| 145 | 065004783 | स.उ.निरी. / जीडी | विजेंद्र पाल शर्मा | ग्रुप केन्द्र–द्वितीय अजमेर | कांस्य (प्रशा.) |
| 146 | 075252823 | स.उ.निरी. / तकनीकी | शिंदे विनोद मोहन | ग्रुप केन्द्र–द्वितीय अजमेर | कांस्य (प्रशा.) |
| 147 | 045203781 | हवलदार / जीडी | शम्भू सिंह मीना | ग्रुप केन्द्र–द्वितीय अजमेर | कांस्य (प्रशा.) |
| 148 | 040550054 | उप निरी. / फार्म | श्री कान्त चौधरी | ग्रुप केन्द्र लखनऊ | कांस्य (प्रशा.) |
| 149 | 005081213 | हवलदार / जीडी | रोहताश कुमार | प्रथम बेतार बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 150 | 075267564 | सिपाही / जीडी | पिंकू सिंह | 55 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 151 | 065113358 | उप निरीक्षक / मंत्रा. | दीप चंद | कोबरा सेक्टर मुख्यालय | रजत (प्रशा.) |
| 152 | 3555 | उप महानिरीक्षक | बलराम बेहरा | ग्रुप केन्द्र रायपुर | रजत (प्रशा.) |
| 153 | 8121 | उप कमाण्डेंट | प्रियरंजन गुप्ता | ग्रुप केन्द्र रायपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 154 | 9672 | सहायक कमाण्डेंट | प्रवीण मोरे | ग्रुप केन्द्र रायपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 155 | 10104 | सहायक कमाण्डेंट | श्रीमती पूनम नेगी | ग्रुप केन्द्र रायपुर | रजत (प्रशा.) |
| 156 | 941930045 | निरीक्षक / हि.अनु. | के. सुंदरेसन | ग्रुप केन्द्र नागपुर | रजत (प्रशा.) |
| 157 | 7629 | उप कमाण्डेंट | देवेश कुमार तिवारी | 4 बेतार बटालियन | रजत (प्रशा.) |
| 158 | 911020097 | निरीक्षक / तकनीकी | टी. नारायण | 4 बेतार बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 159 | 921010111 | निरीक्षक / तकनीकी | राजेश कुमार | 4 बेतार बटालियन | गोल्डन (प्रशा.) |
| 160 | 830746553 | स.उ.निरी. / रे.फिटर | बी देवराज | 4 बेतार बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 161 | 077290204 | उप निरी / तकनीकी | पिचंडी सेंथिल कुमार | 4 बेतार बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 162 | 9864 | सीएमओ (एस.जी) | गोटपगार परेश सारड | 229 बटालियन | रजत (प्रशा.) |
| 163 | 060960034 | स.उ.निरी. / फार्म | अनुरूप.के | 85 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 164 | 175360162 | सिपाही / नर्सिंग सहा. | धर्मेन्द्र कुमार जाट | 229 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 165 | 067140076 | स.उ.निरी. / फार्म | गौरांग चरण साहू | 196 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 166 | 7510 | सीएमओ (एसजी) | डॉ. अमिताव साहू | 50 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 167 | 135253582 | एएसआई / फार्म | मोहित कुमार | 50 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 168 | 10620 | वरि.चिकि.अधिकारी | डॉ. एसडी नागा मल्लेश्वर राव | 212 बटालियन | रजत (प्रशा.) |
| 169 | 11974 | चिकित्सा अधिकारी | डॉ. रोहित एम | 212 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 170 | 061840549 | स.उ.निरी. / फार्म | रवींद्र नाथ पांजा | 212 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 171 | 930450012 | उप निरी / नर्सिंग सहायक | रामजी दास | 212 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 172 | 10741 | वरि.चिकि.अधिकारी | डॉ. राजेश पुट्टा | 208 कोबरा | कांस्य (प्रशा.) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 173 | 11938 | चिकित्सा अधिकारी | डॉ. मुथ्याला किरण | 208 कोबरा | कांस्य (प्रशा.) |
| 174 | 12191 | सहायक कमाण्डेंट | सुमित श्री कान्त साठे | 216 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 175 | 7038 | द्वि.क.अधिकारी | युवराज कुमार | कल्याण महानिदेशालय | गोल्डन (प्रशा.) |
| 176 | 065010087 | उप निरीक्षक/मंत्रा. | सुश्री अनिता कुमारी | ग्रुप केन्द्र जालंधर (महानिदेशालय के साथ संलग्न) | रजत (प्रशा.) |
| 177 | 115235259 | सिपाही/जीडी (महिला) | सुश्री संजू बाला | 232(महिला) बटालियन (महानिदेशालय के साथ संलग्न) | कांस्य (प्रशा.) |
| 178 | 145020106 | सिपाही/जीडी (महिला) | श्रीमती सुरभि देवी | 232(महिला) बटालियन (महानिदेशालय के साथ संलग्न) | रजत (प्रशा.) |
| 179 | 095070898 | स.उ.निरी./मंत्रा. | प्रभात कुमार झा | कार्मिक शाखा | गोल्डन (प्रशा.) |
| 180 | 10310 | सहायक कमाण्डेंट | सुश्री मनुश्री | निर्माण महानिदेशालय | गोल्डन (प्रशा.) |
| 181 | 921880169 | निरीक्षक/मंत्रा. | तेजपाल सिंह | निर्माण महानिदेशालय | गोल्डन (प्रशा.) |
| 182 | 005201404 | उप निरीक्षक/मंत्रा. | विजय कुमार सिंह | निर्माण महानिदेशालय | कांस्य (प्रशा.) |
| 183 | 135029728 | सिविल | संकल्प मीना | निर्माण महानिदेशालय | कांस्य (प्रशा.) |
| 184 | 130951101 | सिविल | धीरेन्द्र कुमार वर्मा | निर्माण महानिदेशालय | कांस्य (प्रशा.) |
| 185 | 7359 | उप कमाण्डेंट | हर्ष त्रिपाठी | 209 कोबरा | गोल्डन (ऑप्स) 2 स्टार |
| 186 | 10207 | सहायक कमाण्डेंट | केशव कुमार मिश्रा | 209 कोबरा | गोल्डन (ऑप्स) |
| 187 | 115213754 | निरीक्षक/जीडी | सुशील तिग्गा | 209 कोबरा | रजत (ऑप्स) |
| 188 | 145043375 | सिपाही/जीडी | प्रणय कुमार बेहरा | 209 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 189 | 115062515 | सिपाही/जीडी | बंटी शर्मा | 209 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 190 | 105177623 | सिपाही/जीडी | माइकल कुल्लू | 209 कोबरा | रजत (ऑप्स) |
| 191 | 175046488 | सिपाही/जीडी | प्रदीप कुमार महंत | 209 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 192 | 035240308 | हवलदार/जीडी | बूटा सिंह | 209 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 193 | 175023112 | सिपाही/जीडी | कुलदीप कुमार शर्मा | 209 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 194 | 215070055 | सिपाही/जीडी | संजय कुमार मेहरा | 209 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 195 | 4935 | कमाण्डेंट | मनोज कुमार | 190 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 1 स्टार |
| 196 | 8546 | सहायक कमाण्डेंट | चौधरी कलीम उल्ला | 190 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 197 | 085193152 | निरीक्षक/जीडी | धीरज कुमार | 190 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 198 | 031515466 | हवलदार/जीडी | रवि रंजन सिंह | 190 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 199 | 041609544 | हवलदार/जीडी | श्यो कुमार शर्मा | 190 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 200 | 20061381 | पुलिस उप महानिरीक्षक | नरेंद्र कुमार सिंह, आईपीएस | रेंज हजारीबाग, झारखण्ड पुलिस | रजत (ऑप्स) |
| 201 | 20171138 | एस.पी | राकेश रंजन, आईपीएस | एसपी चतरा, झारखंड पुलिस | रजत (ऑप्स) |
| 202 | —— | उप निरीक्षक | सनोज कुमार चौधरी | ओसी हंटरगंज, झारखंड पुलिस | कांस्य (ऑप्स) |
| 203 | —— | उप निरीक्षक | गुलाम सरवर | ओसी जोरी, झारखंड पुलिस | कांस्य (ऑप्स) |
| 204 | —— | उप निरीक्षक | विनोद कुमार | ओसी राजपुर, झारखंड पुलिस | कांस्य (ऑप्स) |
| 205 | —— | उप निरीक्षक | बजरंग ओरांव | तकनीकी सेल, झारखंड पुलिस | रजत (ऑप्स) |
| 206 | 9583 | महानिरीक्षक | महेश चन्द्र लड्ढा | मुख्यालय जम्मू सेक्टर (अब परिचालन महानिदेशालय) | रजत (ऑप्स) |
| 207 | 3382 | उप महानिरीक्षक | राकेश सेठी | मुख्यालय जम्मू रेंज | रजत (ऑप्स) |
| 208 | 6027 | द्वि.क.अधिकारी | कासम खान | 33 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 209 | 4483 | कमाण्डेंट | श्री राम मीना | 72 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 210 | 9190 | सहायक कमाण्डेंट | विनोद कुमार शर्मा | 72 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 211 | 11168 | सहायक कमाण्डेंट | जीतेन्द्र कुमार | 72 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 212 | 020820109 | हवलदार/जीडी | चतरपाल सिंह | 72 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 213 | 175160546 | सिपाही/जीडी | जफर अहमद | 72 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |

| 214 | 5221 | कमाण्डेंट | निंगथौजम रणबीर सिंह | 84 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
|---|---|---|---|---|---|
| 215 | 9457 | सहायक कमाण्डेंट | ऋषि पाराशर | 84 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 216 | 091330067 | निरीक्षक / जीडी | कुमार गौरव | 84 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 217 | 215422459 | सिपाही / जीडी | उमाकांत बेहरा | 84 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 218 | 6117 | द्वि.क.अधिकारी | करतार सिंह | 137 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 219 | 10483 | सहायक कमाण्डेंट | सतीश कुमार | 137 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 220 | 115072262 | सिपाही / जीडी | दर्शन सिंह | 137 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 221 | 105204477 | सिपाही / जीडी | विवेक नंद पांडे | 137 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 222 | 125001491 | निरीक्षक / जीडी | अमित कुमार | 166 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 223 | 880946883 | उप निरी. / जीडी | निर्मल सिंह | 166 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 224 | 041614243 | हवलदार / जीडी | बरैया रविशंकर | 166 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 225 | 12068 | सहायक कमाण्डेंट | नरेंद्र कुमार | 187 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 226 | 831170012 | निरीक्षक / जीडी | जगदेव राज | 187 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 227 | 041579343 | हवलदार / जीडी | बबलू | 187 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 228 | 921342408 | स.उ.निरी. / जीडी | गुलशन कुमार | 72 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 229 | 065072966 | सिपाही / जीडी | मोहम्मद इब्राहिम | 121 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 230 | 125075317 | सिपाही / जीडी | वाहिद उल हक | 72 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 231 | 005071039 | निरीक्षक / जीडी | नरेश शर्मा | 126 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 232 | 11322 | महानिरीक्षक | अजय कुमार यादव | श्रीनगर सेक्टर मुख्यालय | कांस्य (ऑप्स) |
| 233 | 3544 | उप महानिरीक्षक | किशोर प्रसाद | श्रीनगर सेक्टर मुख्यालय | गोल्डन (ऑप्स) |
| 234 | 3588 | उप महानिरीक्षक | मैथ्यू ए जॉन | श्रीनगर दक्षिण रेंज मुख्यालय | गोल्डन (ऑप्स) 3 स्टार |
| 235 | 4011 | उप महानिरीक्षक | राकेश सिंह जून | 25 बटालियन कोबरा | गोल्डन (ऑप्स) 2 स्टार |
| 236 | 4222 | कमाण्डेंट | निखिल रस्तोगी | 35 बटालियन | प्रशस्ति रोल |
| 237 | 4967 | कमाण्डेंट | ऋषि राज सहाय | 44 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 238 | 4197 | कमाण्डेंट | प्रभात कुमार संदवार | 54 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 2 स्टार |
| 239 | 5188 | कमाण्डेंट | सुधांशु शेखर | 61 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 240 | 5001 | कमाण्डेंट | हरज्ञान सिंह गुर्जर | 73 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 2 स्टार |
| 241 | 3996 | कमाण्डेंट | कृष्णकांत पांडे | 75 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 242 | 4183 | कमाण्डेंट | किशोर कुमार | 79 बटालियन | प्रशस्ति रोल |
| 243 | 5160 | कमाण्डेंट | सुशांत कुमार प्रधान | 115 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 244 | 4481 | कमाण्डेंट | विप्लव सरकार | 117 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 245 | 4974 | कमाण्डेंट | रंजन कुमार बरुआ | 132 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 246 | 6622 | द्वि.क.अधिकारी | अरविन्द सिंह यादव | 25 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 247 | 5930 | द्वि.क.अधिकारी | सुधीर दिवाकर | 25 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 248 | 6320 | द्वि.क.अधिकारी | राजीव यादव | 35 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 249 | 5441 | द्वि.क.अधिकारी | दीपक कुमार साहू | 44 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 250 | 4897 | द्वि.क.अधिकारी | सुनील कुमार सविता | 54 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 251 | 5975 | द्वि.क.अधिकारी | प्रदीप कुमार त्रिपाठी | 73 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 252 | 5691 | द्वि.क.अधिकारी | विश्व दीप सिंह | 79 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 253 | 6620 | द्वि.क.अधिकारी | शमीमुद्दीन शेख | 115 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 254 | 5931 | द्वि.क.अधिकारी | एसएम बेहरा | 117 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 255 | 6497 | द्वि.क.अधिकारी | हेमन्त कुमार | 132 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 256 | 5756 | द्वि.क.अधिकारी | भूप किशोर शर्मा | 132 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 257 | 7057 | उप कमाण्डेंट | अविज्ञान कुमार | 79 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 258 | 7072 | उप कमाण्डेंट | मृत्युंजय कुमार | 117 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |

| 259 | 7920 | उप कमाण्डेंट | सौरभ अवस्थी | 54 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 2 स्टार |
|---|---|---|---|---|---|
| 260 | 9991 | सहायक कमाण्डेंट | सुदेश कुमार | 25 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 261 | 11646 | सहायक कमाण्डेंट | अनिल कुमार | 25 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 262 | 10048 | सहायक कमाण्डेंट | अंकित शुक्ल | 29 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 263 | 9230 | सहायक कमाण्डेंट | बलवान सिंह | 29 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 264 | 9696 | सहायक कमाण्डेंट | मोहम्मद जावेद हुसैन | 35 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 265 | 9697 | सहायक कमाण्डेंट | श्रीमती वन्दना तोमर | 35 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 266 | 9701 | सहायक कमाण्डेंट | शिव प्रताप सिंह यादव | 54 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 1 स्टार |
| 267 | 12162 | सहायक कमाण्डेंट | इंगल राजेश देवीदास | 54 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 268 | 9480 | सहायक कमाण्डेंट | आशुतोष सिंह | 61 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 269 | 10075 | सहायक कमाण्डेंट | अरुण कुमार राणा | 75 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 270 | 9203 | सहायक कमाण्डेंट | मंगेज कुमार मांडीवाल | 75 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 271 | 11650 | सहायक कमाण्डेंट | सुधीर कुमार दुबे | 132 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 272 | 9693 | सहायक कमाण्डेंट | लोंगजाम चा रवि | 117 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) |
| 273 | 9747 | सहायक कमाण्डेंट | नरपत | 181 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 1 स्टार |
| 274 | 821120511 | निरीक्षक/जीडी | तारा चंद | 25 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 275 | 005001922 | निरीक्षक/जीडी | दलपत सिंह | 29 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 276 | 841271042 | निरीक्षक/जीडी | शिव राम कुशवाह | 35 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 277 | 145340823 | निरीक्षक/जीडी | सुधाकर कुमार गुप्ता | 35 बटालियन | प्रशस्ति रोल |
| 278 | 045000746 | निरीक्षक/जीडी | प्रकाश चंद डूडी | 54 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 279 | 115151642 | निरीक्षक/जीडी | अजय कुमार | 54 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 280 | 065161406 | सिपाही/बिगुलर | अविनाश कुमार | 75 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 281 | 065343942 | सिपाही/जीडी | रईस अहमद कबीर | 161 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 282 | 085340367 | सिपाही/जीडी | नसीर अहमद गनी | 29 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 2 स्टार |
| 283 | 041541922 | हवलदार/जीडी | लेनिन राधाकृष्णन | 54 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 284 | 025280602 | हवलदार/जीडी | भरत सिंह धुर्वे | 118 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 285 | 031463395 | हवलदार/जीडी | पाटिल सुनील दामू | 180 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 286 | 911132492 | स.उ.निरी./जीडी | सगीर हसन | 185 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 287 | 015026064 | हवलदार/जीडी | अजीत कुमार सिंह | 185 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 288 | 175203404 | सिपाही/जीडी | अभिषेक राज | 185 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 289 | 145220818 | सिपाही/जीडी | मनीष प्रजापति | 185 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 290 | 145132831 | सिपाही/जीडी | मोहम्मद अब्दुल हामिद | 185 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 291 | 105272179 | सिपाही/जीडी | सरसाका युगांधर | 185 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 292 | 060876115 | सिपाही/जीडी | रोहन राज | 185 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 293 | 035020807 | सिपाही/चालक | राम चन्द्र यादव | 185 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 294 | 973360075 | स.उ.निरी./जीडी | नजीर अहमद शेख | 3 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 295 | 031443251 | हवलदार/जीडी | विजय कुमार | 3 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 296 | 055151346 | हवलदार/जीडी | एस जितेन सिंह | 45 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 297 | 135110433 | सिपाही/जीडी | संदीप कुमार | 45 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 298 | 913126908 | स.उ.निरी./जीडी | मनोज कुमार दीक्षित | 53 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 299 | 095180737 | सिपाही/जीडी | विवेक कुमार | 92 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 300 | 075137331 | सिपाही/जीडी | ललिन बोरो | 92 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 301 | 9957 | सहायक कमाण्डेंट | वेलागा महेश | 98 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 302 | 891161025 | उप निरी./जीडी | वी मुरुगेसन | 98 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 303 | 931331257 | स.उ.निरी./जीडी | रवीन्द्र सिंह | 162 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 304 | 075266763 | सिपाही / जीडी | ओमन्द्र सिंह | 162 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 305 | 025160598 | निरीक्षक / जीडी | बीर बहादुर गिरि | 176 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 306 | 125231415 | सिपाही / जीडी | कंवलजीत सिंह | 176 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 307 | 10201 | सहायक कमाण्डेंट | क्ष रोमेन सिंह | 179 बटालियन | रजत (ऑप्स) |
| 308 | 075250508 | सिपाही / जीडी | मंचारे सुनील विश्वनाथ | 179 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 309 | आईपीएस–128018 | एस.एस.पी | राकेश बलवाल , आईपीएस | एस.एस.पी श्रीनगर, जम्मू–कश्मीर पुलिस | गोल्डन (ऑप्स) |
| 310 | –– | एस.एस.पी | अल ताहिर गिलानी | एस.एस.पी बडगाम , जम्मू–कश्मीर पुलिस | कांस्य (ऑप्स) |
| 311 | –– | एस.पी | श्री राम, आईपीएस | एस.पी ईस्ट, जम्मू–कश्मीर पुलिस | कांस्य (ऑप्स) |
| 312 | –– | एस.पी | गौरव सिकरवार, आईपीएस | एस.पी साउथ, जम्मू–कश्मीर पुलिस | कांस्य (ऑप्स) |
| 313 | 195080805 | सिपाही / जीडी | रामदेव | 11 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 314 | 195081838 | सिपाही / जीडी | कृष्ण | 45 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 315 | 195080877 | हवलदार / जीडी | अनिकेत कुमार पटेल | 5 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 316 | 170050014 | सिपाही / जीडी | राय गोविंदकुमार विजय कुमार राय | 5 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 317 | 170880061 | सिपाही / जीडी (म.) | शिवानी हुडा | 135 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 318 | 132130078 | हवलदार / जीडी (म.) | अयाना थॉमस | 240 (महिला) बटालियन | रजत (प्रशा.) |
| 319 | 195082149 | सिपाही / जीडी | गुनाओ लुवांगथेम | 200 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 320 | 85150391 | सिपाही / जीडी | मंगसीदाम धीरेन सिंह | ग्रुप केन्द्र जमशेदपुर | कांस्य (प्रशा.) |
| 321 | 171030079 | सिपाही / जीडी (म.) | इशिता | 233 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 322 | 185280018 | सिपाही / जीडी (म.) | शिर्के एकटा दिलीप | 232 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 323 | 195082078 | सिपाही / जीडी | शंकर | 48 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 324 | 171070054 | सिपाही / जीडी (म.) | सविता | 114 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 325 | 175370862 | सिपाही / जीडी | गगनप्रीत सिंह | 186 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 326 | 195081027 | सिपाही / जीडी | रंगन आर.के | 118 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 327 | 171020011 | सिपाही / जीडी (म.) | बेबी कुमारी | 232 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 328 | 12316 | सहायक कमाण्डेंट | ऋचा मिश्रा | 107 बटालियन | रजत (प्रशा.) |
| 329 | 195081455 | सिपाही / जीडी | सत्यवान | 155 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 330 | 170550025 | हवलदार / जीडी | रोहित कुमार | 79 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 331 | 170880043 | सिपाही / जीडी (म.) | रितु रानी | 213 (महिला) बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 332 | 11698 | सहायक कमाण्डेंट | विकास कुमार तोमर | महानिदेशालय | गोल्डन (प्रशा.) |
| 333 | 65222495 | निरीक्षक / जीडी | प्रदीप कुमार | 244 बटालियन | गोल्डन (प्रशा.) 1 स्टार |
| 334 | 131760087 | निरीक्षक / जीडी | राजीव वर्मा | महानिदेशालय | रजत (प्रशा.) |
| 335 | 903041963 | उप निरी. / जीडी | मोहम्मद सिराज आलम | महानिदेशालय | गोल्डेन (प्रशा.) |
| 336 | 971240144 | स.उ.निरी. / जीडी | विनोद कुमार सिंह | ग्रुप केन्द्र बिलासपुर | गोल्डन (प्रशा.) 2 स्टार |
| 337 | 970470066 | हवलदार / चालक | मुकेश कुमार | 132 बटालियन | रजत (प्रशा.) |
| 338 | 5261336 | हवलदार / जीडी | प्रमोद कुमार सिंह | महानिदेशालय | कांस्य (प्रशा.) |
| 339 | 155080361 | सिपाही / जीडी | रोहित तोमर | 55 बटालियन | कांस्य (प्रशा.) |
| 340 | 41726335 | सिपाही / डीवीआर | दीपक कुमार | 108 बटालियन | गोल्डन (प्रशा.) |
| 341 | 135100829 | सिपाही / जीडी | प्रखंड बनरा | 210 कोबरा | कांस्य (ऑप्स) |
| 342 | 9955 | सहायक कमाण्डेंट | राजेश कुमार पांडे | 60 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 343 | 175313208 | सिपाही / जीडी | सोनू यादव | 60 बटालियन | कांस्य (ऑप्स) |
| 344 | 11649 | सहायक कमाण्डेंट | रामगोपाल | 178 बटालियन | गोल्डन (ऑप्स) 2 स्टार |
| 345 | 135091894 | सिपाही / जीडी | पेरिक्लिश बोराह | 178 बटालियन | रजत (ऑप्स) |

रोजगार मेला के अवसर पर श्री दलजीत सिंह चौधरी, विशेष महानिदेशक, के.रि.पु.बल उम्मीदवार को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए।

वार्षिक प्रदर्शनी सह पुरस्कार वितरण समारोह/विश्वधारा के अवसर पर प्रधानाचार्या के.रि.पु.बल पब्लिक स्कूल, रोहिणी, कावा अध्यक्षा डॉ. अजिता थाउसेन का स्वागत करते हुए।

महानिदेशक, के.रि.पु.बल एवं वरिष्ठ अधिकारीगण, कनाडा में आयोजित होने वाले वर्ल्ड पुलिस एवं फायर गेम्स 2023 के प्रतिभागियों के साथ।